दैनिक
सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 269/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 18 मई 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

देश की वेल्थ रिपोर्ट: 5 सालों में 250 करोड़ की संपत्ति वालों की संख्या 58% बढ़ेगी, भारत में तेजी से बढ़ रहे सुपर रिच पर्सन

सांध्यप्रकाश विशेष

अर्जुन राम मेघवाल होंगे देश के नए कानून मंत्री, किरेन रिजिजू को हटाया गया

नई दिल्ली। दिल्ली से एक बड़ी खबर आ रही है। देश के केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू को कानून मंत्री के पद से हटाया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को नया कानून मंत्री बनाया गया।

वर्तमान में अर्जुन राम मेघवाल केन्द्रीय संस्कृति एवम् संसदीय कार्य मंत्री तथा पूर्व केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री एवम् पूर्व केन्द्रीय जल संसाधन, गंगा विकास मंत्री बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से सांसद है। राष्ट्रपति भवन से जारी अधिसूचना के अनुसार किरण रिजिजू अब अर्थ साइंस मंत्रालय के मंत्री होंगे।

गुप्ता होंगे दिल्ली के नए सीएस

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी पीके गुप्ता दिल्ली के नए चीफ सेक्रेट्री हो सकते हैं। इस संबंध में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजकर सहमति मांगी है। केजरीवाल ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के माध्यम से केंद्र से यह मंजूरी मांगी है। अगर यह सहमति मिल जाती है तो पीके गुप्ता, नरेश कुमार के स्थान पर दिल्ली के नए मुख्य सचिव होंगे। नरेश कुमार 87 बैच के आईएएस अधिकारी है।

OUR PREDICTION CAME TRUE

WHISPERSINTHECORRIDORS.COM

Anil Jain appointed Chairman of PNGRB on May 17

(WE SAID THIS ON MAY 16, 2023)

Anil Jain to be Chairman of PNGRB?

Outgoing Secretary, Coal Anil Jain is being appointed Chairman of the Petroleum & Natural Gas Regulatory Board (PNGRB) for a period of five years. He is a former 1986 batch IAS officer of Madhya Pradesh cadre.

आईएएस अधिकारी ने कोर्ट में किया सरेंडर, जाना पड़ा जेल

नई दिल्ली। झारखंड के एक और आईएएस अधिकारी किसी ना किसी मामले में जेल की हवा खा रहे हैं. इसी कड़ी में पलामू के पूर्व बंदोबस्त पदाधिकारी आईएएस अनिल कुमार को जेल हुई है. संचिका गायब करने के मामले अनिल कुमार ने साहिबगंज कोर्ट में आत्मसमर्पण किया जहां से उन्हें मंडल कारा में भेजा गया।

आईएएस अधिकारी और पलामू के पूर्व बंदोबस्त पदाधिकारी अनिल कुमार को जेल जाना पड़ा है। कुमार ने मंगलवार को साहिबगंज कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। कोर्ट ने उन्हें जेल भेज दिया है। साहिबगंज कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद वे पिछले साल नवंबर 2022 से ही फरार चल रहे थे। इसके बाद 10 अप्रैल, 2023 को झारखंड सरकार ने पलामू के बंदोबस्त पदाधिकारी के पद से हटाते हुए मुख्यालय रांची में योगदान करने का निर्देश दिया था।

हिंदुजा समूह के चेयरमैन एस पी हिंदुजा का निधन

लंदन। हिंदुजा समूह के चेयरमैन और चार हिंदुजा भाइयों में सबसे बड़े श्रीचंद परमानंद हिंदुजा का बुधवार को लंदन में निधन हो गया। वह 87 साल के थे। हिंदुजा परिवार के एक प्रवक्ता ने उनके निधन की सूचना दी।

हिंदुजा पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। पाकिस्तान के कराची में जन्मे श्रीचंद हिंदुजा ने बाद में ब्रिटेन की नागरिकता ले ली थी और वह लंदन में ही रहते थे। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, गोपीचंद, प्रकाश एवं अशोक हिंदुजा समेत समस्त हिंदुजा परिवार बड़े दुख के साथ सूचित कर रहा है कि परिवार के मुखिया एवं हिंदुजा समूह के चेयरमैन एस पी हिंदुजा का निधन हो गया है। उन्होंने यूके, जहां वे रहते थे, और भारत, अपनी होम कंट्री के बीच संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एसपी हिंदुजा और उनके दो भाइयों पर बोफोर्स तोप खरीद में 64 करोड़ रुपये का गैरकानूनी कमीशन लेने का आरोप लगा था। हालांकि दिल्ली उच्च न्यायालय से तीनों हिंदुजा बंधुओं को साक्ष्यों के अभाव में वर्ष 2005 में आरोपमुक्त कर दिया गया था। उनकी पत्नी मधु का निधन गत जनवरी में 82 वर्ष की उम्र में हुआ था। उनके परिवार में दो बेटियां- शानू एवं वीनू हैं।

पॉलिटिक्स ज्वाइन करेंगे धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री?

पूर्व डीजीपी और वर्तमान में कथावाचक बने गुप्तेश्वर पांडेय ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री हनुमत कथा कर रहे हैं. धीरेंद्र शास्त्री के 'हिंदू राष्ट्र' के मुद्दे की चर्चा बिहार में खूब हो रही है.धीरेंद्र शास्त्री से मेरी बातचीत होती रहती है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि मुझे पॉलिटिक्स में नहीं आना है.

गुप्तेश्वर पांडेय ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री पॉपुलर हैं, इसलिए उन पर बयानबाजी हो रही है लेकिन हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग तो देश के करोड़ों लोग कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि नेताओं की राजनीति जात-पात पर होती है लेकिन धीरेंद्र शास्त्री को चाहने वाले कोई एक जात के लोग नहीं हैं. सभी लोग पूरे देश के हर जाति के लोग हर समुदाय के लोग उनका समर्थन कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि बाबा धीरेंद्र शास्त्री एक दिव्य शक्ति वाला बालक है. 27 वर्ष की उम्र में ही उनके चेहरे पर तेज है और यही कारण है कि देश के करोड़ों लोग उनके चाहने वाले हैं। पूर्व डीजीपी ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री के नाम पर एक बड़ा जनसमर्थन मिल सकता है, इसलिए बहुत लोग धीरेंद्र शास्त्री का समर्थन कर रहे हैं, लेकिन धीरेंद्र शास्त्री या हमें पॉलिटिक्स से कोई लेना देना नहीं है. हम लोग तो लोगों को कथा सुनाने का भगवान के प्रति आस्था जगाने का काम करते हैं। बता दें कि नौबतपुर के तरेत पाली में पांच दिवसीय हनुमंत कथा का आयोजन किया गया है. 13 मई से इसकी शुरुआत हुई थी।

आईटी और सोशल मीडिया पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी: चौहान

बीजेपी आईटी और सोशल मीडिया विभाग की बैठक आयोजित

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में आईटी और सोशल मीडिया पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। हमें अपनी विचारधारा के साथ ही मध्यप्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना है। हालांकि हमारी आईटी और सोशल मीडिया की टीमें बहुत सक्रिय हैं, हमें और तेजी से काम करने की आवश्यकता है। हमारी योजनाओं के प्रचार -प्रसार के साथ ही हमें विरोधियों की साजिशों को भी ध्वस्त करना है।

मप्र के विधानसभा चुनाव में पांच महीने का वक्त बचा है। ऐसे में कम समय में ज्यादा लोगों तक अपनी बात आसानी से पहुंचाई जा सके इसके लिए सोशल मीडिया को बीजेपी हथियार के तौर पर इस्तेमाल करेगी। प्रदेश भाजपा कार्यालय में बीजेपी आईटी और सोशल मीडिया विभाग की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सीएम शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, बीजेपी सोशल मीडिया विभाग के राष्ट्रीय संयोजक अमित मालवीय प्रमुख रूप से शामिल हुए।

आज होने वाली बैठक में जिला स्तर से लेकर विधानसभा स्तर तक के कार्यकर्ताओं को बुलाया गया था। इस बैठक में आईटी और सोशल मीडिया विभाग के कार्यकर्ताओं को प्रजेंटेशन के जरिए यह बताया जा रहा है कि किस तरह से राज्य और केन्द्र सरकार की योजनाओं को सोशल मीडिया के जरिए पब्लिक तक पहुंचाना है। बीजेपी नेताओं का मानना है कि आज 90 फीसदी घरों तक मोबाइल की पहुंच हो गई है। हर घर के युवा सदस्य के पास कम से कम एक स्मार्ट फोन है। ऐसे में सोशल मीडिया के जरिए कंटेंट क्रिएशन कर लोगों तक पार्टी के मैसेज को भेजा जाए।

हमारी चुनावी रणनीतिक तैयारी पर होगी चर्चा: शर्मा

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा- आईटी सोशल मीडिया की बैठक में संभाग, जिला और विधानसभा स्तर के कार्यकर्ता आज की बैठक में मौजूद रहेंगे। आगामी 2023 के चुनाव की दृष्टि से हमारी रणनीतिक तैयारी को सोशल मीडिया और आईटी विभाग कैसे और प्रभावी भूमिका निभाएगा उसपर चर्चा होगी। कल प्रदेश कार्यसमिति की बड़ी बैठक आयोजित होगी। केन्द्र में मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर 30 मई से 30 जून तक एक बड़ा अभियान चलेगा।

कर्नाटक: शिवकुमार डिप्टी सीएम पर राजी, सिद्धारमैया सीएम

नई दिल्ली। चार दिन की मान-मनौव्वल और सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद आखिरकार डीके शिवकुमार मान गए। सिद्धारमैया कर्नाटक के मुख्यमंत्री और वे डिप्टी सीएम होंगे। देर रात सोनिया गांधी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए डीके से बातचीत की। इसके बाद ही सीएम पद के लिए अड़े डीके तैयार हुए। शिवकुमार ने गुरुवार सुबह कहा, मैं पार्टी के फॉर्मूले पर राजी हूं। आगे लोकसभा चुनाव हैं और मैं जिम्मेदारियों के लिए तैयार हूं। पार्टी के हित को ध्यान में रखते हुए मैंने सहमति दी है। डीके के भाई और सांसद डीके सुरेश ने कहा कि मैं पूरी तरह से खुश नहीं हूं।

कांग्रेस ने आज शाम 7 बजे बेंगलुरु में कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई है। इसमें पार्टी के सेंट्रल ऑब्जर्वर भी पहुंचेंगे। नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 20 मई को बेंगलुरु में होगा। इससे पहले राहुल और खड़गे की सिद्धारमैया और डीके के साथ कई मीटिंग्स बेनतीजा रही थीं।

लोकसभा चुनाव के बाद डीके सीएम बनेंगे

शिवकुमार 50-50 फॉर्मूले पर राजी हुए हैं। पहले ढाई साल सिद्धारमैया सीएम रहेंगे और बाद के ढाई साल डीके। यानी डीके लोकसभा चुनाव के बाद 2025 में मुख्यमंत्री बनेंगे। हालांकि, अब कर्नाटक का कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा, इसका नाम तय नहीं है।

कमलनाथ की बड़ी घोषणा सरकार बनी तो 100 यूनिट बिजली माफ़ 200 यूनिट बिजली हाफ

बदनावर। धार जिले के बदनावर में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि उनकी प्रदेश में सरकार बनती है तो 100 यूनिट तक बिजली माफ़ और 200 यूनिट बिजली का बिल आधा लगेगा। उन्होंने कहा कि मुझे ईडी और सीबीआई से कतई डर नहीं लगता क्योंकि मेरा रास्ता सच्चाई का रास्ता है 44 साल के मेरे राजनीतिक जीवन पर कोई उंगली नहीं उठा सकता, 44 साल मुझे मेरे क्षेत्र की जनता ने वोट दिया है। कोई सांसद नहीं है देश में जो इतने चुनाव जीता हो जितने मैं जीता हूं। कर्नाटक में तो 40 प्रतिशत कमीशन हुआ करता था, परंतु मध्य प्रदेश की जनता जानती है कि यहां पर भ्रष्टाचार की व्यवस्था बनी हुई है पंचायत से लेकर मंत्रालय तक।

उन्होंने कहा कि पूरे मध्यप्रदेश से मांग उठ रही है इस बार विधानसभा चुनाव में स्थानीय उम्मीदवार दिया जाए जिससे मैं काफी हद तक सहमत भी हूं, हमारा स्थानीय संगठन इसमें अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा- मध्यप्रदेश का नौजवान आज रोजगार के लिए भटक रहा है और प्रदेश का अन्नदाता खाद बीज और फसलों के उचित मूल्य के लिए भटक रहा है। प्रदेश में चौपट राज चल रहा है चौपट रोजगार, चौपट भर्ती व्यवस्था,चौपट शिक्षा व्यवस्था चौपट स्वास्थ्य व्यवस्था, चौपट नर्सिंग कॉलेज, उद्योग चौपट हैं। प्रदेश में आज हर क्षेत्र में व्यवस्थाएं चौपट हैं।

उन्होंने कहा- हमें गर्व है कि पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र कांग्रेस की सरकार ने बनाया था, परंतु आज पीथमपुर की हालत देखकर बेहद दुख होता है।

सीएम के निर्देश पर पुलिस हाउसिंग का इंजीनियर सस्पेंड

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर पर्यवेक्षण में लापरवाही के कदाचरण के क्रम में मप्र पुलिस हाउजिंग कॉर्पोरेशन के परियोजना यंत्री जनार्दन सिंह को निलम्बित कर दिया गया है। इस संबंध में गृह विभाग ने आदेश जारी कर दिए हैं। एसीएस डा. राजेश राजौरा ने कहा कि लोकायुक्त की बर्खास्त संविदा सहायक

इंजीनियर हेमा मीणा के साथ जनार्टन सिंह की साठगांठ सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

हम बता दें कि 11 मई को सुबह छह बजे लोकायुक्त ने बिलखिरिया इलाके में पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन की प्रभारी सहायक इंजीनियर (संविदा) हेमा मीणा के फार्महाउस पर छापा मारा था। जहां से लोकायुक्त ने शुरुआत में सात करोड़ की संपत्ति मिलने का दावा किया है। संपत्तियों के मूल्यांकन काम किया जा रहा है।

तमिलनाडु में जल्लीकट्टू पर बैन लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के उस कानून को वैध करार दिया है, जिसमें जलीकट्टू को एक खेल के तौर पर मान्यता दी गई है। कोर्ट ने कहा है कि तमिलनाडु का जानवरों के साथ क्रूरता कानून (संशोधन), 2017

जानवरों को होने वाले दर्द और पीड़ा को काफी हद तक कम कर देता है। गौरतलब है कि जल्लीकट्टू, जिसे इरुथाझुवुथल भी कहा जाता है, सांडों के साथ खेला जाने वाला खेल है, जिसका आयोजन पोंगल में फसलों की कटाई के दौरान किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस केएम जोसेफ के नेतृत्व वाली पांच जजों की संविधान पीठ ने एकमत से निर्णय सुनाते हुए महाराष्ट्र में होने वाली बैलगाड़ी की दौड़ों की मान्यता भी बरकरार रखी।

मक्सी-उज्जैन मार्ग पर ट्राले और बस में भिड़ंत, 5 की मौत, 13 घायल

शाजापुर। शाजापुर में मक्सी-उज्जैन मार्ग पर बुधवार रात करीब साढ़े 3 बजे एक बस और ट्राले में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, एक मां-बेटी ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। 13 घायलों को उज्जैन ले जाया गया है। बस माधवगढ़ (जालौन, उत्तर प्रदेश) से अहमदाबाद जा रही थी। मृतक यूपी के रहने वाले थे। घटनास्थल पर जान गंवाने वालों में दो महिलाएं एक ही परिवार की थीं। दोनों शादी में शामिल होने गुजरात के अहमदाबाद जा रही थीं। दोनों बस में आगे की सीट पर बैठी हुई थीं।

मक्सी थाने के एसआई दीपेश व्यास ने बताया कि दोंगता के पास बस और उज्जैन की ओर से आ रहे ट्राले में सामने-सामने भिड़ंत हो गई।

इसलिए हटाया रिजिजू को...? मेघवाल को चुनावी रणनीति के तहत बनाया कानून मंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वरिष्ठ नेता और केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू को पद से हटाकर उन्हें पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय दे दिया। कानून मंत्रालय की जिम्मेदारी अब अर्जुन राम मेघवाल को सौंपी गई है। रिजिजू को हटाए जाने के पीछे मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा का नतीजा बताया जा रहा है। जबकि, अंदर की खबर है कि किरेन रिजिजू और न्यायपालिका के साथ उनकी तनातनी काफी बढ़ती जा रही थी। किरेन पर सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार सख्त टिप्पणी भी की थी।

जजों की नियुक्ति में समय लगने की वजह से सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरकार पर सवाल खड़े किए थे। इस वजह से केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट में भी खींचतान भी देखने को मिली। जबकि, सरकार अपने हर मंत्री के कामकाज की समीक्षा कर रहा है, जिसके हिसाब से यह फैसला लिया गया। कहा जा रहा है कि आने वाले दिनों में कुछ और मंत्रालयों में बड़ा फेरबदल हो सकता है। किरेन रिजिजू पिछले कई दिनों से सुर्खियों में थे। किरेन रिजिजू कई बार न्याय, न्यायालय और उसके कामकाज पर बयानबाजी कर चुके है। इसी के चलते उनसे कानून मंत्रालय छीना गया।

ये मंत्रालय राजस्थान के अर्जुन मेघवाल को सौंपा गया है। उन्हें ये मंत्रालय देने के पीछे पार्टी की राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले अपनी पकड़ मजबूत करना समझा जा रहा है। अर्जुन राम मेघवाल बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं। वे केन्द्रीय संस्कृति एव संसदीय कार्य मंत्री तथा पूर्व केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री एव पूर्व केन्द्रीय जल संसाधन, गंगा विकास मंत्री भी संभाल चुके है। मेघवाल का कद बढ़ने से बीजेपी को राजस्थान में फ़ायदा मिलने की उम्मीद की जा रही है।

भोपाल गौरव दिवस शहर के सभी नागरिक महोत्सव के रूप में मनाएं: महापौर

गौरव दिवस की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट में होटल, रेस्टोरेंट संचालक व अन्य व्यापारियों की बैठक आयोजित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भोपाल गौरव दिवस को शहर के सभी नागरिक महोत्सव के रूप में मनाए और इसमें बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता दर्ज कराएं। यह विचार महापौर श्रीमती मालती राय ने भोपाल गौरव दिवस की तैयारियों के संबंध में जिला कलेक्टर कार्यालय में होटल, रेस्टोरेंट संचालकों सहित अन्य व्यवसायी संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक में व्यक्त किए।

बैठक में जिला कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि गौरव दिवस के कार्यक्रम केवल नगर निगम, भोपाल या कलेक्टर कार्यालय का कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह सभी नागरिकों का कार्यक्रम है इसमें सभी की सहभागिता होनी चाहिए। बैठक में अनेक होटल व रेस्टोरेंट संचालकों ने गौरव दिवस पर फूड फेस्टिवल में विशेष डिसकाउंट देने की मंशा जाहिर की जिसका सभी उपस्थितजन ने स्वागत किया। बैठक में फूड फेस्टिवल को प्लास्टिक फ्री व ईको फ्रेंडली बनाने का भी आव्हान किया गया। बैठक में महापौर श्रीमती मालती राय ने भोपाल गौरव दिवस के आयोजन के संबंध में कहा कि देश की आजादी के बाद 01 जून 1949 को भोपाल में पहली बार जुमेराती पोस्ट ऑफिस में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था इसलिए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के आव्हान पर इसी तिथि को भोपाल गौरव दिवस मनाने का निर्णय लिया गया।

श्रीमती राय ने कहा कि शहर के सभी नागरिक गौरव दिवस के कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता दर्ज कराए और इसके सभी कार्यक्रमों को अपने निजी कार्यक्रमों के अनुरूप भव्यता प्रदान करें और अपने-अपने स्तर पर घरों, दुकानों, बाजारों, कालोनियों आदि की साज-सज्जा करें। महापौर श्रीमती राय ने कहा कि हमारे स्वच्छता मित्रों का भी इस अवसर पर सम्मान किया जाएगा। अपने वार्ड में कोई स्थान चिन्हित कर नागरिक सफाई मित्रों का सम्मान करें और स्वच्छता संबंधी कार्यों में श्रमदान कर अपने शहर को स्वच्छता में नंबर 01 बनाएं।

महापौर श्रीमती राय ने व्यवसायियों का आव्हान किया कि भोपाल गौरव दिवस के आयोजनों को भव्यता प्रदान करने हेतु अपने सुझाव अवश्य दें ताकि विभिन्न कार्यक्रमों हेतु आपके सुझावों को समाहित कर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा सके। बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने गौरव दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी ली और कहा कि इसमें सभी नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है। गौरव दिवस के कार्यक्रमों के संबंध में सभी व्यवसायी अपने सुझाव भी दें। बैठक में मौजूद अनेक होटल, रेस्टोरेंट संचालकों ने गौरव दिवस पर आयोजित होने वाले फूड फेस्टिवल में अपने व्यंजनों पर विशेष डिसकाउंट देने व फूड फेस्टिवल को पॉलीथीन/सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री एवं ईको फ्रेंडली बनाने की भी मंशा जाहिर की जिसका सभी लोगों ने स्वागत किया।

पूर्व मंत्री दीपक जोशी पहुंचे बैरागढ़ कलां, लोगों ने किया भव्य स्वागत

संत हिरदाराम नगर। कांग्रेस में शामिल होने के बाद पूर्व मंत्री दीपक जोशी बैरागढ़ कलां में भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे बजरंग सेना के राष्ट्रीय संयोजक रघुनंदन शर्मा के निवास पर पहुंचे। जहां पर सभी ने उनका भव्य स्वागत किया। पत्रकारों से चर्चा करते हुए दीपक जोशी ने भारतीय जनता पार्टी की दलाली चाटुकारिता की राजनीति की खुलकर आलोचना की। बजरंग सेना के राष्ट्रीय संयोजक रघुनंदन शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के कर्ता-धर्ताओं को नसीहत देते हुए कहा के पुराने कार्यकर्ताओं की जिस प्रकार दुर्गति हो रही है इसमें यदि सुधार नहीं किया गया तो भारतीय जनता पार्टी के मध्यप्रदेश का भविष्य अंधकार में हो जाएगा। रघुनंदन शर्मा ने कांग्रेस में जाने के निर्णय को लेकर पत्रकारों को कहा कि अभी मैंने ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है मैं अपने हिंदू संगठन बजरंग सेना का कार्य कर रहा हूं आगे जो भी परिस्थिति बनेगी वह समय पर बताया जाएगा। इस अवसर पर स्वर्ण समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रीवा के पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी, जिला पंचायत सीहोर के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र चैहान, बजरंग सेना युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, संदीप पटेल, पर्वत सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

भारत रक्षा मंच के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रखी बैठक

संत हिरदाराम नगर। भारत रक्षा मंच संत हिरदाराम नगर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की एक बैठक रखी गई। इस बैठक में देश की वर्तमान स्थिति पर गंभीरता से विचार किया गया। बैठक में कर्नाटक के चुनाव परिणाम की भी समीक्षा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि कर्नाटक चुनाव के बाद कई जगह पाकिस्तान जिंदाबाद पाकिस्तान झंडा फहराने की घटना हुई है जो निंदनीय है इस बात पर बल दिया गया कि सभी को अब एकजुट होना पड़ेगा अन्यथा आने वाला समय बड़ा ही कष्ट प्रद आने वाला है। इस बैठक में सुशील वासवानी, जय महाराज शर्मा, भारत रक्षा मंच के मंडल अध्यक्ष मुकेश ग्वालानी, बसंत चेलानी, कन्हैया मोटवानी सहित कई उपस्थित थे।

एडीआरएम रेप मामले में दोष मुक्त, महिला पर एससीएसटी एक्ट का प्रकरण दर्ज

भोपाल । बीते वर्ष भोपाल रेल मंडल के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक रहे गौरव सिंह पर गोविंदपुरा थाने में दुष्कर्म का मामला दर्ज कराने वाली महिला के खिलाफ अजाक थाने में एससी-एसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, हालांकि, महिला की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। अजाक पुलिस के अनुसार भोपाल डीआरएम कार्यालय में पदस्थ एडीआरएम गौरव सिंह चढार पर 8 मई 2022 को एक महिला ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। महिला द्वारा दर्ज कराए गए दुष्कर्म के मामले में गौरव सिंह को उच्च न्यायालय ने दोषमुक्त कर दिया है। आरोप है कि फरियादी महिला उनके खिलाफ लगातार मिथ्या साक्ष्य और छवि धूमिल करने के लिए सोशल मीडिया पर मैसेज डाल रही थी। इसकी शिकायत गौरव की ओर से बीती सात मई को अजाक थाने में की गई थी। जांच के बाद पुलिस ने बीती रात महिला पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

साधु वासवानी स्कूल में अव्वल आए छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

कक्षा आठवीं की छात्रा शिवानी ने 96 प्रतिशत प्राप्त कर किया नाम रोशन

संत हिरदाराम नगर। साधु वासवानी स्कूल की कक्षा आठवीं की छात्रा शिवानी विश्वकर्मा ने राज्य शिक्षा केन्द्र की प्रावीण्य सूची में 96 प्रतिशत अंक पर प्रथम स्थान एवं कक्षा पांचवी के छात्र जतिन रीझवानी 95 प्रतिशत अंक पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय व नगर का नाम रोशन किया। स्कूल से इस परीक्षा में कक्षा आठवीं में कुल 129 व कक्षा पाचवीं में 140 विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे जिसमें शिवानी विश्वकर्मा ने 96 प्रतिशत प्राप्त कर प्रथम स्थान और द्वितीय स्थान पर हिमांशी मेधानी 95 प्रतिशत एवं तृतीय स्थान पर निहारिका मंगतानी ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा पांचवीं में प्रथम स्थान पर जतिन रीझवानी 95 प्रतिशत, द्वितीय स्थान पर नेहल तोतलानी 94 प्रतिशत एवं तृतीय स्थान पर अंजली विश्वकर्मा ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा आठवीं में कुल 129 विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे, जिसमें प्रथम श्रेणी में 101, द्वितीय श्रेणी 23, तृतीय श्रेणी में 5 विद्यार्थी रहे। कक्षा पांचवी में कुल 140 विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे, जिसमें प्रथम श्रेणी में 71, द्वितीय श्रेणी 69, में विद्यार्थी रहे।

जनसेवा अभियान: शिविरों में प्राप्त सभी 506 आवेदन किए स्वीकृत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आम नागरिकों की समस्याओं के शतप्रतिशत निराकरण तथा शासकीय विभागों से संबंधित सेवाएं आमजन को सुगमता के साथ उपलब्ध कराने के दृष्टिगत मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान द्वितीय चरण में बुधवार को निगम के विभिन्न वार्ड क्षेत्रों में आयोजित शिविरों में विभिन्न योजनाओं से संबंधित 506 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से सभी 506 आवेदन स्वीकृत किए गए। शिविरों में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के द्वितीय चरण में नागरिकों को उनके निवास के समीप ही विभिन्न शासकीय विभागों के अंतर्गत क्रियान्वित योजनाओं का लाभ सुगमता से पहुंचाने व शिकायतों के निराकरण हेतु निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी के निर्देश पर अभियान के तहत 18 मईको जोन क्रमांक 12 में वार्ड क्रमांक 59 के वार्ड कार्यालय के समीप, जोन क्रमांक 13 में वार्ड क्रमांक 54 के वार्ड कार्यालय के पास, जोन क्रमांक में 14 वार्ड क्रमांक 60 वार्ड कार्यालय के पास, जोन क्रमांक 15 में वार्ड क्रमांक 64 के वार्ड कार्यालय के पास, जोन क्रमांक 16 में वार्ड क्रमांक 72 के वार्ड कार्यालय के पास, जोन क्रमांक 17 में वार्ड क्रमांक 77 के वार्ड कार्यालय के पास तथा जोन क्रमांक 18 में वार्ड क्रमांक 82 के वार्ड कार्यालय के पास शिविर आयोजित किये जाएंगे।

नल-जल योजना में लापरवाही पर होगी कार्यवाही

कलेक्टर आशीष सिंह ने बैठक में दिए सख्त निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कलेक्टर आशीष सिंह ने पीएचई विभाग के जिला अधिकारियो को बैठक में निर्देश दिए कि जिले में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में नल जल योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही और अनियमितता नहीं होना चाहिए सभी कामों में गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए और अधिकारी समय-समय पर उसकी जांच करें और उसको रिपोर्ट भी संधारित की जाए जिससे जांच के दौरान आवश्यकता पड़ने पर उससे जांच की जा सके। नल-जल परियोजना के संबंध में गंभीरता के साथ काम करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी नल जल परियोजना जल स्त्रोत के आभाव में बंद नहीं होना चाहिए। इसके लिए व्यापक रूप से सर्वे कर परियोजना बनाई जाए।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जितनी नल जल योजना पूर्ण हो चुकी है उनको स्थानीय स्तर पर पंचायतों को हैंड ओवर कर दिया जाए। इसके साथ ही बैठक में निर्देश दिए कि जल स्त्रोत के बिना कोई भी परियोजना का निर्माण नहीं करें और जिन नल-जल परियोजना में जल की कमी है उन सभी जल स्त्रोत में रैन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य रूप से बनाई जाए। जिससे आस-पास के जल स्त्रोत को रिचार्ज किया जा सके और नल जल परियोजना के लिए भीं पानी उपलब्ध हो। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी पीएचई के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि यदि किसी परियोजना के संबंध में शिकायत के आने पर जांच में यदि सिद्ध होता है कि काम में अनिमियत्ता की गई है तो संबंधित अधिकारी और ठेकेदार के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में जिले के पीएचई विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

एएससीआई वार्षिक शिकायत रिपोर्ट में डिजिटल विज्ञापनों की जांच में उल्लंघनकर्ता सबसे अधिक

नई दिल्ली। स्टैंडर्ड्स काउन्सिल ऑफ इंडिया (एएससीआई) ने वर्ष 2022-23 के लिए अपनी वार्षिक शिकायत (एनुअल कम्प्लेंट) रिपोर्ट जारी की है, जिसमें विज्ञापनों से संबंधित अनेक चौंकाने वाली टिप्पणियाँ शामिल हैं। ये टिप्पणियाँ विशेष रूप से डिजिटल क्षेत्र में किए गए विज्ञापनों से संबंधित हैं। संबंधित अवधि के दौरान एएससीआई ने प्रिंट, डिजिटल और टेलीविन सहित विभिन्न मीडिया में किए गए 7,928 विज्ञापनों की समीक्षा की। एएससीआई ने विज्ञापनों की जाँच में पिछले 2 वर्षों में करीब दोगुना वृद्धि की है। टीवी और प्रिंट मीडिया में विज्ञापन करने वाले सबसे अधिक अनुपालक बने हुए हैं, जिनका अनुपात 94 प्रतिशत है, जबकि डिजिटल विज्ञापनों के कारण समग्र अनुपालन का स्तर 81 प्रतिशत के निम्न स्तर पर है। इस प्रकार, डिजिटल विज्ञापन न केवल प्रमुख उल्लंघनकर्ता बन कर सामने आए हैं जैसा कि संसाधित विज्ञापनों का 75 प्रतिशत डिजिटल क्षेत्र है, बल्कि वे सबसे कम आज्ञापालक भी साबित हुए हैं। यह ऑनलाइन क्षेत्र में उपभोक्ताओं की सुरक्षा के दृष्टिकोण से गंभीर चिंता का विषय है।

रिपोर्ट के अनुसार, रियल मनी गेमिंग उद्योग सर्वाधिक उल्लंघनकर्ता क्षेत्र के रूप में उभर कर शिक्षा के क्षेत्र से आगे निकल गया है और उल्लंघन की सूची में पाँचवें स्थान से प्रथम स्थान पर आ गया है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए एएससीआई द्वारा समीक्षा किए गए गेमिंग विज्ञापनों की विशाल संख्या (92प्रतिशत) द्वारा रियल मनी गेमिंग के लिए दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया गया, जिन्होंने उपभोक्ताओं को वित्तीय नुकसान और लत लगने के जोखिम के बारे में सूचित करने में चूक की। यह क्षेत्र सबसे कम अनुपालन करने वाले के रूप में भी बदनाम रहा, जिसने ध्यान दिलाने के बाद भी केवल 50त्न विज्ञापनों को स्वेच्छा से संशोधित किया। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि एएससीआई ने दिसम्बर 2020 में रियल मनी गेमिंग सेक्टर के लिए अपना दिशानिर्देश जारी किया था, और उसके बाद सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए सभी पक्षों के लिए परामर्श जारी किया था।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर आयोजित हुए स्वास्थ्य शिविर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर बुधवार को जांच, परामर्श एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त कार्यालय, कलेक्टर कार्यालय, नगर निगम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय सहित 50 से अधिक स्थानों पर विशेष स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए गए।

भोपाल संभाग आयुक्त मालसिंह भयडिया और कलेक्टर भोपाल श्री आशीष सिंह ने स्वयं का बीपी परीक्षण करवाकर लोगों को स्वास्थ्य के लिए जागरूक किया। स्वास्थ्य संस्थाओं में उच्च रक्तचाप के लक्षणों की पहचान, बचाव एवं उपचार हेतु परामर्श सत्रों का आयोजन किया गया । साथ ही ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, बीएमआई एवं हीमोग्लोबिन की जांच भी की गई। एनएचएम सहित विभिन्न शासकीय कार्यालयों में 450 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिले के विभिन्न स्थानों एवं स्वास्थ्य संस्थाओं में आयोजित शिविरों के माध्यम से 4800 लोगों की ब्लड प्रेशर की जांच कर चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। हेल्थ एंड वैलनेस में आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने हेतु दैनिक क्रियाकलापों, भोजन, व्यायाम, तनाव प्रबंधन के संबंध में जानकारी प्रदान करने हेतु पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । साथ ही स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य पदार्थों से पौष्टिक व्यंजन बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि उच्च रक्तचाप की बीमारी युवाओं में भी देखने को मिल रही है। इसका प्रमुख कारण अनियमित जीवनशैली, शारीरिक श्रम का अभाव, तनाव सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू, शराब का उपयोग करना है । उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा , उच्च कोलेस्ट्रॉल जैसी बीमारियों से ग्रस्त लोगों में हृदय रोग होने की संभावना भी बढ़ जाती है। आहार एवं जीवन शैली को नियमित करने के साथ ही नियमित रूप से ब्लड प्रेशर एवं मधुमेह की जांच करवाना हर व्यक्ति के लिए बेहद जरूरी है। उच्च रक्तचाप के उपचार हेतु शासन द्वारा सभी दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध हैं । यह दवाइयां जिला चिकित्सालय से लेकर हेल्थ एंड वैलनेस केंद्रों पर चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार दी जाती है। असंचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में ब्लड प्रेशर व मधुमेह की निशुल्क जांच की जाती है।

कार्यालयों में जनता के आवेदन लंबित रखने वालों पर करें कार्यवाही : शिवराज सिंह

प्रदेश में मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान में निराकरण 76 प्रतिशत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आम जनता के आवेदनों को कार्यालय में लंबित रखने वाले अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। नागरिकों की समस्याओं को हल करने के लिए ही मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान प्रारंभ किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर देखा जाए कि जनता के आवेदन कागजों में दब तो नहीं गए हैं। निराकरण में देर करने वाले शासकीय सेवक दंडित किए जाएंगे। संभागीय कमिश्नर्स अपने संभाग के जिलों में मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान में हो रहे आवेदनों के निराकरण की प्रतिदिन जानकारी प्राप्त करें। यह अभियान एक महायज्ञ है। जनता की समस्याओं का शत-प्रतिशत निराकरण कर लंबित कार्यों को शून्य की स्थिति में लाया जाए।

मुख्यमंत्री चौहान समत्व भवन सभाकक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा जन सेवा अभियान के अंतर्गत प्रदेश में हो रहे कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री चौहान ने जिलों और संभागों में जनता के आवेदनों के निराकरण की स्थिति जानी और कमिश्नर कलेक्टर से चर्चा कर निर्देश दिए। प्रदेश में 10 मई से प्रारंभ मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के द्वितीय चरण में 7 दिन में प्राप्त 25 लाख 27 हजार आवेदनों में से 19 लाख 27 हजार को मंजूरी दे दी गई है। कुल प्राप्त आवेदनों में 76 प्रतिशत से अधिक आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। प्रदेश के शाजापुर, रतलाम, नीमच, देवास और विदिशा में आवेदनों के निराकरण 90 से 97 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री चौहान ने शाजापुर, रतलाम और खरगौन कलेक्टर के तत्परता से कार्य के अनुभवों को भी सुना। मुख्यमंत्री चौहान ने कलेक्टरों को निर्देश दिए कि जिन आवेदन-पत्रों में आवश्यक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं, उनकी पूर्ति करवाना भी सुनिश्चित करें। आवेदकों को सहयोग कर उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से हल किया जाए। प्रदेश में अभियान में प्रगति उत्साह जनक है। यही वातावरण निरंतर बना रहे। ग्राम एवं पंचायत में लगने वाले शिविरों की जानकारी का प्रचार-प्रसार करें। मुख्यमंत्री चौहान ने आज विभिन्न जिलों में उपस्थित विधायकों से भी अभियान की प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उज्जैन जिले के विधायक बहादुर सिंह ने बताया कि अभियान शुरू होने से लोगों के कार्य जल्दी हो रहे हैं। नागरिकों को घर-घर जाकर भी स्वीकृत-पत्र और आवश्यक प्रमाण-पत्र बांटे जाएंगे। मंदसौर विधायक यशपाल सिंह ने कहा कि जन सेवा अभियान से आम नागरिकों को राहत मिल रही है।

जल संसाधनों के प्रबंधन, संरक्षण एवं संवर्धन में मध्यप्रदेश को सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार

भोपाल। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश को जल-संसाधन के बेहतर उपयोग, जल-संरचनाओं के संरक्षण एवं संवर्धन में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2022 की सर्वश्रेष्ठ राज्य श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चुना गया है। पुरस्कार समारोह शीघ्र ही होगा, जिसमें प्रदेश को ट्राफी और प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया जायेगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपलब्धि के लिए मध्यप्रदेश के सभी नागरिक, जन-प्रतिनिधि एवं अधिकारियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पर्यावरण के साथ सामंजस्य से विकास की ओर सतत आगे बढ़ते रहने में भारत आज विश्व का मार्गदर्शक है। जल-संरचनाओं का संरक्षण, संवर्धन एवं उचित प्रबंधन, पर्यावरण-संरक्षण का एक महत्वपूर्ण घटक है। यह बहुत गौरव की बात है कि समूचा मध्यप्रदेश इस दिशा में एकजुट होकर प्रयास कर रहा है, यह सम्मान मध्यप्रदेश की इसी सोच का प्रमाण है। मुख्यमंत्री चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के प्रति आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि सर्वश्रेष्ठ राज्य श्रेणी में विभिन्न घटकों-जल जीवन मिशन एवं जल शक्ति अभियान की उपलब्धियों, जल-संसाधन के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रयास, वॉटर पॉलिसी, सिंचाई के परंपरागत तरीकों के स्थान पर माइक्रो इरीगेशन तकनीकी का प्रयोग, नवीन माइक्रो इरीगेशन प्रोजेक्ट्स का क्रियान्वयन, जल उपयोग की दक्षता), जल-संरचनाओं का पुनरुद्धार, सीवेज एवं औद्योगिक अपशिष्ट पानी को उपचारित कर पुन: उपयोग आदि क्षेत्रों में प्रयासों एवं उपलब्धियों का मूल्यांकन किया जाता है।

जैसीनगर में बागेश्वर धाम के पीठाधीश धीरेन्द्र शास्त्री की कथा कल से

राजस्व एवं परिवहन मंत्री ने अधिकारियों के साथ किया कथा स्थल का निरीक्षण

सागर। बागेश्वर धाम पीठाधीश पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सुरखी विधानसभा क्षेत्र के जैसीनगर में 19 मई को भव्य कलश यात्रा तथा 20 से 22 मई तक आयोजित कथा का मध्यप्रदेश शासन के राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी सहित अन्य अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ जैसीनगर पहुंचकर कथा स्थल का निरीक्षण किया। श्री राजपूत ने कहा कि कथा स्थल पर पेयजल, स्वास्थ्य, बिजली, फायर ब्रिगेड एवं सुरक्षा सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में अत्यंत आवश्यक पेयजल रहेगा जिसके लिए कथा स्थल के चारों तरफ पार्किंग स्थल पर एवं भोजन स्थल पर टैंकर रखे जायें जिसमें शुद्ध पेयजल उपलब्ध किया जाये उन्होंने कहा कि पानी के टैंकरों में टोटी लगायें। इसी तरह चारों तरफ फायर ब्रिगेड रखी जावें साथ में कथा स्थल पर अस्थाई चिकित्सालय तैयार कराएं एवं चिकित्सालय में डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, दवाईयां, एंबुलेंस के साथ 24 घंटे उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि डॉ पैरामेडिकल की ड्यूटी अलग-अलग समय में लगायें। उन्होंने कहा कि समुचित कथा स्थल पर सीसीटीवी कैमरे भी लगायें जिससे की समस्त प्रकार की गतिविधियों को कंट्रोल रूम में बैठकर देखा जा सके। उन्होंने कहा कि कथा स्थल के समीप प्रशासनिक एवं पुलिस का कंट्रोल रूम स्थापित करें साथ में पूरी कथा स्थल पर माइक स्पीकर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। उन्होंने निर्देश दिए कि कथा स्थल की 5 किलोमीटर की तैयारी में आने वाले कुंआ बावरियों पर फेंसिंग कराएं। उन्होंने निर्देश दिया कि कथा स्थल पर जनरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने कहा कि कथा में लाखों लोग आयेंगे जिसको लेकर वाहनों के आवागमन के लिये विशेष रूप से योजनावद्ध तरीके से व्यवस्था की जाये ताकि हमारे धर्म प्रेमी बंधु कथा स्थल तक पहुंचने के लिये परेशान ना हो। श्री राजपूत ने कहा कि प्रशासन अपने स्तर से व्यवस्थायें करेगा इसके अलावा हमारे क्षेत्र के धर्मप्रेमी बंधु तथा हमारे क्षेत्र की समितियां पूरा सहयोग करेंगी। मंत्री श्री राजपूत ने पंडित श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के रोकने के लिए बनाए गए अस्थाई निवास स्थल को भी देखा एवं आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर दीपक आर्य ने बताया कि कथा स्थल पर समस्त आवश्यक मूलभूत सुविधाएं आयोजन समिति के साथ मिलकर पूरी की जा रही है जो भी आवश्यक होगा उनको भी पूरा किया जाएगा उन्होंने बताया कि पानी, चिकित्सा व्यवस्था की विशेष व्यवस्था की जायेगी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी ने बताया कि कथा स्थल पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा एवं ड्रोन कैमरा के माध्यम से निगरानी की जाएगी साथ में संपूर्ण कथा स्थल पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जा रहे हैं उन्होंने बताया कि पार्किंग स्थल पर पुलिस व्यवस्था रहेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि कथा स्थल के चारों तरफ पार्किंग अलग-अलग बनाएं जिसमें मोटरसाइकिल, ट्रैक्टर ट्राली, चार पहिया वाहन अलग-अलग पार्किंग में पार्क हो सकेंगे। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष रामबाबू राजपूत, धीरज सिंह राजपूत, मंडल अध्यक्ष हरनाम सिंह, देवेंद्र पप्पू फुस्केले, साहब सिंह, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्योति ठाकुर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पी सी शर्मा संयुक्त कलेक्टर प्रकाश पांडे अनुविभागीय अधिकारी विजय डहेरिया, सिटी मजिस्ट्रेट राजेश सिंह जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शालिग्राम मिश्रा, एस.के. प्रजापति सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं समस्त विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में एक करोड़ से अधिक डीबीटी इनेबल

भोपाल। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में 10 जून से बहनों के खाते में राशि डाली जायेगी। योजना में एक करो? 25 लाख 23 हजार 437 बहनों का पंजीयन किया गया है। इनमें से अब तक लगभग एक करोड़ 7 लाख बहनों के डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) इनेबल किये जा चुके हैं। शेष डीबीटी का कार्य 30 मई तक पूर्ण कर लिया जायेगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निर्देश दिये हैं कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में किसी भी महिला को बैंक स्तर पर कोई परेशानी नहीं होनी चाहिये, उन्हें बैंक न आना पड़े, यह प्रयास करें। इस संबंध में म.प्र. राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के उप महाप्रबंधक श्री प्रमोद मिश्रा ने भी संबंधित विभिन्न बैंकों के महाप्रबंधकों को पत्र लिख कर निर्देशित किया है कि सभी बैंक शाखाओं में बैंक खाते को डीबीटी इनेबल करने की प्रक्रिया सुचारु रूप से चलायें, जिससे महिलाओं को परेशानी का सामना न करना पड़े।

उज्जैन में बनेगा वन स्टॉप मार्केट प्लेस, स्थानीय उत्पादों का होगा विक्रय

भोपाल। मध्यप्रदेश में यूनिटी मॉल के माध्यम से वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट, जी.आई. प्रोडक्ट, हस्तशिल्प उत्पाद एवं अन्य स्थानीय उत्पादों के प्रमोशन एवं विक्रय के लिए वन स्टॉप मार्केट प्लेस वाणिज्य केंद्र के रूप में उज्जैन शहर में विकसित किया जाना प्रस्तावित है। उज्जैन स्मार्ट सिटी को क्रियान्वयन एजेंसी नियुक्त किया गया है। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीरज मंडलोई ने उज्जैन नगरपालिक निगम कमिश्नर और स्मार्ट सिटी के अन्य अधिकारियों के साथ तैयार की जा रही कार्य-योजना की प्रगति की वर्चुअली समीक्षा की। श्री मण्डलोई ने भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देश और प्रदेश की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उज्जैन में प्रस्तावित यूनिटी मॉल के अभिन्यास को तैयार करने के निर्देश दिये। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास के श्री भारत यादव, अपर आयुक्त श्रीमती रूचिका चौहान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रबंध संचालक ने की नर्मदा नदी के किनारे बसे नगरों की सीवरेज परियोजना की समीक्षा

भोपाल। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास और मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी के प्रबंध संचालक भरत यादव ने नर्मदा नदी के किनारे बसे मंडलेश्वर,ओंकारेश्वर, नेमावर, चित्रकूट, डिण्डोरी, अमरकंटक और महेश्वर सहित भैरूंदा सीवरेज परियोजना की समीक्षा की। यादव ने कहा कि मॉ नर्मदा नदी के किनारे बसे नगरों में मलजल का उचित प्रबंधन विभाग की प्राथमिकता है। प्रबंध संचालक ने अधिकारियों और संविदाकारों को निर्देशित किया कि साइट पर श्रमिकों की पर्याप्त उपलब्धता रखें। निर्माण घटकों के अनुसार श्रमिकों की तैनाती करें, आवश्यकता प?ने पर नाइट शिफ्ट में भी काम करवायें। यादव ने कार्य मे गति लाने और तय समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि समस्त परियोजनाओं की 15 दिवस उपरांत पुन: समीक्षा की जायेगी। समीक्षा बैठक में प्रमुख अभियंता श्री दीपक रत्नावत, उप परियोजना संचालक तककनीकी पी.सी जैन, मौजूद रहे। संविदाकार के प्रतिनिधि और संबंधित इकाईयों के परियोजना प्रबंधक वर्चुअल जुड़े रहे। उल्लेखनीय है कि मंडलेश्वर, ओमकारेश्वर, नेमावर, चित्रकूट, डिण्डोरी, और अमरकंटक में विशेष निधि के माध्यम से एवं महेश्वर और भैरूंदा में विश्व बैंक की सहायता से सीवरेज परियोजना पर मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा कार्य किया जा रहा है।

पुलिस हाउसिंग मामल: हेमा मीणा के नाम पर वरिष्ठ अधिकारी ने कर रखा था निवेश

लोकायुक्त के बाद आयकर कसेगा शिकंजा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मप्र पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन की जिस प्रभारी सहायक यंत्री हेमा मीणा के तीन ठिकानों पर मप्र लोकायुक्त पुलिस की टीम ने छापेमार कर 7 करोड़ से अधिक की संपत्ति का खुलासा किया था, उस उसकी जांच धीमी पड़ती नजर आ रही है। पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन में तीन बार संविदा पर नियुक्त हुई हेमा मीणा वर्तमान में सेवा वृद्धि पर चल रही थी। उसे उप यंत्री पर भर्ती किया गया था, लेकिन अधिकारियों की चहेती होने के कारण उसे प्रभारी सहायक यंत्री का प्रभार दिया गया था। हालांकि, छापे के बाद उसकी सेवा समाप्त कर दी है। मामले में अब आयकर विभाग दखल देगा। माना जा रहा है कि हेमा मीणा के पास मिली जायदाद उसकी न होकर किसी अधिकारी द्वारा उसके नाम से किया गया निवेश है।

पांच बैंक खातों की जानकारी मांगी: लोकायुक्त पुलिस ने हेमा मीणा के पांच बैंक खातों की जानकारी बैंक से मांगी है। बैंक में किस व्यक्ति की पहचान से हेमा मीणा का खाता खुला है, यह जानकारी भी मांगी गई। तीन बैंक खाते एसबीआई में हैं, जिसकी जानकारी बैंक के मुख्यालय से आने में देरी हो रही है। लोकायुक्त एसपी मनु व्यास ने बताया कि बैंकों को पत्र भेजे गए हैं, लेकिन बैंक शाखा संबंधी जानकारी नहीं मिली है।

बंगले व फार्म हाउस के फुटेज जब्त : वहीं, बिलखिरिया स्थित हेमा मीणा के पिता के नाम पर बने 20 हजार वर्गफीट में एक करोड़ के बंगले और विदिशा जिले में स्थित एक फार्म हाउस के सीसीटीवी फुटेज जब्त कर लिए हैं। बुधवार को लोकायुक्त पुलिस की टीम विदिशा के देवराजपुर में स्थित फार्महाउस और वेयरहाउस का निरीक्षण कर वहां से भी सीसीटीवी फुटेज जब्त किए हैं। इन फुटेज में पुलिस विभाग के एक-दो अधिकारियों के आने-जाने का पता चला है। हालांकि, पुराने फुटेज डिलीट हैं।

एक वरिष्ठ आईपीएस से होती थी लंबी बात: हेमा मीणा इंजीनियर के साथ शातिर भी बताई जाती है। उसने अपने नाम बहुत कम सब पिता के नाम पर संपत्तियां खरीदी हैं। लोकायुक्त पुलिस को अब तक की जांच में कई स्थानों पर ऐसे संकेत मिले हैं कि हेमा के नाम से पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी की काली कमाई का निवेश है। हेमा की कॉल डिटेल में दो जोन के आईजी रह चुके एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की लंबी बातचीत और पुलिस लिखी गाड़ियां बंगले और फार्म हाउस में आने से लोकायुक्त पुलिस मान रही है कि किसी बड़े अधिकारी ने हेमा के नाम पर निवेश किया है। हालांकि, लोकायुक्त पुलिस को कुछ साक्ष्य नहीं मिल रहे, जिससे वह आगे की जांच करे।

प्रोजेक्ट्स जांच की जद में: लोकायुक्त के अधिकारियों ने बताया कि हेमा मीणा के खिलाफ जांच तेजी से की जा रही है। सात करोड़ से अधिक की संपत्ति का खुलासा होने के बाद यह जानकारी भी जुटाई जा रही है कि हेमा मीणा पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन की किन प्रोजेक्ट की प्रभारी रही है या रह चुकी है, इसकी जानकारी मांगी है, ताकि यह पता चले कि वहां क्या कार्य हुआ है। सूत्रों की मानें तो सात करोड़ की संपत्ति का खुलासा होने के बाद आयकर विभाग के अधिकारियों ने भी हेमा की संपत्तियों की जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है।

अशोक नगर में बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने 187 करोड़ स्वीकृत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ऊर्जा मंत्री एवं अशोकनगर जिला प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि अशोकनगर जिले की विद्युत अधोसंरचना को सुदृ? करने एवं विद्युत हानियों को कम करने लिए 187 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गए हैं। स्वीकृत राशि में से भारत सरकार द्वारा रिवेंप्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के प्रथम चरण में 182 करोड़ रूपये और राज्य सरकार द्वारा 5 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गए हैं। स्वीकृत राशि से किये जाने वाले कार्यों में 10 नवीन 33/केव्ही उपकेंद्र निर्माण, वोल्टेज व्यवस्था के सुधार के लिए 17 स्थानों पर कैपेसिटर बैंक स्थापना, आठ 33/11 केव्ही उपकेंद्रों में क्षमता वृद्धि एवं अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफॉर्मर स्थापना, उनहत्तर 11 केव्ही फीडरों का विभक्तिकरण कार्य, 148 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापना, 412 किलोमीटर निम्न दाब लाइनों का केबलिंग कार्य एवं 560 किलोमीटर 33 तथा 11 केव्ही उच्च दाब फीडरों के निर्माण कार्य सम्मिलित हैं। इससे अशोकनगर जिले की लगभग 8.50 लाख की जनसंख्या लाभान्वित होगी और आगामी 10 वर्षों की विद्युत मांग की सफलतापूर्वक पूर्ति हो सकेगी।

मंडियों को सर्व-सुविधायुक्त बनायेंगे: कृषि मंत्री

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने कहा है कि प्रदेश की कृषि उपज मण्डियों को सर्व-सुविधायुक्त बनायेंगे। उन्होंने हरदा जिले की कृषि उपज मण्डी टिमरनी में एक करोड़ रूपये के विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास करते हुए यह बात कही। मंत्री पटेल ने कहा कि मण्डियों के आधुनिकीकरण का कार्य निरंतर किया जा रहा है। किसानों को मण्डियों में अधिक से अधिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के प्रयास किये जा रहे हैं। केंटीन व्यवस्था के साथ कृषक विश्राम-गृह भी बनाये जा रहे हैं। मंत्री पटेल ने बुधवार को हरदा मुख्य मार्ग से मण्डी गेट तक पहुँच मार्ग के डामरीकरण, सुलभ शौचालय के सामने कांक्रीट रोड, मण्डी प्रांगण में सूचना-केन्द्र एवं हम्माल विश्राम-गृह का निर्माण, केंटीन में अतिरिक्त निर्माण कार्य के साथ कृषक विश्राम-गृह के सामने पेवर ब्लॉक लगाने के कार्य का भूमि-पूजन किया।

बूथ विजय संकल्प अभियान: विधायक कृष्णा गौर ने ली बैठक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कृष्णा गौर ने भानपुर मंडल के वार्ड 72, 73, 74 में निवासरत जिला, मंडल, वार्ड, शक्ति केंद्र, बूथ, पन्ना प्रभारी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए बूथ में पन्ना समिति तक किए गए कार्यों की जानकारी ली एवं केंद्र तथा राज्य सरकार के माध्यम से लाभान्वित किए जा रहे अनेकों जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं से लाभान्वित कराने के निर्देश दिए गोविंदपुरा विधानसभा प्रभारी बारेलाल अहिरवार, मंडल अध्यक्ष निलेश गौर, पार्षद राजू राठौर, पार्षद एवं जोन अध्यक्ष विकास पटेल, पार्षद शकुन सिंह राजू लोधी ने भी संबोधित किया।

राजयोग से बनता है स्वस्थ तन, प्रसन्न मन और सुखी जीवन: डॉ. दिलीप नलगे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुम्बई के हेल्थ कौंसिलर एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. दिलीप नलगे ने कहा कि शारीरिक, मानसिक और अत्मिक सन्तुलन बनाए रखकर स्वस्थ तन, प्रसन्न मन और सुखी जीवन बनाया जा सकता है। इसके साथ-साथ उचित आहार, नियमित व्यायाम और सही नींद भी जरूरी है। डॉ. नलगे प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सुख शांति भवन नीलबड़ में आयोजित कर लो स्वास्थ्य मुट्ठी में कार्यक्रम के तीसरे दिन स्वस्थ जीवनशैली विषय पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सुबह से लेकर रात्रि में सोने तक हम जो भी कार्य करते हैं, वह हमारी जीवनशैली कहलाता है। इसे दिनचर्या भी कह सकते हैं। सही जीवनशैली स्वास्थ्य को अच्छा बनाती है जबकि गलत जीवनशैली बीमारी की तरफ ले जाती है। उन्होंने बतलाया कि स्वस्थ का शाब्दिक अर्थ होता है स्व में स्थित होना। स्व अर्थात हमारी वास्तविक पहचान कि मैं शरीर को नियंत्रित करने वाली चैतन्य शक्ति आत्मा हूँ। आत्मा को जानकर उस स्वरूप में स्थित होने से आत्मा के नैसर्गिक गुण-प्रेम, सुख, शान्ति, आनन्द, पवित्रता और शक्ति का अनुभव होने लगता है। राजयोग से आत्मा और परमात्मा की स्मृति द्वारा तन

और मन दोनों स्वच्छ हो जाते हैं। व्यर्थ विचारों से बचने के लिए आत्मिक स्थिति का अभ्यास करना मददगार सिद्ध होता है। डॉ. दिलीप नलगे ने कहा कि मन और शरीर का गहरा सम्बन्ध है। मानसिक सन्तुष्टि और खुशी के अभाव में अनेक रोग पनपते हैं। मन में किसी बात को दबाकर न रखें। रचनात्मक कार्यों से जुड़ें। इससे खुशी मिलेगी। बीती बातों को याद करके दुखी न होवें। वर्तमान में जीना स्वस्थ रहने का सबसे बेहतर तरीका है। डॉ. नलगे ने भोजन में रेशेदार खाद्य पदार्थों को शामिल करने पर जोर देते हुए कहा कि सीजनल और रीजनल फल, सलाद, चोकर सहित आटा और मूंग आदि का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें। भोजन कम चर्बी वाला और अधिक रेशेदार होना चाहिए। सारे दिन में एक व्यक्ति को तीन सौ से लेकर पाँच सौ ग्राम मौसमी फल जरूर खाना चाहिए। चूँकि फल जल्दी पच जाता है अत: फल को खाली पेट खाएं। उसे भोजन के साथ कभी नहीं खाना चाहिए।

स म्पा द की य

क्या अनसुलझा ही रहेगा भारत-चीन सीमा विवाद ?

भारत और चीन की कई झड़प और वार्ताओं के बावजूद वास्तविक नियंत्रण रेखा का मामला सुलझने तैयार नहीं है। भारत के लिए समस्या यह है कि जिन चार स्थानों से चीनी सेना लौटी है, उनमें एक बफर जोन बना दिया है। ये वास्तविक नियंत्रण रेखा के अंदर भारतीय इलाकों में ही है, लेकिन इन बफर जोन में भारतीय सेना के जवान गश्त नहीं कर सकते। यानी भारतीय सेना वास्तविक नियंत्रण रेखा के जिन इलाकों पर अपना दावा समझते हुए गश्ती दलों को भेजती रही है, वह

अधिकार अब भारत के पास नहीं रहेगा।

असल में चीनी सेना ने तीन साल पहले मई के शुरू में पूर्वी लद्दाख की वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगी बर्फीली पहाड़ियों वाले कई इलाकों पर एक सुनियोजित साजिश के तहत अतिक्रमण कर भारत को चौंका दिया था। भारत के सख्त एतराज के बाद दोनों देशों के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच कई दौर की बातचीत हुई। फिर अतिक्रमण के कई स्थानों जैसे- पैंगोंग झील के दोनों किनारों, गलवान, गोगरा-हॉटस्प्रिंग पर यथास्थिति बहाल करते हुए चीनी सेना वास्तविक नियंत्रण रेखा यानि एलएसी पर लौट गई। लेकिन बफर जोन के नाम पर उसने फिर राजनीति की है।

डेमचोक और देपसांग इलाके का विवाद दोनों देशों के बीच सुलझा नहीं है और चीन इन्हें लेकर बातचीत करने को भी तैयार नहीं है। इधर पूर्वी लद्दाख के सीमांत एलएसी वाले इलाकों पर दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने खड़ी हैं। वहां न युद्ध न शांति की स्थिति बनी हुई है। दोनों देश हालात को स्थिर बताते हैं लेकिन वहां मामूली उकसावा या गलतफहमी से बड़ा संघर्ष छिड़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। देपसांग और डेमचोक के बारे में चीन का कहना है कि ये मई, 2020 के पहले के मसले हैं, जिन पर वह बात नहीं करेगा। ये दोनों इलाके दौलतबेग ओल्डी से लगे हैं, जिनकी सामरिक अहमियत इस मायने में है कि ये इलाके चीन के कराकोरम राजमार्ग और पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगिट बाल्टिस्तान के नजदीक हैं।

देपसांग की बात करें तो इस इलाके में चीनी सेना 18 किलोमीटर तक घुस चुकी है और वहां भारतीय सैनिकों को गश्त करने से रोक रही है। सचाई यह है कि देपसांग, डेमचोक के इलाकों पर भारत का हमेशा से नियंत्रण रहा है, जिसे वह किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ सकता। पूर्वी लद्दाख के घुसपैठ वाले शेष इलाकों से चीनी सेना की वापसी के सवाल पर दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों के बीच पहली बातचीत सितंबर, 2020 की शुरुआत में मॉस्को में हुई थी। दोनों देशों के बीच पांच बिंदुओं वाली सहमति की घोषणा की गई थी, जिसमें चीनी विदेश मंत्री ने माना था कि दोनों देशों के बीच रिश्तों को सामान्य करने के लिए जरूरी हैं कि दोनों सेनाएं अतिक्रमण वाले इलाकों से पीछे हट जाएं यानी डिसइंगेज कर लें।

यह पहला कदम पूरा होने के बाद एलएसी पर जमा 50 हजार से अधिक सैनिकों को भी पीछे हटा लेने पर सहमति बनी थी। लेकिन चीन इन वायदों से पलट गया। चीन की सेना देपसांग और डेमचोक के इलाकों में भारतीय सेना को तो रोक ही रही है, भारतीय चरवाहों को भी पशु नहीं चराने दे रही। इन लद्दाखी चरवाहों का कहना है कि वे सदियों से इस इलाके को अपना मानते रहे हैं। इस मसले को सुलझाने के लिए दोनों देशों के सैन्य कमांडरों के बीच 18वें दौर की बातचीत में भी चीन ने अपना अड़ियल रुख बनाए रखा। इसके बाद 27 अप्रैल को नई दिल्ली में शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक में चीनी रक्षा मंत्री ली शंगफू की भारतीय रक्षा मंत्री से वार्ता के दौरान जब चीन का कड़ा रुख बना रहा तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दो टूक कहना पड़ा कि जब तक चीनी सेनाएं एलएसी तक पीछे नहीं हटेंगी। चीन अपने 50 हजार सैनिकों को वापस नहीं बुला लेता, तब तक भारत-चीन रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते।

लेकिन चीन भारत के माथे पर बंदूक ताने रखना चाहता है और भारत से अपेक्षा करता है कि वह चीन से दोस्ती गाढ़ी करे। चीन के इस रुख का नतीजा यह होगा कि भारत पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों पर अपने 50 हजार सैनिकों को तब तक तैनात रखने को मजबूर होगा जब तक कि चीन इन इलाकों से अपनी सेना पीछे नहीं बुला लेता। आर्थिक क्षेत्र में भी भारत की चीन पर निर्भरता बढ़ती ही जा रही है, जो चीन से बढ़ते आयात से साफ है। सीमा पर तनाव और देश में चीन के खिलाफ भारी गुस्सा व चीनी माल के बहिष्कार के आह्वानों के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़कर 135 अरब डॉलर के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। राजनयिक क्षेत्र में भी चीन हर बार पाकिस्तान को समर्थन देता है और बीच में तो नेपाल को भी भारत के खिलाफ जमकर भड़काने का काम किया था। चीन के इन नापाक इरादों से भारत कैसे निपटे, भारत के लिए यह बड़ी चुनौती है। खबरें जो भी प्रकाशित- प्रसारित करवाई जाएं, सच्चाई यही है कि भारत चीन सीमा पर तनाव जारी है और चीन से हम अपनी जमीन पूरी तरह मुक्त नहीं करा सके हैं।

सुनी सुनाईः मप्र फार्मेसी काउंसिल पर सिंधिया समर्थकों का कब्जा!

रवीन्द्र जैन

चर्चा है कि मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

को भरोसे में लिए बिना सिंधिया समर्थक मंत्री प्रभुराम चौधरी ने मप्र फार्मेसी काउंसिल पर कब्जा कर लिया है। इस कब्जे के लिए जिन पांच अशासकीय सदस्यों की नियुक्ति की गई उनमें तीन चौधरी समर्थक हैं। एक सदस्य इंदौर से मंत्री तुलसीराम सिलावट समर्थक और एक सदस्य ग्वालियर से मंत्री प्रधुम्न सिंह तोमर के समर्थक को मनोनीत किया गया। इन नियुक्ति के बाद फार्मेसी काउंसिल के चुनाव कराये गये और प्रभुराम चौधरी समर्थक को अध्यक्ष बना दिया गया है। यह फार्मेसी काउंसिल ही पूरे प्रदेश में मेडीकल स्टोर के संचालन के लिए लायसेंस देने और इसकी जांच के लिए अधिकृत है। बताया जाता है कि फार्मेसी काउंसिल के पास करोड़ों का बजट है। महकमे में चर्चा है कि फार्मेसी काउंसिल पर स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी का कब्जा कराने में प्रदेश के स्वास्थ्य आयुक्त सुदाम खाडे का साथ मिल गया था। चूंकि निर्वाचन हुआ है इसलिए मप्र में यदि सरकार बदली भी तो भी काउंसिल पर कब्जा सिंधिया समर्थकों का ही रहेगा।

न्याय को भटकते आईएएस और आईपीएस!

यह खबर चौंकाने वाली है, लेकिन पूरी तरह सही है। राजधानी भोपाल में एक मौजूदा आईएएस और रिटायर वरिष्ठ आईपीएस शासन प्रशासन से न्याय के लिये भटक रहे हैं, लेकिन राजनीतिक प्रभाव के कारण इनकी सुनवाई नहीं हो रही है। मंत्रालय में पदस्थ आईएएस वीरेन्द्र सिंह ने भोपाल के कोलार रोड इलाके में अपने परिजनों के नाम बैंक ऑफ बडोदा से नीलामी में एक मकान व भूमि खरीदी है। लेकिन मप्र के एक मंत्री उन्हें कब्जा नहीं लेने दे रहे हैं। आईएएस का परिवार कब्जे के लिए भटक रहा है। आईएएस ने स्वयं भोपाल पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर न्याय दिलाने और कोलार थाना प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। दूसरा मामला भोपाल के शाहपुरा का है। यहां भी एक प्रभावशाली व्यक्ति ने रिटायर वरिष्ठ आईपीएस आईपी कुलश्रेष्ठ के घर के पास 3000 हजार वर्गफीट के प्लॉट पर 7000 वर्गफीट का अस्पताल नियम विरुद्ध तरीके से बना लिया है। कुलश्रेष्ठ सहित आसपास के लोग इसकी शिकायतें करके थक गये हैं। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। अब वे हाईकोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं।

चर्चा में कांग्रेस नेता का महलनुमा बंगला!

मप्र कांग्रेस के एक पदाधिकारी का रायसेन जिले में बन रहा महलनुमा बंगला इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। यह नेताजी रहने वाले महाराष्ट्र के हैं। विधानसभा चुनाव बालाघाट जिले से लड़कर बुरी तरह हार चुके हैं। फिलहाल भोपाल में रहते हैं और महलनुमा बंगला रायसेन जिले बरेली के पास बना रहे हैं। नेताजी ने अपने एक निकट रिश्तेदार के जरिये मप्र भाजपा की राजनीति में कदम रखा था और पिछले आम चुनाव में बालाघाट जिले की विधानसभा सीट से भाजपा से टिकट मांगा था। टिकट न मिलने पर कांग्रेस में चले गये। कांग्रेस ने तत्काल टिकट दे दिया। लेकिन बुरी तरह हार गये। हारने के बाद कांग्रेस ने प्रदेश पदाधिकारी बना दिया है। नेताजी अब रायसेन जिले के उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय हैं। इनकी सक्रियता से ज्यादा चर्चा इनके विशाल निर्माणाधीन बंगले की हो रही है। मजेदार बात यह है कि कमलनाथ के बेहद खास इन नेताजी की सक्रियता से उदयपुरा के कांग्रेस विधायक देवेन्द्र पटेल की धड़कनें बढ़ी हुई हैं।

पूर्व सांसद की चुप्पी से भाजपा नेताओं की धड़कनें बढ़ी!

सागर से भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद लक्ष्मीनारायण यादव की चुप्पी से भाजपा नेताओं की धड़कनें बढ़ी हुई हैं। यह भी खबर आ रही है कि यादव कांग्रेस के संपर्क में हैं। ऐन चुनाव के वक्त वे सुरखी या खुरई से चुनाव लड़ सकते हैं। दोनों सीटों पर यादव वोटों की संख्या काफी है। पिछले चुनाव में भाजपा ने उनके बेटे सुधीर यादव को सुरखी से चुनाव लड़ाया था, लेकिन वे कांग्रेस के गोविन्द राजपूत से हार गये थे। राजपूत अब भाजपा में आ गये हैं। ऐसे में यादव पिता-पुत्र को फिलहाल भाजपा में कोई भविष्य नहीं दिख रहा है। इस सप्ताह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सागर पहुंचे तो उन्होंने लक्ष्मीनारायण यादव के बारे में पूछताछ की है। लक्ष्मीनारायण यादव मूलतः समाजवादी नेता हैं। मप्र में समाजवादी आन्दोलन हंसिये पर चले जाने के बाद वे भाजपा में आ गये थे। सागर से सांसद भी रहे। फिलहाल अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उनकी खामोशी बता रही है कि अगले विधानसभा चुनाव से पहले वे कोई बड़ा फैसला कर सकते हैं।

रिटायर अफसर ने 35 करोड़ क्रिप्टो करेंसी में लगाये?

इस खबर की पुष्टि कतई नहीं हो रही है। लेकिन जांच एजेंसियां इस सूचना की तहकीकात कर रही हैं कि मप्र के एक रिटायर अफसर ने लगभग 35 करोड़ रुपये क्रिप्टो करेंसी के जरिये विदेश में भेज दिये हैं। पिछले तीन वर्ष से देश की दो जांच एजेंसी इस अफसर की अवैध सम्पत्ति की जांच में लगी हुई हैं। इस अफसर के खिलाफ शिकायत करने वाले ने अपनी नई शिकायत में एजेंसियों को बताया कि 35 करोड़ रुपये क्रिप्टो करेंसी में लगाये गये है। यह वह रकम है जो अभी तक जांच एजेंसी के राडार पर नहीं थी। इसके अलावा शिकायतकर्ता ने जानकारी दी है कि पूर्व अफसर उन सम्पत्तियों को भी खुर्द-बुर्द कर रहे हैं जो अभी तक जांच के दायरे में नहीं आई हैं। इन सम्पत्तियों के नामातरंण के दस्तावेज भी मौखिक शिकायत के साथ दिये गये हैं। इसके पहले यही शिकायतकर्ता 200 सम्पत्तियों की सूची एजेंसियों को देकर दावा कर चुका है कि यह सभी सम्पत्तियां रिटायर अफसर की हैं।

व्हीसप्रिंग पॉम के बंगले की होगी नपती!

भोपाल के बड़े तालाब के किनारे लो डेन्सिटी एरिये में बनी अफसरों और धनाढ्य लोगों की कॉलोनी व्हीसप्रिंग पॉम में हुए अवैध निर्माण को लेकर इस सप्ताह भोपाल कोर्ट में एक वरिष्ठ रिटायर आईएएस अफसर के बंगले की नपती करने का आवेदन लगाया गया है। इस पर फैसला जुलाई में होने की संभावना है। इस कॉलोनी का एफएआर 0.06 हैं। यानि 10 हजार वर्गफीट के प्लाट पर मात्र 600 वर्गफीट निर्माण कर सकते हैं। यहां जिम्मेदार अफसरों ने कानून की धज्जियां उड़ाते हुए 7000 वर्गफीट तक निर्माण कर लिया है। नक्शे में बेहद बेशर्मी से अपने बेडरूमों को सर्वेंट क्वार्टर और ड्राइंग रूम को पार्किंग एरिया बताकर बचने की कोशिश की जा रही है। आवेदन का कहना है कि पूरी उम्मीद है कि भोपाल कोर्ट नपती कराकर अवैध निर्माण तोड़ने के आदेश देगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो हाईकोर्ट जाने का विकल्प खुला हुआ है।

और अंत में!

मप्र के एक जिले में दो मंत्रियों ने अपने अपने विधानसभा क्षेत्र में सामूहिक विवाह के भव्य आयोजन किये। इनमें एक मंत्री सिंधिया समर्थक हैं। दूसरे को शिवराज सिंह चौहान का बेहद खास माना जाता है। दोनों मंत्रियों ने मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया था। लेकिन व्यस्तता के कारण वे नहीं पहुंच सके। चर्चा है कि दोनों मंत्रियों ने आग्रह किया था कि सीएम ऑनलाइन समारोह को संबोधित करें। सीएम ने अपने समर्थक मंत्री के समारोह को वीडियो कान्फ्रेंस के जरिये संबोधित किया। लेकिन सिंधिया समर्थक मंत्री के समारोह को संबोधित नहीं कर पाये। इसे लेकर पूरे जिले में चर्चा तेज है और तमाम अटकलों ने भी जन्म ले लिया है।

रक्त के प्रयोग

राकेश अचल

रक्त वो जो हम सबकी धमनियों और शिराओं में बहता है। आदिकाल से बह रहा है और अनंतकाल तक बहता रहेगा । रक्त का काम ही बहना है । रक्त फैक्ट्री में नहीं बनता ,जिस्म में बनता है। अमूमन रक्त का रंग लाल होता है।[अपवादों को छोड़कर] । रक्त के समूह भी खोजें गये हैं। रक्त को खून,लहू,लोहू, रुधिर भी कहते हैं। रक्त की जाति नहीं होती।

रक्त दान किया जाता है। रक्त पान किया जाता है। रक्त स्नान किया जाता है। रक्तपात भी होता है। दूसरी जबान में रक्तपात को खून -खराबा भी कहते हैं। रक्त की पिपासा मनुष्य, जानवर और तलवार को होती है। कुछ लोग रक्त से युवतियों की मांग भी भरते हैं।

रक्त से आप प्रेम पत्र,धमकी भरा पत्र और विरोध जताने के लिए ज्ञापन भी लिख सकते हैं। रक्त रंगों में बहने के अलावा सड़कों पर और प्लास्टिक की नलियों में भी बहता है। रक्त में लोहतत्व अधिक पाया जाता है किंतु रक्त से लोहा अलग नहीं किया जा सकता।

रक्त के प्रवाह की गति को रक्तचाप कहते हैं। रक्तचाप दो तरह का होता है।एक उच्च रक्तचाप,दूसरा निम्न रक्तचाप। रक्तचाप के घटने बढ़ने को बीमारी माना जाता है। इसके लिए दवाएं खाना पड़ती हैं।

विज्ञान के मुताबिक एक शारीरिक तरल (द्रव) है जो लहू वाहिनियों के अन्दर विभिन्न अंगों में लगातार बहता रहता है। रक्त वाहिनियों में प्रवाहित होने वाला यह गाढ़ा, कुछ चिपचिपा, लाल रंग का द्रव्य, एक जीवित ऊतक है। यह प्लाज़मा और रक्त कणों से मिल कर बनता है। प्लाज़मा वह निर्जीव तरल माध्यम है जिसमें रक्त कण तैरते रहते हैं। यानि रक्त को तैरने में मजा आता है।

डाक्टरों के मुताबिक प्लाज़मा के सहारे ही ये कण सारे शरीर में पहुंच पाते हैं और वह प्लाज़मा ही है जो आंतों से शोषित पोषक तत्वों को शरीर के विभिन्न भागों तक पहुंचाता है और पाचन क्रिया के बाद बने हानिकारक पदार्थों को उत्सर्जी अंगो तक ले जा कर उन्हें फिर साफ़ होने का मौका देता है। रक्तकण तीन प्रकार के होते हैं, लाल रक्त कणिका, श्वेत रक्त कणिका और प्लैटलैट्स। लाल रक्त कणिका श्वसन अंगों से आक्सीजन ले कर सारे शरीर में पहुंचाने का और कार्बन डाईआक्साईड को शरीर से श्वसन अंगों तक ले जाने का काम करता है। इनकी कमी से रक्ताल्पता (अनिमिया) का रोग हो जाता है। श्वैत रक्त कणिका हानीकारक तत्वों तथा बिमारी पैदा करने वाले जिवाणुओं से शरीर की रक्षा करते हैं। प्लेटलेट्स रक्त वाहिनियों की सुरक्षा में सहायक होते हैं।

हमारे फैमिली डॉक्टर कहते हैं कि मनुष्य-शरीर में करीब पाँच लिटर लहू विद्यमान रहता है। लाल रक्त कणिका की आयु कुछ दिनों से लेकर 120 दिनों तक की होती है। इसके बाद इसकी कोशिकाएं तिल्ली में टूटती रहती हैं। परन्तु इसके साथ-साथ अस्थि मज्जा (बोन मैरो) में इसका उत्पादन भी होता रहता है। यह बनने और टूटने की क्रिया एक निश्चित अनुपात में होती रहती है, जिससे शरीर में खून की कमी नहीं हो पाती।

दिलचस्प और महत्वपूर्ण बात ये है कि रक्त ही सबसे आसानी से प्रत्यारोपित किया जा सकता है। एटीजंस से रक्त को विभिन्न वर्गों में बांटा गया है और रक्तदान करते समय इसी का ध्यान रखा जाता है। महत्वपूर्ण एटीजंस को दो भागों में बांटा गया है। पहला ए, बी, ओ तथा दूसरा आर-एच व एच-आर। जिन लोगों का रक्त जिस एटीजंस वाला होता है उसे उसी एटीजंस वाला रक्त देते हैं। जिन पर कोई एटीजंस नहीं होता उनका ग्रुप ओ कहलाता है। जिनके रक्त कण पर आर-एच एटीजंस पाया जाता है वे आर-एच पाजिटिव और जिनपर नहीं पाया जाता वे आर-एच नेगेटिव कहलाते हैं। ओ-वर्ग वाले व्यक्ति को सर्वदाता तथा एबी वाले को सर्वग्राही कहा जाता है। परन्तु एबी रक्त वाले को एबी रक्त ही दिया जाता है। जहां स्वस्थ व्यक्ति का रक्त किसी की जान बचा सकता है, वहीं रोगी, अस्वस्थ व्यक्ति का खून किसी के लिये जानलेवा भी साबित हो सकता है। इसीलिए खून लेने-देने में बहुत सावधानी की आवश्यकता होती है। लहू का [पीएच] मान 7.4 होता है ।

रक्त साहित्यकारों के काम भी खूब आता है। सिपाही खून की नदियाँ बहा सकता है तो साहित्यकार खून के रंग की तमाम उपमाएं गढ़ सकता है। इतिहासकार इतिहास को रक्तरंजित बना सकता है। नेता आपने भाषणों से आपका खून यानि रक्त खौला सकता है। रक्त शोधन की भी चीज है। जोंक को इंसानों का ही नहिंन अपितु जानवरों का रक्त भी बहुत प्रिय है। रक्त दाढ़ में लग जाये तो मुश्किलें पैदा कर सकता ह। वनराज की दाढ़ में यदि इंसान का रक्त एक बार लग जाये तो इंसानों की खैर नहीं। इंसान की दाढ़ में रक्त लगने का क्या असर होता है मुझे पता नहीं। यानी रक्त तो रक्त है । रक्त की बूँद जहां गिरेगी कुछ न कुछ पैदा होगा। रक्त के बीज भी तो होते हैं। रक्तबीज का अर्थ होता है, रक्त से निकले हुए बीज अर्थात रक्त से उत्पन्न होने वाला एक नया जीव। रक्तबीज एक दैत्य था। रक्तबीज और महाकाली की लड़ाई हुई थी जिसमें माता पार्वती ने महाकाली का रुप धारण कर रक्तबीज का वध किया था। हमने रक्तबीज नाम के दैत्य को तो देखा नहीं लेकिन मंहगाई के रूप में उसे महसूस जरूर किया है और हम सब इस दैत्य से लड़ रहे हैं,क्योंकि ये कलियुग में भी आदमी का रक्तपान कर रहा है ।ऐतिहसिल फिल्मों में रक्त हीरो के तिलक करने के काम आता था। खून वैसे आँखों में भी उतर आता है । तैरता है।

इस युग में इतिहास ही नहीं सियासत भी रक्ताभ हो रही है। दुनिया के हर कौन में रक्तपात हो रहा है। रूस यूक्रेन में रक्तपात कर रहा है तो हमारे यहां मणिपुर में रक्तपात जारी है। इसे रोकने की जरूरत है ,लेकिन रोके कौन। रक्त की कहानी अनंत है ,अनादि है हरी कथा की तरह। इसलिए रक्त को लेकर हमेशा सचेत रहिये। रक्त की जांच कराते रहिये । रक्त विकार अनेक बीमारियों की पूर्व सूचना देने में सक्षम है। रक्त की विवेचना से चिकित्सा जगत में क्रांति हुई है। क्रान्ति से याद आया की दुनिया में केवल श्वेत या हरित क्रांतियां ही नहीं हुई, अपितु रक्त क्रांतियां भी बहुत हुईं। शायद इसीलिए दुनिया के वामपंथियों ने अपने झंडे का रंग भी रक्ताभ चुना है। लाल रंग देखकर आदमी ही नहीं सांड तक भड़क जाते हैं। खैर !

ये क्या कर रहे हैं, हम बच्चों के साथ ?

राकेश दुबे

दुनिया में चोटी के वैज्ञानिकों का मानना है कि छोटी उम्र में बच्चों को मोबाइल फोन दिये जाने से उनके वयस्क होने पर मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर ज्यादा बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। पालकों को अब सजग हो जाना चाहिए कि बच्चों का मन बहलाने के लिये झुनझुने की तरह मोबाइल थमाने का जो फैशन शुरू हुआ है वो हैं।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इन आशंकाओं की पुष्टि ही हुई है। ताज़ा आई रिपोर्ट में कहा गया है कि कम उम्र के बच्चों को स्मार्टफोन दिये जाने से उनके युवा अवस्था में पहुंचने पर कई तरह के मानसिक विकार उभर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर हुए इस सर्वेक्षण के निष्कर्ष गत सोमवार को सार्वजनिक हुए हैं। सर्वेक्षण के निष्कर्षों में मोबाइल फोन तथा टैब के उपयोग के दुष्प्रभावों का जिक्र किया गया है। दुखद बात यह भी है कि छोटी उम्र में मोबाइल फोन के अधिक उपयोग से ऐसे बच्चों में वयस्क होने पर आत्महत्या जैसे घातक विचारों का प्रवाह देखा गया है। उनमें अपने यथार्थ से विमुख होने और दूसरों के प्रति आक्रामक व्यवहार का रुझान देखा गया है।

यह सर्वेक्षण अमेरिका की एक गैर लाभकारी संस्था द्वारा दुनिया के करीब 28 हजार वयस्कों पर किया गया। करीब चालीस देशों में कराये गये सर्वे में चार हजार युवा भारत के भी शामिल थे। जिसमें मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े प्रभावों का विश्लेषण किया गया। सर्वेक्षण के निष्कर्षों पर आधारित तथ्यों के बाबत वैज्ञानिकों का कथन है कि छोटी उम्र में बच्चों को मोबाइल फोन दिये जाने से उनके वयस्क होने पर मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर ज्यादा बढ़ने की आशंका है।

इस सर्वेक्षण में बताया कि छह वर्ष की उम्र में स्मार्टफोन का इस्तेमाल शुरू करने वाली 74 प्रतिशत वयस्क महिलाओं को गंभीर मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें अवसाद भी शामिल है। इसी क्रम में दस वर्ष से स्मार्ट फोन का इस्तेमाल शुरू करने वाली वयस्कों में से 61 प्रतिशत और पंद्रह वर्ष से इस्तेमाल शुरू करने वाली युवतियों में 52 प्रतिशत में ये दुष्प्रभाव नजर आये। वहीं 18 वर्ष की होने पर स्मार्टफोन का प्रयोग करने वाली युवतियों द्वारा ऐसी चुनौती का सामना करने का प्रतिशत 46 था।

कमोबेश युवकों में भी इसी तरह छह साल की उम्र से स्मार्टफोन का इस्तेमाल शुरू करने वालों का मानसिक दुष्प्रभावों का सामना करने वाला प्रतिशत 42 था। वहीं 18 साल से स्मार्टफोन इस्तेमाल शुरू करने वालों का प्रतिशत 36 था। इस तरह कम उम्र में मोबाइल प्रयोग का संबंध सीधा मानसिक समस्याओं के बढ़ने के रूप में पाया गया। यानी छोटी उम्र में फोन के उपयोग से मानसिक दिक्कतों में अधिक वृद्धि हुई है। ऐसे लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति के विचार आने, दूसरों के प्रति आक्रामकता, अपने जीवन की वास्तविकता से दूर होने तथा समाज से अलग आत्मकेंद्रित होने की प्रवृत्ति देखी गई है।

इसके विपरीत बीते साल जारी आंकड़ों के अनुसार भारतीय परिवारों में दस से चौदह वर्ष के बच्चों में स्मार्टफोन के उपयोग का प्रतिशत 83 था, जो वैश्विक स्तर पर उपयोग के औसत से सात फीसदी अधिक था। वैसे अभी यह अध्ययन विस्तार से होना बाकी है कि छोटी उम्र में फोन का इस्तेमाल शुरू करने से युवा अवस्था में बच्चों में मानसिक समस्याएं और व्यवहार में आक्रामकता क्यों पैदा हो रही है और इसके क्या समाधान हो सकते हैं।

आंकड़े बता रहे हैं कि बच्चे पांच से आठ घंटे रोज ऑनलाइन रहते हैं। निस्संदेह बच्चे इससे पहले इस समय का उपयोग परिवार के लोगों और मित्रों के साथ व्यतीत करते थे। जाहिर है बच्चों में समाजीकरण की प्रक्रिया बाधित हुई है। जिसके चलते उनमें सामाजिक चुनौतियों से सामंजस्य बैठाने की क्षमता का ह्रास होता है और वे छोटी-छोटी चुनौतियों से हारने लगते हैं। जिससे उनके व्यवहार में आक्रामकता आती है और उनका मानसिक स्वास्थ्य बाधित होता है। इससे उनमें आत्महत्या जैसे विचार प्रभावी होने लगते हैं। निस्संदेह, यह एक गंभीर चुनौती है।

सरकार व समाज को इस दिशा में गंभीरता से सोचना चाहिए। बच्चों को खेलों में भाग लेने के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है। योग व मेडिटेशन इस समस्या में दवा का काम कर सकते हैं। जो उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाने में सहायक होंगे।

कर्नाटकः 3 मुख्यमंत्रियों ने ही किया कार्यकाल पूरा, किसी को 7 तो किसी को 6 दिन में छोड़ना पड़ी कुर्सी

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत के बाद अब पार्टी ने राज्य में सीएम का नाम फाइनल कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक सिद्धारमैया राज्य के नए मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री के कार्यकालों में केवल तीन ऐसे सीएम हैं जिन्होंने अपना कार्यकाल पूरा किया है, जिनमें दोबारा मुख्यमंत्री बनने जा रहे सिद्धारमैया का नाम भी शामिल है।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठना आसान काम नहीं है। अगर पिछले मुख्यमंत्री के कार्यकालों की बात की जाए तो ज्यादातर मुख्यमंत्री ऐसे हैं, जिन्होंने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। कोई सीएम सात दिन ही अपने पद पर रहा तो किसी ने 6 ही दिन में अपनी कुर्सी छोड़ दी। कर्नाटक की सियासत में वहीं एक दौर ऐसा भी आया, जब एक ही विधानसभा में चार मुख्यमंत्री बदल दिए गए। आइए जानते हैं कि कौन हैं वो मुख्यमंत्री जिन्होंने अपना कार्यकाल बीच में ही छोड़ दिया।

एक ही विधानसभा में चार मुख्यमंत्री बनाए गए

मुख्यमंत्री की इस लिस्ट में पहला नाम बीएस येदियुरप्पा का है, जो कर्नाटक की सियासत में चार बार मुख्यमंत्री बने। येदियुरप्पा सबसे पहले साल 2007 में सीएम बने और सिर्फ 7 दिन ही इस पद पर रहे। इसके बाद साल 2008 में दोबारा मुख्यमंत्री बने। इस बार ये तीन सालों तक सत्ता में रहे। तीसरी बार येदयुरप्पा 6 दिन अपनी कुर्सी में रहे तो वहीं चौथी बार ये 2 सालों के लिए सीएम के पद पर रहे।

ये मुख्यमंत्री 3-4 महिने ही रह पाए पद पर- अगला नाम कदीदल मंजप्पा का है जो कि सिर्फ 3 महीने के लिए सीएम के पद पर रहे। इस लिस्ट में तीसरा नाम एसआर कांथी का है जो 4 महीने मुख्यमंत्री के पद पर रहे। इसके अलावा जगदीश शेट्टार 1 साल 2 महीने में ही सीएम के पद से हट गए।

इन तीन सीएम ने किया पूरा कार्यकाल

इस लिस्ट में पहला नाम पूर्व सीएम एस निजलिंगप्पा का है, जिनका कार्यकाल 21 जून 1962 से शुरू होकर 28 मई 1968 तक रहा।

इसके बाद दूसरा नाम डी देवराज उर्स का है जिनका कार्यकाल 20 मार्च 1972 से लेकर 31 दिसंबर 1977 तक रहा।

इसके अलावा तीसरा नाम सिद्धारमैया का है, जिन्होंने 2013 से लेकर 2018 तक अपना पूरा कार्यकाल किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

रेप की एफआईआर दर्ज करने में लापरवाही पर महाराजपुर टीआई सस्पेंड

छतरपुर। एसपी अमित सांघी ने विधवा महिला से रेप के मामले में एफआईआर दर्ज करने में लापरवाही करने पर महाराजपुर टीआई जितेंद्र पाटकर को आज सस्पेंड कर दिया। गौरतलब है कि महाराजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम फुलारी की एक विधवा महिला ने 12 मई को टटम गांव के आशाराम भड़ेरिया पर अपने साथ दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए महाराजपुर थाने में शिकायत की थी।लेकिन थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज नहीं किया। इसके बाद महिला ने 13 मई को छतरपुर पहुंचकर एसपी कार्यालय में शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने की मांग की थी। महिला ने एसपी को यह भी बताया था कि महाराजपुर थाना पुलिस ने रिपोर्ट लिखने के बजाए उसके साथ गए लोगों के साथ मारपीट की है। एसपी अमित सांघी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत मामला दर्ज करा दिया था।

शादी में आए दो बच्चों की नहाते वक्त तालाब में डूबने से मौत

छतरपुर। ईशानगर थाने के ग्राम परापट्टी में अहिरवार समाज की शादी में शामिल होने अपने माता- पिता के साथ आए दो बच्चों की नहाते वक्त आज तालाब में डूबने से मौत हो गई। बच्चों की मौत से शादी के घर में खुशियों के बजाए मातम छा गया। जानकारी के अनुसार ग्राम परापट्टी निवासी रमेश अहिरवार के यहां शादी समारोह था। उसके रिश्तेदार आए हुए थे। मंगलवार की सुबह रिश्तेदारी के दो बच्चे गौरव पुत्र मोहन अहिरवार (8) निवासी झीझन एवं प्रसन्न अहिरवार पुत्र विनोद अहिरवार (7) निवासी खुर्दा गांव के तालाब में नहाने के लिए चले गए। नहाते वक्त तालाब में दोनों बच्चों की डूबने से मौत हो गई। बच्चे जब काफी देर तक घर नहीं आए तो उनकी तलाश शुरू की गई। परिजन तालाब के पास पहुंचे तो दोनों बच्चों के शव पानी में तैरते पाए गए। ईशानगर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नि:शुल्क लर्निंग लाईसेंस बनाये गये

खण्डवा। - मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान अन्तर्गत बुधवार को शासकीय महिला आईटीआई में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री जगदीश बिल्लौरे के नेतृत्व में आरटीओ की टीम द्वारा महिला प्रशिक्षणार्थियों के ''नि:शुल्क लर्निंग लाईसेंस'' बनाने हेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को लेकर संस्था की छात्रों में विशेष उत्साह दिखा एवं नि:शुल्क लर्निंग लाईसेंस बनाने हेतु आईटीआई खण्डवा एवं महिला आईटीआई खण्डवा की 50 से अधिक महिला प्रशिक्षणार्थियों ने आवेदन किया, जिसमें से 50 महिला प्रशिक्षणार्थियों के नि:शुल्क लर्निंग लाईसेंस आरटीओ खण्डवा की टीम द्वारा बनाये गये।

सीईओ जिला पंचायत श्री सोलंकी ने विभिन्न ग्रामों का किया दौरा

खण्डवा । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शैलेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा बुधवार को जनपद पंचायत हरसूद की ग्राम पंचायत सड़ियाँ पानी सरकार, सोनखेड़ी, भराडी में प्रधानमंत्री आवास योजना के ऐसे हितग्राहियों से चर्चा की गई। उन्होंने आवास बनाने में रुचि नही ली जा रही है ऐसे हितग्राही के प्रकरण पंजीबद्ध करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कार्य पूर्ण होने तक शासन की अन्य योजना का लाभ नही मिलने हेतु समझाईश भी दी गई कि अगर वे समय पर आवास बनाएँगे तो ही शासन की अन्य योजना की पात्रताओं में रहेंगे। राशि प्राप्त होने पर भी अगर हितग्राही ने आवास नही बनाया तो राशि वसूली की कार्यवाही की जाएगी। ग्राम पंचायत सोनखेड़ी में पूर्व में निर्मित किए गए अमृत सरोवर को सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल कूप आगामी 10 दिवस में पूर्ण करें। ग्राम पंचायत सेल्दा, उँडेल और मांडला में निर्मित किए जा रहे अमृत सरोवर को पूर्ण गुणवत्ता पूर्ण बनाए जाने तथा उन्हें 10 जून तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री के गंधवानी में 21 को प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर लेकर कलेक्टर ने किया निरीक्षण

धार,। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के 21 मई को गंधवानी में लाडली बहना सम्मेलन सहित अन्य प्रस्तावित कार्यक्रमों के मद्देनजर कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने बुधवार को निरीक्षण करने पहुंचे। उनके साथ पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सरदार सिंह मेडा, पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती रंजना बघेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री श्रंगार श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि साथ थे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने यहां हेलीपेड, सभास्थल के साथ ही ग्राम साली में अयोजित होने वाले में भू अधिकार पट्टा वितरण कार्यक्रम के स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देशित किया। उन्होंने पार्किंग व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, रूट चार्ट, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, साफ सफाई व्यवस्था इत्यादि व्यवस्थाओं को सुचारू ढंग से करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं सभी व्यवस्था अच्छी तरह से करें ताकि कार्यक्रम में आने वाले आमजनों को किसी प्रकार की परेशानी ना आए।

गैस सिलेंडर फटने से 4 मकान जलकर राख

छतरपुर। गौरिहार थाने के ग्राम पहरा में आज दोपहर करीब 3 बजे खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में आग लग गई और वह थोड़ी देर में ब्लास्ट हो गया। सिलेंडर फटने से घर में आग चारों तरफ फैल गई जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक तीन और मकान आग की चपेट में आ गए और देखते ही देखते गृहस्थी का सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। कम संसाधनों में ग्रामीण युवा आग बुझाने का प्रयास करते रहे जिसकी वजह से आग अन्य रिहायशी इलाके तक नहीं पहुँच सकी। पहरा निवासी चुन्नू गोस्वामी के घर मुंडन संस्कार का आयोजन था जिसमें शरीक होने बाहर से रिश्तेदार भी आए थे जिसमें बच्चे और महिलाएं भी थीं। सभी के लिए भोजन मुख्य द्वार के सामने ही बन रहा था कि अचानक गैस सिलेंडर लीक होने की वजह से उसमें आग लग गई और वह ब्लास्ट हो गया। सिलेंडर फटने के बाद आग चारों तरफ तेजी से फैली और धू-धू कर कच्चा मकान जलने लगा। आग लगते ही घर में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आग इतनी भीषण थी कि आग बुझाने से ज्यादा आग अन्य घरों तक न पहुँचे इसके लिये जद्दोजहद करनी पड़ी। तेज हवाओं के बीच अगर आग को फैलने से नहीं रोका गया होता तो आग दर्जनों घरों में फैल जाती। मुख्य द्वार पर सिलेंडर फटने से सबसे पहले आग ने दरवाजे व आसपास की जगह को घेर लिया जिससे अंदर कोई जा नहीं सकता था। ग्रामीण युवाओं और मकान मालिक ने हिम्मत जुटाते हुए पीछे बनी पांच फीट की दीवार को फांदकर अंदर प्रवेश किया तथा महिलाओं और बच्चों को दीवार के बाहर पहुँचा कर सुरक्षित निकाला। लेकिन पांच वर्ष की छोटी बच्ची दूसरे कमरे में डर के कारण रजाई में छिपी रो रही थी उसे भी किसी तरह आग की लपटों के बीच से बाहर निकाला गया।

कृषि विभाग के गोदाम में आग लगी, प्रचार सामग्री राख

छतरपुर। महोबा रोड स्थित कृषि विभाग के गोदाम में मंगलवार को दोपहर अचानक भड़की आग से प्रचार सामग्री जल गई। जल्द ही मौके पर पहुंची नगर पालिका की फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि आग बुझाने के इंतजाम तुरंत कर लिए गए वरना आबादी वाले हिस्से में भी आग नुकसान पहुंचा सकती थी। मंगलवार को शाम करीब 4 बजे अचानक आंधी- तूफान उठा और कृषि विभाग के महोबा रोड स्थित कार्यालय के गोदाम से धुआं उठता दिखाई दिया। गोदाम के अंदर जाकर देखा तो आग भड़क रही थी। आग की लपटें गोदाम के ऊपर से निकल पातीं इसके पहले ही आग को बुझाने के जतन शुरू कर दिए गए। कर्मचारियों ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी तो कृषि विभाग के उपसंचालक डॉ. बीपी सूत्रकार भी मौके पर पहुंच गए।

ग्राम सलैया हटरी पहुँचे कलेक्टर, मूलभूत सुविधाओं की जानी जमीनी हकीकत

दमोह । कलेक्टर मयंक अग्रवाल मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत आयोजित मेगा शिविर में ग्राम सलैया हटरी पहुंचे। यहां आयोजित मेगा कैंप में ग्रामवासियों से चर्चा की। कलेक्टर ने ग्रामवासियों से मूलभूत सुविधाओं, पेयजल, बिजली, आंगनबाड़ी केंद्र में मिल रही सुविधाएं के संबंध में जानकारी ली । उन्होंने लाडली बहना योजना के तहत भरे गए फॉर्म के संबंध में लोगों से जाना और डीबीटी के संबंध में भी जानकारी ली। राशन मिलने के संबंध में पूछे जाने पर ग्रामवासियों ने बताया कि राशन मिल रहा है । यहां पर आसपास की पंचायतों ग्रामों के लोग भी मौजूद थे, सभी ने एक सुर में कहा कि राशन मिल रहा है किसी तरह की कोई समस्या नहीं है।

कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर को ग्राम वासियों ने बताया कि कार्ड बन गए हैं, मौजूद सगोनी, अर्थ खेड़ा और अन्य पंचायत के सचिव ने बताया कि उनके यहां पर 98त लोगों के आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं। उन्होंने पंचायत सचिवों से शत-प्रतिशत हितग्राहियों के कार्ड बनवाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर अग्रवाल ने ग्रामवासियों से चर्चा करते हुए कहा कि यह कार्ड बहुत ही लाभदायक है,

सभी लोग अपने कार्ड जो पात्र हैं, बनवा लें। कहीं भी जाकर निजी अस्पतालों में भी इसके तहत इलाज करवाया जा सकता है, 5 लाख तक का इलाज मुफ्त मिलता है। मेगा कैंप में मौजूद किसान इमरत वल्द बंसी ने बटवारा के संबंध में अपनी बात रखते हुए कहा कि हमारा बटवारा करा दिया जाए । मौके पर मौजूद पटवारी से जब जानकारी ली गई बताया गया कि शामिल लोगों की संख्या 5 से अधिक है, कार्यवाही के निर्देश पटवारी को दिए गए, बटवारा कराया जाए। स्कूल में बच्चों के जाने की जानकारी ली गई, बताया गया सभी पात्र बच्चे स्कूल जाते हैं

शिविर में सलैया हटरी और टोरी में ट्रांसफार्मर की समस्या बताई गई, उमर घाट और पटना बुजुर्ग के ग्रामीणों ने भी बिजली की समस्या रखी। कलेक्टर ने विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए।

पुलिस द्वारा समर कैम्प का आयोजन, एसपी ने लिया जायजा

शिवपुरी- बच्चों को सुरक्षित वातावरण में घर से दूर नए रोमांच के साथ आत्मविश्वास और सामाजिक कौशल विकसित करने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा खेल परिसर में 01 मई से 15 जून तक 18 साल तक के बच्चों के लिये समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है । समर कैंप मे बैटमिंटन, फुटवाल, कब्बड्डी, जूडो, हॉकी आदि खेलों का आयोजन किया जा रहा है । परीक्षाएं खत्म और स्कूल के समर वैकेशन शुरू होने पर बच्चे उत्साह और रोमांच से भरे होते हैं, छुट्टी के इन दिनों में बच्चे मनचाही जगह घूमने जाना चाहते हैं और खेलकूद सहित अपनी प्रतिभा को निखारने के लिये खेलों मे भाग लेते हैं, इसी उद्देश्य से शिवपुरी पुलिस द्वारा 01 मई से 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन खेल परिसर शिवपुरी मे किया जा रहा है। इसमें बच्चे खेल खेल में नई-नई चीजें सीखेंगे। इस कैंप में विभिन्न प्रकार के खेलों को सामिल किया गया है, जिससे चहुमुखी विकास हो सके। बुधवार को पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा समर कैंप का जायजा लिया एवं खिलाड़ियों का परिचया प्राप्त किया गया । इस इवसर पर एसडीओपी अजय भार्गव, खेल विभाग से डॉ. केके खरे एवं उनकी टीम, सूबेदार भानुप्रताप उपस्थित रहे ।

बैरसिया और नजीराबाद ब्लॉक अध्यक्षों को दोबारा दी गई जिम्मेदारी

बैरसिया। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भोपाल जिला ग्रामीण के बैरसिया ब्लॉक और नजीराबाद ब्लॉक अध्यक्षों के सराहनीय कार्य, उनके समर्पण और उनकी योग्यता को देखते हुए उन्हें एक बार फिर ब्लॉक अध्यक्षों की जिम्मेदारी सौंपी है। दरअसल बैरसिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मदन सिंह ठाकुर और नजीराबाद ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलेंद्र सिंह सोलंकी उर्फ लाला बना को एक बार फिर ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष और संगठन प्रभारी राजीव सिंह द्वारा मदन सिंह ठाकुर को बैरसिया कांग्रेस कमेटी का ब्लॉक अध्यक्ष का तथा कमलेंद्र सिंह सोलंकी को नाज़ीराबाद ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के ब्लॉक अध्यक्ष का नियुक्ति पत्र दिया गया है।

ज्ञात हो कि मदन सिंह ठाकुर और कमलेंद्र सिंह सोलंकी को जब से ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। तब से यह दोनों कांग्रेस नेता पूरी निष्ठा ईमानदारी मेहनत के साथ बैरसिया विधानसभा में कांग्रेस को मजबूत कर कार्यकर्ताओं को जोड़ने में जुटे हुए हैं इसके साथ ही भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों को आम जनता के सामने उजागर कर आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का परचम लहराने के प्रयास में जुटे हुए हैं। इन दोनों के इन्हीं कार्यों को देखते हुए संगठन द्वारा इन्हें दोबारा जिम्मेदारी दी गई है।

अपर कलेक्टर शालिनी ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

रतलाम। अपर कलेक्टर डॉ शालिनी श्रीवास्तव बुधवार को कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर अचानक जिला अस्पताल के निरीक्षण पर पंहुचीं। इसके साथ ही एडीएम ने एमसीएच का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर ने मरीजों से बातचीत की 7 इस दौरान कुछ मरीजों ने शिकायत भी की 7 जिस पर अपर कलेक्टर ने मामले को संज्ञान में लेकर कार्रवाई करने की बात कही।

एडीएम डॉ शालिनी श्रीवास्तव ने जिला अस्पताल में डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति रजिस्टर देखा जिसमे कुछ डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ के हस्ताक्षर नहीं मिले। एडीएम ने डॉक्टर उपस्थिति रजिस्टर जप्त किया। इसमें डॉक्टरों ने कई दिनों से उपस्थिति दर्ज नहीं की थी। अस्पताल के रसोईघर में पहुंच कर भोजन की गुणवत्ता और सफाई व्यवस्था देखी।

जिला अस्पताल मे निरीक्षण के दौरान एडीएम को कई खामियां मिली। ये सब देखकर उन्होंने सिविल सर्जन को तत्काल खामिया सुधारने का अल्टीमेटम दिया है।

कक्षों के बाहर मरीज बेहाल, दर्द में खड़े हर रोज की तरह ही डॉक्टरों का इंतजार कर रहे थे। लेकिन लगभग हमेशा की तरह ही ओपीडी का समय शुरु होने के घंटों बाद भी मौके से कई डॉक्टर नदारद मिले।

डॉ. श्रीवास्तव ने पाया कि जिला अस्पताल के एक्सरे कक्ष में लाखों रुपए की मशीनें धूल खा रही हैं, लेकिन मरीजों का एक्सरे नहीं किया जा रहा है। कई मशीनें तो पैक पाई गईं। इसके बाद एडीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि तत्काल मरीजों को एक्सरे की सुविधा प्रारंभ करवाई जाए। डॉ. श्रीवास्तव ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि हर हाल में कल से ही व्यवस्था में सुधार किया जाए।

जिला अस्पताल के बाद डॉ. श्रीवास्तव एमसीएच पंहुची और यहां भी अव्यवस्था और बदहाली देखकर बहुत नाराज हुईं। कलेक्टर के निर्देश पर उन्होंने मातृ शिशु यूनिट और एसएनसीयू कक्ष का निरीक्षण किया। यहां पाया कि ऑपरेशन कक्ष की हालत खराब हैं। सफाई और सैनेटाइजेशन में भी खामियां मिलीं। इसपर नाराज होकर उन्होंने ओटी प्रोटोकॉल का पालन नहीं किए जाने को लेकर फटकार लगाई। वार्ड और डॉक्टर तथा स्टाफ के व्यवहार और उपस्थिति के समय को लेकर भी कलेक्टर को मिली शिकायतों पर हिदायत दी कि व्यवस्था सुधारी जाए वरना कार्रवाई होगी।

नवजात शिशु गहन चिकित्सा यूनिट में बेहद कम वजन के बच्चों को देखकर एडीएम दुखी भी हो गईं। उन्होंने स्वास्थ विभाग के जिम्मेदारों से पूछा कि नवजात शिशु की माताओं का स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यक पोषण क्यों उपलब्ध नहीं करवाया गया। उन्होंने पूछा कि गर्भवती के अस्पताल में आने पर भी उसके पोषण का स्तर इतना कम क्यों हैं। एडीएम ने इसे गंभीरता से लेते हुए पूरी रिपोर्ट देने के लिए कहा।

22 ग्राम पंचायतों के सचिव एवं 19 ग्राम रोजगार सहायक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

धार । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रृंगार श्रीवास्तव ने लाडली बहना योजना अंतर्गत पंजीयन किए गए आवेदनों का शत प्रतिशत डीबीटी सक्रिय की प्रगति कम होने पर 22 ग्राम पंचायतों के सचिव एवं 19 ग्राम रोजगार सहायक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। जारी किए गए कारण बताओ सूचना पत्र में जनपद पंचायत गंधवानी में मनोज ओसारी ग्राम पंचायत केशवी, संतोष राठौर ग्राम रोजगार सहायक केशवी , राजेश डावर सचिव ग्राम पंचायत पंथा , जनपद पंचायत कुक्षी में शंकर अलावा सचिव ग्राम पंचायत नीमथल सुरेश सोलंकी सचिव ग्राम पंचायत कुन्दा शदुर्गाशंकर ग्राम रोजगार सहायक कुन्दा शामिल है।

वेयरहाउस लॉजिस्टिक अध्यक्ष ने वन विभाग के प्रवर्तन एवं सेडमैप के आयोजन में प्रशिक्षित

युवतियों एवं महिलाओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए

दमोह जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत बालाकोट में वन विभाग के प्रवर्तन एवं सेडमैप के आयोजन में 90 महिलाओं को स्वरोजगार स्थापानार्थ के उद्देश्य को लेकर सेडमैप द्वारा एक माह का ÷बैग निर्माण÷ प्रशिक्षण दिया गया जिसमें म.प्र. वेयरहाउस कॉर्पोरेशन एवं लॉजिस्टिक अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) राहुल सिंह लोधी के मुख्य आतिथ्य में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी, ग्राम पंचायत बालाकोट, भीलमपुर, इमलिया लांझी की युवतियों/महिलाओं को ÷प्रशिक्षण प्रमाण पत्र÷ वितरित किए गए। कार्यक्रम के उपरांत (कैबिनेट मंत्री दर्जा) श्री लोधी द्वारा समस्त प्रशिक्षित महिलाओं/युवतियों एवं कर्मचारियो के साथ वृक्षारोपण किया गया।

इस अवसर पर डी.एफ.ओ. एम.एस. उईके, जिला समन्वयक पी. एन. तिवारी, गंधर्व सिंह, सत्यनारायण वैद्य, डॉ. सूरत सिंह, हेमंत सिंह, वन विभाग के समस्त कर्मचारियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति रही ।

दमोह ग्राम पंचायत बालाकोट में वन विभाग के प्रवर्तन एवं सेडमैप के आयोजन में 90 महिलाओं को स्वरोजगार स्थापानार्थ के उद्देश्य को लेकर सेडमैप द्वारा एक माह का ÷बैग निर्माण÷ प्रशिक्षण दिया गया जिसमें म.प्र. वेयरहाउस कॉर्पोरेशन एवं लॉजिस्टिक अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) राहुल सिंह लोधी के मुख्य आतिथ्य में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी, ग्राम पंचायत बालाकोट, भीलमपुर, इमलिया लांझी की युवतियों/महिलाओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र÷ वितरित किए गए। कार्यक्रम के उपरांत (कैबिनेट मंत्री दर्जा) राहुल लोधी द्वारा समस्त प्रशिक्षित महिलाओं/युवतियों एवं कर्मचारियो के साथ वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर डी.एफ.ओ. एम.एस. उईके, जिला समन्वयक पी. एन. तिवारी, गंधर्व सिंह, सत्यनारायण वैद्य, डॉ. सूरत सिंह, हेमंत सिंह, वन विभाग के समस्त कर्मचारियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति रही ।

नप अध्यक्ष के निवास पर भाजपा जिला अध्यक्ष का हुआ भव्य स्वागत

बरेली। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा रायसेन जिले के बरेली प्रवास पर रहे इस बीच राकेश शर्मा ग्राम नंयगाव कला में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल हुए इसके बाद बागपिपरिया में आयोजित श्रीराम महायज्ञ में शामिल हुए इस बीच जिलाध्यक्ष बरेली क्षेत्र के वरिष्ठ नेता रमेश साद के अस्वस्थ होने का समाचार मिलने पर उनके निवास पर पहुंचे और उनका हालचाल जाना इसके बाद नगर परिषद के युवा नगर अध्यक्ष हेमंत राजा भैया चौधरी के निवास पर पहुंचे जहां पर जिला अध्यक्ष का भव्य स्वागत हुआ नगर अध्यक्ष चौधरी ने जिलाध्यक्ष और मौजूद अतिथियों का गमछा पहनाकर स्वागत किया इस बीच जिलाध्यक्ष ने देवतुल्य कार्यकर्ताओं से भेंट कर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को बूथ स्तर तक पहुंचाने की बात कही और कहा भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने के लिए काम करें इस बीच उदयपुरा विधानसभा के पूर्व विधायक रामकिशन पटेल, विनोद साहू, वरिष्ठ नेता श्रवण पटेल, वरिष्ठ नेता शंकर सिंह पटेल, सांसद प्रतिनिधि शेरसिंह चौधरी, नगर उपाध्यक्ष नेपाल सिंह राजपूत, जिला मंत्री राजेन्द्र ठाकुर, मंडल अध्यक्ष अभिषेक राजपूत, पूर्व मंडल अध्यक्ष विट्ठल भूतड़ा, थाना प्रभारी आशीष सप्रे, विक्की राजपूत, महेश पटेल,शिवगोविन्द सिलावट, रविन्द्र ठाकुर, आशीष वरेले, पार्षद

गांधी चौक पर यातायात व नपा ने लगवाई रैलिंग

शिवपुरी- शहर के गांधी चौक पर लगने वाले जाम से मुक्ति दिलाने को लेकर यातायात विभाग के द्वारा नपा के साथ मिलकर भ्रमण किया गया और यहां देखा कि गांधी चौक के आसपास बैठे पटवा मुख्य रोड़ पर ही अतिक्रमण कर रहे है जिसके चलते आए दिन जाम की स्थिति निर्मित होती है। इसे लेकर नगर पालिका सीएमओ डॉ.के.एस. सगर एवं यातायात प्रभारी रणवीर यादव के द्वारा संयुक्त रूप से गांधी चौक पर पहुंचकर यहां नपा के द्वारा पटवाओं के अस्थाई अतिक्रमण को रोकने के लिए लोहे की रैलिंग लगवाई गई।

विदित हो कि यहां 10 फिट तक पटवाओं के द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा था जिसके चलते यहां आए दिन दुपहिया, पैदल राहगीर और अन्य वाहनों से जाम की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में यहां लगने वाले जाम से मुक्ति दिलाने को लेकर यातायात विभाग के द्वारा नगर पालिका के माध्यम से 5-5 फिट तक की लोहे की रैलिंग लगाई गई, अब पटवा अपना अतिक्रमण आगे नहीं बढ़ा जाऐंगें, साथ ही उन्हें समझाईश दी है कि किसी भी रूप में रैलिंग के बाहर कोई कारोबार ना हो अन्यथा आगे कार्यवाही की जाएगी। यातायात प्रभारी के इस कार्यवाही की वहां मौजूद पटवाओं के द्वारा भी प्रशंसा की गई क्योंकि कई ऐसे पटवा है जो आए दिन अपने पास मौजूद 5 फिट की जगह से बढ़कर 10 फिट तक का अतिक्रमण कर लेते है ऐसे में अब यहां इस रैलिंग के बाहर कोई नहीं जा सकेगा और यहां आवागमन में भी कोई जाम के हालात नहीं बन सकेंगें। इसे लेकर आमजन, पैदल राहगीर व अन्य वाहन चालकों को राहत मिलेगी।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण

क्रमांक 691/06/पीआरओ/भो.वि.प्रा./ 23 भोपाल, दिनांक 17/05/2023

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण कि पंचशील नगर योजना में स्थित भवन क्रमांक 598 सेक्टर 15×30 श्री पुण्डलिक सेन्दाने आत्मज श्री माधो सेन्दाने के नाम अंकित है। आवंटी श्री पुण्डलिक सेन्दाने का स्वर्गवास दिनांक 20.09.2003 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिसों श्री आधार सेन्दाने एवं श्री सुरेश सेन्दाने पुत्रगण स्व.श्री पुण्डलिक सेन्दाने द्वारा आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भवन का नामांतरण अपने नाम पर चाहा है। उक्त के संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 07 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य / दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपनी दावा / आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा / आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी, तथा प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वंतत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी

कार्यालय नगर पालिका परिषद इटारसी, जिला नर्मदापुरम् (म.प्र.)

पत्र क्रमांक/रा.शा.वि./न.पा.इ / 2023 इटारसी दिनांक 12.05.2023

आम सूचना

आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद इटारसी से लक्कडगंज क्षेत्र में दुकान नं. 15 (छोटी) जो कि श्री संजय दीक्षित आत्मज श्री हरेन्द्र कुमार दीक्षित के नाम नगर पालिका अभिलेखों में दर्ज है, श्री मति पल्लवी दीक्षित पति स्व. श्री संजय दीक्षित, कु. अनुष्का एवं अनादि दीक्षित पिता स्व. श्री संजय दीक्षित निवासी शिवराज पुरी कालोनी पुरानी इटारसी दुकान की (मृत्यु प्रमाण पत्र) के आधार पर किरायेदारी का नामान्तरण कराना चाहते हैं। उक्त दुकान का नामान्तरण होने में किसी को कोई आपत्ति है तो इश्तहार प्रकाशन सूचना से 07 सात दिवस के भीतर संपूर्ण रिकार्ड एवं प्रमाण के साथ अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय के समक्ष में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं। यदि सात दिवस के भीतर किसी की कोई आपत्ति दर्ज नहीं होती है तो तत्पश्चात किसी की किसी भी तरह की कोई आपत्ति मान्य नहीं की जाएगीं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद इटारसी

क्रिश्चियन इंग्लिश कॉलेज के बच्चों ने आईएससी बोर्ड की 10वीं व 12वीं परीक्षा में परचम फहराया

छतरपुर। क्रिश्चियन इंग्लिश कॉलेज छतरपुर में आई.एस.सी बोर्ड की 10वीं व 12वीं की परीक्षा में प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त कर छात्र छात्राओ ने परिवार व स्कूल का गौरव बढ़ाया। कक्षा 10वीं की परीक्षा में वेदांत गुप्ता पुत्र जीतेंद्र गुप्ता ने 95.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान, आयुषी व्यास पुत्री अनुराग व्यास ने 93.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय, मशरिफ़ा ख़ातून पुत्री अनवर सौदागर ने 93.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। 12वीं की परीक्षा में अनुष्का गोस्वामी पुत्री अशोक गोस्वामी ने 87.25 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, जया चौरसिया पुत्री चित्रकांत चौरसिया ने 85.25 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय एवं देव शर्मा पुत्र भोला शर्मा ने 83.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

क्रिश्चियन इंग्लिश कॉलेज के मैनेजर ग्रेवियल मैसी, असिस्ट मेनेजर अर्पना मैसी एवं प्राचार्य शशि ब्राउन सहित सभी क्लास टीचर्स ने अव्वल बच्चों को शुभकामनाएं दी और भविष्य में भी इसी तरह कामयाब होने का आशीर्वाद दिया ।

अनुष्का गोस्वामी क्लास 12

जया चौरसिया क्लास 12

देव शर्मा क्लास 12

मशरिफा खातून क्लास 10

वेदांत गुप्ता क्लास 10

आयुषी व्यास क्लास 10

ऋत्विक सहोरे और अवनीत कौर की फ़िल्म चिड़ियाखाना का पोस्टर आउट

मुंबई, एजेंसी। दिल दोस्ती ऐटसेट्रा और इस्सक के बाद जाने-माने निर्देशक मनीष तिवारी की नई पेशकश चिड़ियाखाना 2 जून को रिलीज होने के लिए तैयार है। भारत के राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) द्वारा निर्मित और भारती स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म शिलादित्य बोरा की प्लाटून वन द्वारा रिलीज की जा रही है।फ़िल्म चिड़ियाखाना का मुख्य पात्र एक बिहारी लड़का (ऋत्विक सहोरे) की कहानी हैं, जो अपनी धैर्य, संकल्पना और विशेष कर अपने फुटबॉल कौशल के कारण महाराष्ट्रीयन चॉल के निवासियों का पसन्दीदा लड़का बन जाता हैं। निर्देशक मनीष तिवारी कहते हैं कि चिड़ियाखाना एक दमित लड़के की कहानी है जो अपने जुनून, फुटबॉल के लिए एक गहरी छाप छोड़ता है, और इस पूरे प्रक्रिया में न केवल खुद को बल्कि अपने दोस्तों, अपने शैक्षिक संस्थान को भी सशक्त बनाता है और दुश्मनों को दोस्तों में बदल देता है। सूरज बिहार से मुंबई अपनी माँ के साथ आता है और इस शहर की भूलभुलैया में अपना पैर जमाता है।

अब मैं समझी कि मेरी मॉम किन हालातों से गुजरी होंगी : कशिश

मुंबई, एजेंसी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो सपनों की छलांग दर्शकों को राधिका की एक दिलचस्प कहानी दिखा रहा है, जो झांसी से आकर सपनों के शहर मुंबई में एक विश्वास की छलांग लगाती है। इस शो में मेघा रे प्रमुख नायिका का रोल निभा रही हैं, जिसमें अब तक दिखाया गया कि राधिका अपने पैरेंट्स खासतौर से अपने पिता को मुंबई में अपना करियर बनाने की इजाजत देने के लिए मनाती है। अब उसे एक अजनबी शहर में रहने की चुनौतियों का सामना करना होगा, जिसमें उसे अलग-अलग पृष्ठभूमियों से आई अपनी रूममेट्स के साथ एडजस्ट करने के अलावा अपनी पहली जॉब के प्रेशर को संभालते हुए अपनी सख्त बॉस को प्रभावित करना होगा।नए दौर के इस ड्रामा ने दर्शकों में खासी दिलचस्पी जगा दी है। दर्शक ये जानने को उत्सुक हैं कि राधिका की ज़िंदगी में अब आगे क्या होगा, जहां वो अपने काम और झांसी में अपने परिवार की चिंताओं के बीच बैलेंस बनाने में जुटी हुई है। राधिका पहली बार अपने घर के सुरक्षित माहौल से बाहर निकली है और ऐसे में उनकी मां की चिंता जायज़ है।

एनएसडीसी इंटरनेशनल लिमिटेड और ज़ेनकेन कॉरपोरेशन ने बिजनेस एलायंस बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। एनएसडीसी इंटरनेशनल लिमिटेड (यहां इसके बाद एनएसडीसीआई के रूप में संदर्भित), भारत के राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (यहां इसके बाद एनएसडीसीआई के रूप में संदर्भित) की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडरी ने 20 मार्च, 2023 को ज़ेनकेन कॉर्पोरेशन (हेडमर्टरः शिंजुकु-कु, टोक्यो; अध्यक्षः जुन्नोसुके हयाशी) के साथ एक समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ है। समझौता ज्ञापन में कहा गया है कि दोनों पक्ष आईटी इंजीनियरों सहित अत्यधिक कुशल मानव संसाधनों की स्वीकृति को मजबूत करने में सहयोग करेंगे, साथ ही नर्सिंग केयर फील्ड में विशिष्ट कुशल मानव संसाधन भी शामिल होंगे। इस बिजनेस एलायंस का उद्देश्य जापानी कंपनियों के लिए भारतीय कुशल श्रमिकों के प्रशिक्षण और रोजगार में सहयोग करना, भारतीय मानव संसाधनों के उपयोग पर एजुकेशनल सेमिनार और कार्यक्रम आयोजित करना और भारत से जापान में भारतीय मानव संसाधनों की स्वीकृति को बढ़ावा देना है। पहले कदम के रूप में, 25 अप्रैल, 2023 को सेकंड जापान-इंडिया इंडस्ट्री-एकेडेमिया-गवर्नमेंट ओपन फोरम इवेंट आयोजित किया गया था, जिसकी मेजबानी एनएसडीसी, निफ्को इंक, ज़ेनकेन होन्शा कॉर्पोरेशन, ओटा सिटी इंडस्ट्री एंड इकोनॉमी डिपार्टमेंट, और ओटा सिटी इंडस्ट्रियल प्रमोशन एसोसिएशन द्वारा की गई थी।

आकाश बायजूस के छात्रों ने 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक हासिल किए

सागर। भारत के अग्रणी परीक्षा तैयारी संस्थान आकाश बायजूस को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि सागर के 10वीं कक्षा के 5 और 12वीं कक्षा के 2 छात्रों ने दसवीं कक्षा में कुल मिलाकर 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक हासिल किए हैं। । 10वीं कक्षा की श्रेया पाठक, आद्विक मिश्रा और अर्चित नायक ने क्रमशः 95, 94.8 और 94 प्रतिशत अंक हासिल किए, जबकि 12वीं कक्षा के केशव पटेल और हेरंब पांडे ने क्रमशः 95.2 और 93 प्रतिशत अंक हासिल किए। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों की समृद्ध सलाह और मार्गदर्शन को दिया है। उन्होंने कोचिंग प्रदान करने के लिए संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया, जिससे उन्हें कम समय में कठिन अवधारणाओं को समझने में मदद मिली। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए आकाश बायजूस के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एचआर राव ने छात्रों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि पर बधाई दी।

महिन्द्रा यूनिवर्सिटी ने एमए इन एजुकेशन प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की

नयी दिल्ली/हैदराबाद, एजेंसी। महिन्द्रा युनिवर्सिटी के इंदिरा महिन्द्रा स्कूल ऑफ एजुकेशन ने दो वर्षीय पूर्णकालिक एमए (एजुकेशन) प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की है जिसके लिए कक्षाएं अगस्त, 2023 से प्रारंभ होंगी। यह युनिवर्सिटी शिक्षा के क्षेत्र में करियर बनाने के आकांक्षी पात्र स्नातक विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित कर रही है। एमए इन एजुकेशन शुरू कर महिन्द्रा युनिवर्सिटी भारत में तेजी से बढ़ रहे शिक्षा क्षेत्र के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने वाले चुनिंदा संस्थानों की फेरहिस्त में शामिल हो गई है। महिन्द्रा युनिवर्सिटी द्वारा एमए इन एजुकेशन की पढ़ाई शुरू किए जाने से शिक्षा के क्षेत्र में जानकार भावी चिंतक और नेतृत्वकर्ता तैयार करने में खालीपन भरा जा सकेगा। इस प्रोग्राम के तहत विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण अनुसंधान कौशल, सैद्धांतिक ज्ञान, विषयपरक विश्लेषणात्मक अध्ययन और क्षेत्र आधारित सीख का प्रशिक्षण शामिल है और ये सभी चीज़ें पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं जिनसे विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर का एक विस्तृत निबंध तैयार करने में मदद मिलेगी।इंदिरा महिन्द्रा स्कूल ऑफ एजुकेशन के शिक्षक इन सभी चीज़ों में प्रशिक्षित हैं और उन्हें भारत और विदेश में स्थित प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान केंद्रों में एजुकेशनल स्टडीज़ के अध्यापन का गहरा अनुभव है।

बीजेपी ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग को हथियार के रूप में कर रही है इस्तेमाल : दिग्विजय

इटारसी। भाजपा सरकार ई डी , सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग के अधिकारियों का इस्तेमाल कांग्रेसियों को डराने और दबाने के लिए कर रही है । हाल ही में इटारसी में पुराने कांग्रेसियों के यहां आयकर विभाग के छापे में अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि भाजपा में आ जाओ यह आरोप पूर्व मुख्यमंत्री राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने इटारसी में आयोजित पत्रकार वार्ता में लगाए । उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में भ्रष्टाचार बढ़ा है, फ़र्टिलाइज़र और फसलों में उपयोग होने वाली दवाई भी नकली बेची जा रही है। शिवराज सिंह कार्यवाही का वादा तो करते हैं परंतु आज तक किसी भी ऐसे व्यक्ति के ऊपर कार्रवाई नहीं हुई है जो नकली फ़र्टिलाइज़र और फसलों की नक़ली दवाई के काम में लगा हुआ है , इससे स्पष्ट है कि ऐसे लोगों को मुख्यमंत्री का संरक्षण प्राप्त है। शिवराज सिंह कांग्रेसियो से 18 महीने का हिसाब तो मांगते हैं लेकिन उन्होंने 20 साल में क्या किया उसका हिसाब नहीं देते दिग्विजय सिंह ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री को चुनाव के समय लाडली बहनों की याद आ गई इससे पहले 20 साल तक उन्होंने बहनों के लिए क्या किया यह नहीं बताया। दिग्विजय सिंह ने दावा किया कि पूरे प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल है उससे ऐसा लगता है कि इस बार कांग्रेश 130 से 135 सीटें जीतेगी और सरकार बनाएगी, उन्होंने कहा कि कांग्रेस का सबसे पहले फोकस उन 66 सीटों पर है यहां से कांग्रेस लगातार कई वर्षों से हार रही है उन्होंने कहा कि कांग्रेश पूरी तरह एकजुट है और इसी आधार पर हम कह सकते हैं कि सरकार कांग्रेस की बनेगी । उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनती है तो हम बहनों को 15 सो रुपए प्रतिमाह देंगे और ?500 में घरेलू सिलेंडर देंगे । जब पत्रकारों ने सवाल किया कि नर्मदापुरम विधानसभा क्षेत्र का कांग्रेस प्रत्याशी भाजपा प्रत्याशी की पसंद से ही आता है इसके जवाब में दिग्गी राजा ने कहा कि ऐसा नहीं है केवल पिछली बार सरताज सिंह को कांग्रेस में शामिल होने से उन्हें टिकट दी गई थी अन्यथा ऐसा नहीं होता । जब पत्रकारों ने पूछा कि चर्चा तो यह है कि इस बार भी भाजपा का एक नेता कांग्रेस में शामिल होगा और उसी को कांग्रेस की टिकट मिलेगी तब इसके जवाब में दिग्विजय सिंह ने कहा कि यह सब कुछ जिला कांग्रेस कमेटी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी तय करती है।

होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने आयोजित किया सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान

विदिशा, एजेंसी। भारत में सुरक्षित राइडिंग की आदतों के निर्माण की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने मध्य प्रदेश के विदिशा में अपने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान को आगे बढ़ाया।

सड़क सुरक्षा होण्डा के लिए विश्वस्तरीय प्राथमिकता है। विदिशा के गवर्नमेन्ट गर्ल्स कॉलेज में आयोजित इस तीन दिवसीय कैम्प में 2500 से अधिक कॉलेज छात्रों एवं स्टाफ के सदस्यों ने हिस्सा लिया और सुरक्षित राइडिंग के गुर सीखे। एचएमएसआई के रोड सेफ्टी इंस्ट्रक्टर्स ने प्रतिभागियों की उम्र को ध्यान में रखते हुए उचित सड़क सुरक्षा लर्निंग प्रोग्राम के माध्यम से सभी को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरुक बनाया। भारत को सड़क सुरक्षा पर जागरुक बनाने की एचएमएसआई की प्रतिबद्धता के बारे में बात करते हुए श्री विनय ढींगरा-सीनियर डायरेक्टर, एचआर, एडमिन, आईटी एण्ड कॉर्पोरेट अफ़ेयर्स, होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने कहा, ''सड़क सुरक्षा शिक्षा, सड़क सुरक्षा की मानसिकता विकसित करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। एचएमएसआई देश भर में सड़क का इस्तेमाल करने वालों को ज़िम्मेदार बनाने के लिए सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान का आयोजन करती रही है। इस अभियान के माध्यम से हमारा लक्ष्य नए एवं भावी राइडरों में सड़क सुरक्षा की सही आदतें विकसित करना है, साथ ही हम उन्हें सड़क सुरक्षा का महत्व समझाना चाहते हैं।''

होण्डा के लिए दुनिया भर में सड़क सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता है। अप्रैल 2021 में की गई घोषणा के मुताबिक ''होण्डा 2050 तक दुनिया भर में होण्डा की मोटरसाइकिलों एवं ऑटोमोबाइल्स की जानलेवा दुर्घटनाओं को शून्य तक लाने के लिए प्रयास करेगी।'' अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व को पूरा करते हुए एचएमएसआई 2001 में भारत में अपनी शुरूआत से ही सड़क सुरक्षा को बढ़ावा दे रही है।

ब्लैक+डेकर और इंडकल टेक्नॉलॉजीज़ ने भारत में बड़े अप्लायंसेज़ के लॉन्च और उपलब्धता की घोषणा

बैंगलोर, एजेंसी। पॉवर टूल्स, होम प्रोडक्ट्स और आउटडोर पॉवर ईम्पिमेंट में ग्लोबल लीडर, ब्लैक+डेकर ब्रांड ने बैंगलोर स्थित अग्रणी टेक्नॉलॉजी एवं इनोवेशन कंपनी, इंडकल टेक्नॉलॉजीज़ के साथ लाईसेंसिंग साझेदारी की घोषणा की है, जिसके अंतर्गत भारत में बड़े अप्लायंसेज़ की प्रीमियम श्रृंखला पेश की जाएगी। स्टेनली ब्लैक एंड डेकर के कमर्शियल डायरेक्टर लाईसेंसिंग, अमित दत्ता ने कहा, ''होम प्रोडक्ट्स में ग्लोबल लीडर के रूप में हम ग्राहकों को प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र में अपने उत्पादों की उपलब्धता बढ़ा रहे हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''हम अपने ब्रांड पोर्टफोलियो का विस्तार कर उपभोक्ता की जरूरतों को पूरा करने और इन नए उत्पादों के साथ घर के काम संभालना आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इंडकल टेक्नॉलॉजीज़ के सीईओ, आनंद दुबे ने कहा, ''हमें इस आकर्षक वेंचर के लिए ब्लैक एंड डेकर के साथ काम करने की खुशी है। ब्लैक+डेकर ब्रांड अपने शानदार उत्पादों के लिए मशहूर है, जिसमें टेक्नॉलॉजी और डिज़ाईन का बेहतरीन मिश्रण है।'' उन्होंने बताया, ''अप्लायंसेज़ की यह नई लॉन्च की गई श्रृंखला न केवल एस्थेटिक और प्रीमियम अहसास प्रदान करेगी, बल्कि अनेक इन्ट्यूटिव विशेषताओं के साथ फंक्शनलिटी भी प्रदान करेगी। हम अपने उपभोक्ताओं को इन उत्पादों का अनुभव प्रदान करने का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं।

वॉशिंग मशीनः ब्लैक+डेकर वॉशिंग मशीनों में 6 किलोग्राम और 8 किलोग्राम क्षमता की दो फ्रंट लोड मशीनें और 7.5 किलोग्राम क्षमता का एक टॉप लोड मॉडल शामिल है। फ्लैगशिप फ्रंट लोड मशीनें श्रेणी की अग्रणी विशेषताओं जैसे बेहतरीन बीएलडीसी मोटर, हैक्स-नेट क्रिस्टल डिज़ाईन के एडवांस्ड टब, और ट्रिपल वैलोसिटी जेट सिस्टम के साथ डिज़ाईन की गई हैं। इन मशीनों में बिल्ट-इन हीटर, फैब्रिक स्मार्ट वॉश प्रोग्राम और स्व'छ ड्रम क्लीन जैसी विशेषताएं हैं।

एयर कंडीशनर्सः डिज़ाईन और फंक्शन की खूबी एक साथ पेश करते हुए ब्लैक+डेकर एयर कंडीशनर्स के × मॉडलों में 1.5 टन और 2.0 टन के एयर कंडीशनर हैं, जिनमें 1.5 टन का एसी दो वैरिएंट्स में उपलब्ध है। सहज, मिनिमलिस्टिक डिज़ाईन के साथ इसकी सर्वोत्तम विशेषताओं में इन्फिनिटी इंपेलर, कैड सेंसर, मड कन्वर्टिबल और आर×2ईको फ्रेंडली रेफ्रिजरेंट शामिल है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट ने टैलेंटेक्स 2024 की घोषणा की

1.25 करोड़ के नकद पुरस्कार और 250 करोड़ की छात्रवृत्ति की पेशकश की

कोटा, एजेंसी। भारत के प्रमुख शिक्षण संस्थान, एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड (एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट या एलन) ने 2024 के लिए अपनी टैलेंटेक्स परीक्षा के 10वें संस्करण की घोषणा की है। टैलेंटेक्स कक्षा पाँच से दसतक के छात्रों के लिए उनकी प्रतिभा दिखाने और रियायती कोचिंग फीस पर अपने सपनों को सच करने का उपयुक्त मंच है। लॉन्च की गई वेबसाइट पर देश भर के छात्र परीक्षा के लिए पहले ही आवेदन कर चुके हैं। आवेदनों की पहली समय सीमा 30 जून, 2023 है। परीक्षा एक चरण में ऑफ़लाइन आयोजित की जाएगी।

ज़ोन के अनुसार 29 अक्टूबर और 5 नवंबर, 2023 को परीक्षाएं ली जानी हैं। राष्ट्रीय और राज्य रैंकिंग के आधार पर 250 करोड़ रुपये तक की छात्रवृत्ति दी जाएगी। प्रत्येक छात्र को एक अलग प्रतिस्पर्धी सफलता सूचकांक जारी किया जाएगा, जिससे उन्हें जेईई, नीट, सीए और सीएस जैसी परीक्षाओं में उनके संभावित रूप से शामिल होने की स्थिति में उनकी राष्ट्रीय रैंकिंग का अंदाजा लग सकेगा। इसके अतिरिक्त, छात्रों की योग्यता के आधार पर उन्हें 1.25 करोड़ रुपये तक की छात्रवृत्ति और नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जिससे छात्रों को उनके कॅरियर को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहायता मिल सकेगी।एक कार्यक्रम के दौरान टैलेंटेक्स 2024 की घोषणा की गई और इस अवसर पर बुकलेट, पोस्टर एवं वेबसाइट जारी की गई। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकगण, डॉ. गोविंद माहेश्वरी, श्री राजेश माहेश्वरी, डॉ. नवीन माहेश्वरी और डॉ. ब्रजेश माहेश्वरी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। टैलेंटेक्स के बारे में, एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन, डॉ ब्रजेश माहेश्वरी ने कहा,टैलेंटेक्स देश भर में प्रतिभाशाली छात्रों की पहचान करने और उन्हें प्रोत्साहन देने का एक महत्वपूर्ण मंच है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से, छात्र हजारों प्रतिस्पर्धियों के साथ स्वस्थ प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी शैक्षणिक क्षमताओं का परीक्षण कर सकते हैं। टैलेंटेक्स के राष्ट्रीय प्रमुख पंकज अग्रवाल के अनुसार,

जो छात्र पहले से ही एलन के कक्षा पाठ्यक्रम में दाखिला ले चुके हैं, वे भी परीक्षा में शामिल होने के पात्र हैं। इच्छुक छात्र वेबसाइट पर जाकर या अपने निकटतम एलन केंद्र पर ऑफ़लाइन फॉर्म भरकर परीक्षा के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। छात्रों को परीक्षा की तैयारी में मदद करने के लिए वेबसाइट पर मुफ्त अभ्यास पत्र उपलब्ध होंगे। परीक्षा एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर आधारित होगी और इसमें भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, जीव विज्ञान और तार्किक मानसिक क्षमता से बहुविकल्पीय और पूर्णांक प्रकार के प्रश्न शामिल होंगे।

कोरोनरी इमेजिंग एंजियोप्लास्टी में सटीकता की सुविधा और मरीजों के लिए बेहतर परिणाम देती है : डॉ हेमांग बक्सी

अहमदाबाद , एजेंसी। पिछले कुछ वर्षों में दिल के दौरे की घटनाओं में काफी वृद्धि हुई है, खासकर 35 से 50 वर्ष की आयु की युवा आबादी में। हृदय रोग (सीवीडी) जैसे कोरोनरी धमनी रोग, दिल की विफलता, स्ट्रोक, अतालता, परिधीय धमनी रोग आदि भारत में मृत्यु दर का प्रमुख कारण हैं। भारत में हृदय संबंधी बीमारियों की व्यापकता के लिए मुख्य रूप से एक गतिहीन जीवन शैली, अस्वास्थ्यकर आहार पैटर्न और अत्यधिक तनाव को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।सीएडी के इलाज और एंजियोप्लास्टी करने के लिए उन्नत तकनीक के साथ कोरोनरी इमेजिंग एक मूल्यवान उपकरण है। इसलिए, व्यापक रोगी देखभाल सुनिश्चित करने के लिए नवीनतम तकनीकों को अपनाना और अपनाना महत्वपूर्ण है। रोगियों के जीवन की बेहतर गुणवत्ता का आनंद लेने के लिए सर्वोत्तम संभव परिणाम प्राप्त करने के लिए संचार और करुणा पर केंद्रित एक रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण आवश्यक है, डॉ हेमांग बक्सी, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, मरेंगो सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद.भारतीयों को उच्चतम कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) दरों के लिए जाना जाता है। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक होने के बावजूद, 35 वर्ष से कम आयु की 66त्न आबादी के साथ, हृदय रोगों के कारण होने वाली मौतों का पांचवां हिस्सा है।कोरोनरी धमनी हृदय की मांसपेशियों को रक्त, ऑक्सीजन और पोषक तत्व प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है। जब कोरोनरी धमनियों की दीवारें पट्टिका जमा करती हैं, तो यह रक्त के प्रवाह को बाधित या कम कर देता है, जिससे सीने में दर्द, मतली, ठंडा पसीना और सांस की तकलीफ जैसे लक्षण पैदा होते हैं। इस तरह के लक्षणों को अगर नजरअंदाज किया जाए, तो दिल का दौरा और दिल की विफलता सहित गंभीर जटिलताएं हो सकती हैं। सीएडी के उपचार के लिए प्रमुख साधन एंजियोप्लास्टी एक न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया है जिसका उपयोग संकुचित या अवरुद्ध रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करने के लिए किया जाता है, आमतौर पर कोरोनरी धमनियां जो हृदय की मांसपेशियों को रक्त की आपूर्ति करती हैं। एंजियोप्लास्टी करने के लिए, एक कार्डियोलॉजिस्ट कैथेटर नामक एक पतली ट्यूब को ग्रोइन या कलाई में धमनी में डालता है और इसे कोरोनरी धमनी में अवरुद्ध क्षेत्र में निर्देशित करता है। कैथेटर तब धमनी को चौड़ा करने और रक्त प्रवाह को बहाल करने के लिए एक छोटा सा गुब्बारा फुलाता है। सीएडी के रोगियों के लिए अक्सर इस प्रक्रिया की सिफारिश की जाती है। एंजियोप्लास्टी करने का अंतिम निर्णय रोगी की चिकित्सा पृष्ठभूमि और लक्षणों के साथ-साथ कोरोनरी धमनियों में अवरोधों की सीमा और स्थिति सहित विभिन्न कारकों पर निर्भर करेगा।

सैमसंग गैलेक्सी एस23 नए, ताजगी भरे लाइम कलरमेंमेगाऑफर्सकेसाथबिक्रीपरउपलब्धहै

गुरुग्राम,। सैमसंग गैलेक्सी एस23 भारत में एक नए, ताजगीभरे लाइम कलर वैरिएंट में 16 मई से बिकना शुरू होगा। नया लाईम कलर सैमसंग के सबसे प्रीमियम स्मार्टफोनखरीदने वाले ग्राहकों को कलर के अधिक विकल्प प्रदान करेगा। अभीगैलेक्सी एस23 फैंटम ब्लैक, क्रीम, ग्रीन और लेवेंडर रंगों में उपलब्ध है।गैलेक्सी एस23 में50 एमपी का प्राइमरी कैमरा, 12 एमपी का अल्ट्रा-वाइड कैमरा और ओआईएस एवं 3 एक्स ऑप्टिकल जूम के साथ 10 एमपी का टेलीफोटो कैमरा है। गैलेक्सी एस23 में ट्रू सिनेमेटिक नाइटोग्राफी वीडियो लेने के लिए सुपर एचडीआर टेक्नोलॉजी और परिवर्तनकारी एआई के साथ 12मेगापिक्सल का फ्रंट-फेसिंग कैमरा भी है।ैलेक्सी के लिए स्नैपड्रैगन0 8 जेन2 मोबाइल प्लेटफॉर्म प्रीमियम अनुभव प्रदान करता है,जिसमें शानदार एआई भविष्य हेतु तैयार मोबाइल गेमिंग एवं दुनिया के सबसे तेज मोबाइल ग्राफिक्स भी शामिल हैं। गैलेक्सी एस23 पर्यावरण पर कम असर डालने के लिएप्रमाणित है। गैलेक्सी एस23 का प्रीमियम अनुभव चार जनरेशन तक ह्रस् अपग्रेड एवं पांच साल तक सुरक्षा अपडेट के साथ वर्षों तक बरकरार रखा जा सकता है।

गैलेक्सी एस23 सैमसंग के एंड-टू-एंड सैमसंग नॉक्स प्रोटेक्शन के साथ आता है, जिसे बाजार में किसी भी अन्य मोबाइल डिवाइस, प्लेटफॉर्म या समाधान की तुलना में अधिक सरकारी औरऔद्योगिक प्रमाणपत्र मिल चुके हैं। सैमसंग गैलेक्सी का सुरक्षा एवं गोपनीयता डैशबोर्ड उपयोगकर्ताओं को इस बात की जानकारी देता है कि उनके डेटा की पहुंच किसकिसके पास है एवं इसका उपयोग कैसे किया जा रहा है। केवल एक नज़र में आसानी से देखाजा सकताहै कि क्या व्यक्तिगत डेटा खतरे में है। अधिक सुरक्षित अनुभव हेतु सेटिंग्स बदलने के लिए सरल संकेत प्राप्त किए जा सकतेहैं। उपयोगकर्ता तय कर सकते हैं कि कौन से एप्लिकेशन एवं प्रोग्राम उनके डेटा तक पहुंच सकते हैं और इसका उपयोग कैसे किया जा सकता है।

लाईम कलर में गैलेक्सी एस23 दो स्टोरेज विकल्पों 8/128 त्रख् और 8/256 त्रख् में उपलब्ध होगा, और इसका मूल्य क्रमशः 74,999 रु. और 79,999 रु. होगा। सैमसंग ने नए कलर वैरिएंट में गैलेक्सी एस23 खरीदने के इच्छुक ग्राहकों के लिए ऑफरों द्वारा किफायती बना दिया है। यह 16 मई से सभी ऑनलाईन एवं ऑफलाईन रिटेल स्टोर्स पर मिलेगा। ज्यादा किफायत के साथ अपग्रेड करने के इच्छुक एचडीएफसी क्रेडिट कार्ड या बजाज फिनसर्व द्वारा 24 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई के साथ केवल 3125 रु. में यह डिवाईस खरीद सकते हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्र कर बाजार

कार्यालय आयुक्त, वाणिज्यिक कर, मध्यप्रदेश

महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर-452007 फोन नं.आ.-0731-2537140, FAX- 2536229
E-mail: commissioner.hq@mptax.mp.gov.in & https://www.mptax.mp.gov.in

क्रमांक/149/2019/41बी/ इक्कीस/ 801 इन्दौर, दिनांक 09/05/2023

Physical Verification
परिपत्र क्रमांक-04/2023

प्रति,
परिक्षेत्र अपर आयुक्त (समस्त)
संभागीय राज्य कर संयुक्त आयुक्त (समस्त),
राज्य कर उपायुक्त/सहायक आयुक्त (समस्त),
राज्य कर, मध्यप्रदेश.

विषय :- बोगस जीएसटी पंजीयन के विरुद्ध कार्यवाही हेतु विशेष अखिल भारतीय अभियान के संबंध में निर्देश

सन्दर्भ :- Special All India Drive Against Fake Registrations as decided in National Coordination Meeting Of State & Central GST Officers meeting dated 24-04-2023 एवं मुख्यालय द्वारा जारी Physical Verification परिपत्र क्रमांक-03/2023 दिनांक 06-02-2023 |

कृपया अवगत होंगे कि दिनांक 24-04-2023 को नई दिल्ली में आयोजित National Coordination Meeting Of State & Centre GST Officers बैठक में कतिपय संदिग्ध / फर्जी करदाताओं द्वारा राज्य के राजस्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का संज्ञान लिया गया है | बैठक में बिजली बिल, संपत्ति कर, किराया अनुबंध में कांट-छांट कर प्राप्त किये जा रहे बोगस जीएसटी पंजीयन के विरुद्ध विशेष अभियान प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए है | यह भी संज्ञान में आया है कि कुछ करदाताओं द्वारा अधिक राशि के ई-वे बिल डाउनलोड किए जाते हैं, परन्तु GSTR-3B या तो फाईल नहीं किए जाते या निरंक टनओवर के GSTR-3B फाईल किए जाते हैं या GSTR-2A/2B में परिलक्षित ITC से अधिक ITC क्लेम की जाती है या अधिक राशि के GSTR-1 फाईल करके बोगस/फेक ITC पासऑन की जाती है, जिससे राजस्व हानि की स्थिति निर्मित होती है। अतः राजस्व संरक्षण के उद्देश्य से बोगस जीएसटी पंजीयन के विरुद्ध कार्यवाही हेतु विशेष अखिल भारतीय अभियान अंतर्गत निम्नानुसार कार्यवाही की जाए:-

1. अभियान की अवधि :- 16-05-2023 से 15-07-2023

2. संदिग्ध करदाताओं का चिन्हांकन एवं आवंटन :- निर्धारित पैरामीटर्स के आधार पर पंजीयत करदाताओं का चिन्हांकन किया जाकर भौतिक सत्यापन हेतु तैयार किये गए मोबाइल एप्लीकेशन पर वृत्त प्रभारी के अधीन वाणिज्यिक कर निरीक्षक/कराधान सहायक के लॉगिन में (डैश बोर्ड) प्रदर्शित होगी। यह भी उल्लेखनीय है कि वृत्त स्तर पर संदिग्ध करदाताओं की जानकारी प्रकाश में आने पर ऐसे प्रकरणों की सूची अपने संभागीय उपायुक्त के माध्यम से अविलम्ब मुख्यालय को उपलब्ध करायी जाए ताकि उक्त प्रकरण भी मोबाइल एप्लीकेशन पर आवंटित किये जा सके |

3. भौतिक सत्यापन हेतु Online Portal तथा Mobile App का उपयोग :-
(i) चिन्हित प्रकरणों के भौतिक सत्यापन हेतु अधिनियम अन्तर्गत पूर्व मे उपयोग किए जा रहे BO-web portal एवं REG-30 मे संबंधित Field Visit App का उपयोग पूर्व अनुसार ही किया जाए।
(ii) विभाग द्वारा भौतिक सत्यापन संबंधी समस्त प्रक्रियाओं को समाहित कर End to End Solution हेतु निर्मित नवीन Mobile App एवं Online Portal का उपयोग किया जाए।

4. भौतिक सत्यापन हेतु वृत्त स्तर पर करदाताओं का आवंटन एवं सत्यापन :-
(i) भौतिक सत्यापन हेतु करदाताओं का आवंटन मुख्यालय स्तर से वृत्त में पदस्थ कराधान सहायक/वाणिज्यिक कर निरीक्षक के मध्य किया जाएगा।
(ii) उक्त आवंटन के आधार पर समुचित अधिकारी द्वारा BO-web Portal पर करदाताओं का आवंटन कराधान सहायक/वाणिज्यिक कर निरीक्षक को किया जायेगा।
(iii) BO-web Portal पर भौतिक सत्यापन प्रतिवेदन हेतु निर्धारित प्ररूप REG-30 से संबंधित Field Visit App तथा विभाग द्वारा निर्मित Mobile App के माध्यम से सत्यापन की कार्यवाही की जायेगी।
(iv) यदि करदाता का अतिरिक्त व्यवसाय स्थल अन्य वृत्तों के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत स्थित है तो करदाता जिस वृत्त प्रभारी के क्षेत्राधीन है, वह वृत्त प्रभारी अतिरिक्त व्यवसाय स्थल के संबंध में भौतिक सत्यापन प्रतिवेदन संबंधित समुचित अधिकारी से प्राप्त कर REG-30 प्ररूप में समेकित (Consolidated) प्रतिवेदन अपलोड करेंगे।
(v) साथ ही वृत्त प्रभारी संबंधित कराधान सहायक/वाणिज्यिक कर निरीक्षक द्वारा अतिरिक्त व्यवसाय स्थल का सत्यापन तथा उसकी प्रविष्टि वेब-पेज पर करायेंगे।

5. Pre-verification Stage:-
(i) विभाग द्वारा निर्मित नवीन Portal पर यथासंभव मुख्यालय द्वारा Pre-verification (Part-1) में जानकारी Pre-filled प्रदाय कराई जा रही है। आवंटित करदाताओं की शेष जानकारी कराधान सहायक/वाणिज्यिक कर निरीक्षक द्वारा Portal पर विभिन्न स्रोत जैसे- BO-web, MCA, NIC E-way Bill Portal से प्राप्त कर Pre-verification (Part-1) के निर्धारित प्रारूप में प्रविष्टियां 3 दिवस में करेंगे।
(ii) कतिपय वृत्तों में भौतिक सत्यापन हेतु चिन्हित करदाताओं की संख्या अधिक होने से समुचित अधिकारी को भौतिक सत्यापन हेतु रोस्टर तैयार करना होगा जिससे करदाता के साथ-साथ कराधान सहायक/वाणिज्यिक कर निरीक्षक को निरीक्षण दिनांक के संबंध में अग्रिम जानकारी उपलब्ध रहे।

6. कराधान सहायक/ वाणिज्यिक कर निरीक्षक द्वारा करदाताओं का भौतिक सत्यापन:-
(i) कराधान सहायक/वाणिज्यिक कर निरीक्षक आवंटित करदाताओं के व्यवसाय स्थल/अतिरिक्त स्थल/गोदाम का भौतिक सत्यापन आवंटन दिनांक से अधिकतम 10 दिवस में करेंगे।
(ii) अधिक संख्या में संदिग्ध जीएसटी पंजीयन का चिन्हांकन होने की स्थिति में भौतिक सत्यापन हेतु सूची चरणवार उपलब्ध करायी जावेगी |
(iii) विभाग द्वारा निर्मित किए गए Mobile App पर निर्धारित प्रारूप (Physical Verification Check List) में भौतिक सत्यापन के दौरान, व्यवसाय स्थल पर ही जानकारी प्रविष्ट करेंगे।
(iv) साथ ही BO-web Portal के REG-30 संबंधी Field Visit App में नियमानुसार प्रविष्टि करेंगे।
(v) मध्यप्रदेश जीएसटी नियम 21(a) एवं 25 अनुसार करदाता का व्यवसाय स्थल एवं व्यवसायिक गतिविधियों की स्थिति के संबंध में, कराधान सहायक/वाणिज्यिक कर निरीक्षक REG-30 तथा विभागीय App में इस संबंध में स्पष्ट टीप अंकित करें।

7. भौतिक सत्यापन के दौरान किन परिस्थितियों में जीएसटी पंजीयन को संदिग्ध माना जा सकता है :-
(i) जीएसटी पंजीयन में सामान्य विसंगतियां जैसे पंजीयन एवं GSTR-2A/2B , GSTR-1, eway bill and e-invoice आदि में उल्लेखित HSN के अंतर, बैंक अकाउंट अपडेट न करना, रेंट अग्रीमेंट एक्सपायर हो, व्यवसाय स्थल पैतृक संपत्ति है जिसका नामांतरण नही हुआ है आदि परिस्थितियों में जीएसटी पंजीयन को संदिग्ध नही माना जाए |
(ii) यदि प्रथम भौतिक सत्यापन दिनांक पर व्यवसायी /व्यवसायी के प्रतिनिधि अनुपस्थित हो तो इस संबंध में पंचनामा तैयार किया जावे | *उल्लेखनीय है कि मात्र व्यवसायी /व्यवसायी के प्रतिनिधि के अनुपस्थित होने पर ही जीएसटी पंजीयन को संदिग्ध न माना जाए |*
(iii) द्वितीय भौतिक सत्यापन पांच कार्य दिवस के भीतर किया जाए | यदि पुनः व्यवसायी /व्यवसायी के प्रतिनिधि अनुपस्थित हो तो स्थानीय स्तर पर जानकारी प्राप्त कर पंचनामा तैयार किया जाए | तदनुसार व्यवसाय अथवा व्यवसायी प्रमाणिक होना नहीं होना पाए जाने पर जीएसटी पंजीयन संदिग्ध माना जाए |
(iv) यदि पंजीयन में दर्शाया गया व्यवसाय स्थल अस्तित्वहीन पाया जाता है तो ऐसे जीएसटी पंजीयन को संदिग्ध माना जाए | इन प्रकरणों में विभागीय App पर फोटो अपलोड करने की अनिवार्यता नहीं होगी।
(v) भौतिक सत्यापन के दौरान व्यवसाय स्थल/व्यवसायी के मौजूद होने पर, परन्तु उस स्थान से किसी भी प्रकार की व्यवसायिक गतिविधि संचालित नहीं होने पर जीएसटी पंजीयन को संदिग्ध माना जा सकता है |
(vi) REG-30 की कंडिका 8 में Documents verified tab में मात्र उन्हीं दस्तावेजों का सत्यापन किया जाना है, जिनके आधार पर GST पंजीयन प्राप्त किया गया है – आधार कार्ड, पेन कार्ड, व्यवसाय स्थल का प्रमाण यथा बिजली बिल/संपत्ति कर रसीद/खसरा नक़ल/किरायानामा आदि। सत्यापन में उक्त दस्तावेज फर्जी/कूटरचित पाए जाने पर जीएसटी पंजीयन संदिग्ध माना जा सकता है |
(vii) वस्तुओं के nature of business अनुसार अपेक्षित पर्याप्त स्थान या गोदाम या एडिशनल प्लेस न पाए जाने पर जीएसटी पंजीयन को संदिग्ध माना जा सकता है |
(viii) सेवाओं से संबंधित व्यवसाय स्थल का सेटअप वस्तुओं से संबंधित व्यवसाय स्थल के सेटअप से भिन्न हो सकता है | अतः भौतिक सत्यापन के समय यह देखा जाए कि प्रदाय की जा रही सेवाओं से संबंधित सेटअप/इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है या नहीं एवं उस स्थान से वास्तविक गतिविधियाँ संचालित की जा रही है या नहीं |
(ix) भौतिक सत्यापन में यदि जीएसटी पंजीयन में दर्ज HSN/SAC से अन्य व्यवसाय किया जाना पाया जाए जिससे fake billing/invoicing, fake ITC pass on किया जाना परिलक्षित होता है तो इस स्थिति में भी जीएसटी पंजीयन को संदिग्ध माना जाए |
परन्तु मात्र पंजीयन में दर्शित व्यवसाय के HSN एवं वास्तविक व्यवसायिक गतिविधियों के HSN में अंतर होने जैसी तकनीकी/लिपिकीय त्रुटियों के आधार पर पंजीयन को संदिग्ध न माना जाए |
(x) भौतिक सत्यापन में यदि एक ही व्यवसाय स्थल से अनेक जीएसटी पंजीयन संचालित होना पाए जाते है एवं उनके द्वारा fake billing/invoicing, fake ITC pass on किया जाना परिलक्षित होता है तो इस स्थिति में भी जीएसटी पंजीयन को संदिग्ध माना जाए |
(xi) भौतिक सत्यापन हेतु चिन्हित जीएसटी पंजीयन के प्रदर्शित व्यवसाय स्थल पर किसी अन्य जीएसटीएन का व्यवसाय संचालित होना पाया जाने पर संदिग्ध माना जाए |

भौतिक सत्यापन कर रहे संबंधित अधिकारी द्वारा सत्यापन हेतु चिन्हित जीएसटी पंजीयन को ऑनलाइन एप्प पर संदिग्ध मार्क किये जाने के संबंध में उपरोक्त में से स्पष्ट कारण का उल्लेख रिमार्क कॉलम में किया जाए |

8. भौतिक सत्यापन उपरांत संदिग्ध जीएसटी पंजीयन के विरुद्ध समुचित अधिकारी द्वारा निम्नानुसार कार्यवाही की जाए :-
(i) मध्यप्रदेश जीएसटी नियम 25 अथवा/ एवं 21(a) अनुसार करदाता का व्यवसाय स्थल अथवा/ एवं व्यवसायिक गतिविधियां संचालित नहीं होना पाया गया तो ऐसी स्थिति में मध्यप्रदेश जीएसटी नियम 86 A (1) (c) एवं CBIC circular 20/16/05/2021-GST दिनांक 02.11.2021 (1552/02.11.2021) अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।
(ii) संदिग्ध/ अस्तित्वहीन करदाताओं के संबंध में PART 1 (Pre-Physical Verification Check List) एवं Mobile App पर दर्ज प्रविष्टि के आधार पर मध्यप्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा-29 के प्रावधानों के अंतर्गत पंजीयन निरस्तीकरण की विधि सम्मत कार्यवाही समुचित अधिकारी द्वारा सत्यापन हेतु प्रकरण के आवंटन दिनांक से 30 दिवस में संस्थित किया जाना सुनिश्चित करेंगे। प्रकरण संस्थित कर निरस्तीकरण संबंधी कार्यवाही विभाग द्वारा जारी की गई पंजीयन निरस्तीकरण हेतु मानक अनुपालन की प्रकिया (पत्र क्र. /149/2019/41बीXXI/568 दिनांक 24-03-2023 द्वारा जारी SOP) के अनुसार करें।
(iii) करदाता का व्यवसाय स्थल अथवा/ एवं व्यवसायिक गतिविधियां संचालित पाये जाने की स्थिति में विभागीय Portal पर तद्नुसार प्रविष्टि की जाए।
(iv) संदिग्ध जीएसटी पंजीयन के सप्लाय-चेन विश्लेषण में अन्य जीएसटी पंजीयन के भौतिक सत्यापन का प्रस्ताव संभागीय उपायुक्त द्वारा मुख्यालय को प्रेषित किया जाए |

9. Feedback and Reporting Mechanism : अवगत हो कि इस अखिल भारतीय अभियान की मॉनिटरिंग हेतु National Coordination Committee का गठन किया गया है | अभियान की साप्ताहिक प्रगति हेतु Annexure-A में प्रगति प्रतिवेदन प्रत्येक शुक्रवार को मुख्यालय को प्रस्तुत करेंगे |

यह भी उल्लेखनीय है कि अभियान अंतर्गत अस्तित्वहिन/बोगस करदाता के सप्लायचेन का विश्लेषण कर उनके सप्लायर/रेसिपीएंट केंद्र/अन्य राज्य क्षेत्राधिकार अंतर्गत हो तो इसकी प्रविष्टि सावधानी पूर्वक Annexure-B में कर मुख्यालय को भेजी जाए |

इसी प्रकार अभियान अंतर्गत चिन्हित संदिग्ध करदाता के विरुद्ध की गई कार्यवाही जैसे पंजीयन का निलंबन/निरस्तीकरण, ITC ब्लॉक/रिवर्स आदि की जानकारी Annexure-C में मुख्यालय को भेजी जाए |

अभियान अंतर्गत Annexure-A, Annexure-B एवं Annexure-C में वृत्तवार समेकित प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु संभागीय उपायुक्त उत्तरदायी होंगे | परिक्षेत्र के अपर आयुक्त द्वारा अभियान की प्रगति की सतत समीक्षा की जाए |

संलग्न:- निर्धारित प्रारूप-
(CBIC द्वारा जारी निर्देश दिनांक 04-05-2023)

(लोकेश कुमार जाटव)
आयुक्त
वाणिज्यिक कर, मध्यप्रदेश
इन्दौर, दिनांक 09/05/2023

पृ. क्रमांक/149/2019/41बी/ इक्कीस/ 801

प्रतिलिपि:-
1. प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, वाणिज्यिक कर, विभाग वल्लभ भवन, मंत्रालय भोपाल की ओर सूचनार्थ प्रेषित।
2. मुख्य आयुक्त, केन्द्रीय कर, कस्टम एंड सेंट्रल एक्साईज, अरेरा हिल्स, होशंगाबाद रोड, भोपाल की ओर सूचनार्थ प्रेषित।

आयुक्त
वाणिज्यिक कर, मध्यप्रदेश

लूट की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी पकड़ाए

महिलाओं से लूटे थे सोने की चैन, हार, पुलिस ने 4 लाख 80 हजार का मशरूका जब्त किया

छिंदवाड़ा। कुण्डीपुरा थाना और कोतवाली थाने के अंतर्गत हुई लूट की वारदात को पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे 4 लाख 80 हजार रुपए मशरूका जब्त कर लिया है। महिलाओं को लूटे गए जेवर मिलने से उन्होंने पुलिस कार्रवाई की प्रशंसा की। एसपी संजीव उईके ने बताया कि पहली घटना कुंडीपुरा थाना के अंतर्गत हुई थी सारना बायपास पर नीलम पति अशोक विश्वकर्मा से पीछे से बिना नंबर की मोटरसायकल से आए दो युवकों ने सोने का हार छीनकर भाग गए थे दूसरी घटना कुंडीपुरा थाना के अंतर्गत हुई श्रीमति शोभा पति सत्यप्रकाश जैन से शहर के पाण्डेय नर्सिंग होम के पास से गले से सोने की चैन, पैडल सहित छीनकर भागे थे। एसपी विनायक वर्मा के निर्देश पर कुंडीपुरा थाना के टीआई महेन्द्र भगत, कोतवाली टीआई सुमेर सिंह जगेत ने सक्रियता दिखाते हुए तकनीकी संसाधनों व मुखबिर तंत्र के सहयोग से निरंतर तलाश की गई कडी मेहनत के परिणाम स्परूप सोने का हार एवं सोने की चैन छीनकर / लूट कर ले जाने वाले आरोपी पंकज कडवे, हरसू उर्फ हर्षवर्धन धूर्वे एवं करन रैकवार को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया इन तीनों संदेही / आरोपियों से पूछताछ पर दोनो ही अपराधों को घटित करना स्वीकार करने के आधार पर घटना में प्रयुक्त दो मोटर साइकल बिना नंबर की मोटरसायकिल एवं लूटा गया माल (सोने की चैन एवं सोने का हार) बरामद किया गया।

बैतूल से आकर दिया घटना को अंजाम

संकलित साक्ष्यों एवं अनुसंधान के दौरान हुई पूछताछ के आधार पर ज्ञात हुआ कि बैतूल से दो मोटर साइकल से छिंदवाड़ा आकर दोनो ही घटनाओं में एक मोटर साइकल से रैकी कर दूसरी मोटर साइकल से पीछा कर प्रार्थियों से सोने का हार एवं सोने की चैन पैडल सहित लूट कर भाग गये थे (पुलिस टीम में थाना प्रभारी कोतवाली निरी. सुमेर सिंह जगेत, थाना प्रभारी कुण्डीपुरा उनि महेन्द्र भगत, प्रआर शिवकरण पाण्डे, प्रआर शैलेन्द्र मरकाम, आर आदित्य रघुवंशी, प्रआर. अबरार खान, आर. युवराज रघुवंशी आर. सागर मर्सकोले, आर. रामकुमार जाटव, आर. नरेन्द्र सनोडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बेटे ने की पिता की हत्या

परासिया थाने के अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरताल के गांव तुरसी निवासी फूलचंद काकोड़िया को उसके बेटे गुरुप्रसाद काकोड़िया ने मामूली विवाद पर लठ से मारकर हत्या कर दी पुलिस ने हत्यारे पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। परिजनों ने बताया कि आम के पेड़ बेचने को लेकर पुत्र पिता से नाराज हो गया और उसकी हत्या कर दी।

जिला सेक्टर अधिकारी ने हितग्राहियो की समस्याओ के आवेदनो की जानकारी ली

सिंगोड़ी । अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत सिंगोड़ी में मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान 2.0 कार्यक्रम की समीक्षा करने छिंदवाड़ा जिला शिक्षा अधिकारी जी एस बघेल जिला सेक्टर अधिकारी के रूप में ग्राम पंचायत सिंगोड़ी सहित आसपास के विभिन्न ग्राम पंचायतों में पहुंचे जहां पर उन्होंने विभिन्न अधिकारी कर्मचारियों के माध्यम से विभिन्न विभिन्न विभागो के आवेदनो की समस्याओ की हितग्राही मूलक योजनाओ की जानकारी ली। साथ ही इंडियन बैंक पहुंचकर बैंक प्रबंधक से हितग्राहियो की आधार से ई केवायसी आदि की जानकारी ली। वही उपस्थित समस्त कर्मचारियों को घर-घर जाकर दिनांक 31 मई तक जन सेवा अभियान के तहत लोगो की समस्याओं का निराकरण करने के लिए कहा शासन की विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियो को लाभ मिले जिसका विशेष ध्यान रखने आदि के दिशा निर्देश दिए इस अवसर पर छिंदवाड़ा जिला शिक्षा अधिकारी जिला सेक्टर अधिकारी जन सेवा अभियान के जी एस बघेल, अमरवाड़ा बीईओ परतेती, सिंगोड़ी सरपंच कपिल ठाकुर , सचिव शरद परतेती, जिला शिक्षा कार्यालय से प्राचार्य संजय सिन्हा, संदीप हेडाऊ, जनशिक्षक मुकेश कनोजे, रविशंकर सिरसाम, पंचायत कर्मी कमलेश सोनी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका प्रमुख रूप से उपस्थित रही ।साथ ही अधिकारियो ने कर्मचारियो को जन सेवा अभियान 2.0 के कार्यक्रम को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

शरीर के अंदर की सफाई का सुगम माध्यम है ध्यान: श्रीमती शेलजा

ध्यान से निकलते है खराब विकार: वेंकटेश

छिंदवाड़ा । मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक पवन सहगल, विकासखंड समन्वयक अखिलेश जैन, परामर्शदाता विनोद तिवारी, जयप्रकाश सूर्यवंशी, श्रीमती लता नागले, श्रीमती तृप्ति सिंह, आशीष साहू के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में छिंदवाड़ा विकास खंड के ग्राम पंचायत थांवरीकला एवं ग्राम कुहिया में एकात्मक अभियान ध्यान एवं योग शिविर के द्वितीय दिवस का आयोजन दिनांक 17 मई 2023 को किया गया जिसमें कान्हा शांति वनम हैदराबाद से आई हुई प्रशिक्षकगण श्रीमती शैलजा, श्री वेंकटेश, एचआर यादव, महेंद्र मेहता तारक मेहता, कुमारी सारिका धुर्वे, अशीष साहू ने ध्यान के द्वितीय चरण के बारे में अर्थात ध्यान के उपरांत शरीर में उपस्थित बुराइयों को निकालने की प्रक्रिया को बताया गया, समझाया जिसका लाभ ग्राम के ग्रामीणों ने लिया जिसमें एमएसडब्ल्यू के छात्र सहसराम साहू एवं श्रीमती विनीता कुशराम ने भी अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया। वहीं बहुउद्देशीय शैक्षणिक विकास समिति छिंदवाड़ा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कुहिया के सदस्यगण का विशेष सहयोग रहा इस अवसर पर श्री वेंकटेश ने कहा की ध्यान करने से निकलते है शरीर से खराब विकार हमे नियमित रूप से ध्यान करना चाहिए। श्रीमती सैलजा ने कहा की शरीर के अंदर की सफाई का सुगम माध्यम है ध्यान आप सभी ने आज ध्यान किया अब स्वयं अनुभव करेगे कितना अच्छा लग रहा होगा आपको।

शांतिनाथ भगवान का जन्म, तप एवं निर्वाण कल्याणक आज

श्री पार्श्वनाथ जिनालय में होगा अनुष्ठान- बा. ब्र. सुमतप्रकाशजी के होंगे प्रवचन

छिंदवाड़ा । धर्म नगरी छिन्दवाड़ा सहित संम्पूर्ण विश्व की सकल जैन समाज के साथ श्री दिगम्बर जैन मुमुक्षु मण्डल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन आज जेष्ठ कृष्ण चतुर्दशी गुरुवार के शुभ दिन वर्तमान चौबीसी के 16 वें तीर्थंकर 1008 शांतिनाथ भगवान का मंगलकारी जन्म, तप एवं निर्वाण कल्याणक महोत्सव विविध अनुष्ठानों के साथ भक्ति भाव पूर्वक मनावेगा। फेडरेशन सचिव दीपकराज जैन ने बताया कि मंगलमय प्रसंग पर नई आबादी गांधी गंज स्थित श्री पार्श्वनाथ जिनालय में प्रात: 06.45 से श्री जिनबिंम्ब प्रक्षालन, 07 बजे से श्री जिनेन्द्र पूजन के साथ श्री शांतिनाथ भगवान का जन्म, तप एवं निर्वाण कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव पूर्वक मनाया जावेगा पश्चात 07. 45 बजे से बाल ब्रह्मचारी पण्डितश्री सुमतप्रकाशजी जैन साव के मंगल प्रवचनों को सुनने का लाभ सकल जैन समाज को प्राप्त होगा।

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

परासिया । उमरेठ से मोरडोंगरी मार्ग पर दबक रोड तिराहे से लगभग 100 मीटर पहले गुलाई में दोपहर लगभग 3⁻15 बजे महिन्द्रा पिकअप स्ब्क50 त्र 2706 और हीरो एच एफ डिलक्स मोटर साईकिल स्ब्क28 स्ङ्ग 0716 वाहन में भिड़ंत हो गयी जिसमें मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात नवयुवकों की मौके पर ही मृत्यु हो गयी। बताया जा रहा है कि पिकअप उमरेठ की और से मोरडोंगरी की तरफ जा रही थी वहीं मोरडोंगरी की तरफ से मोटरसाइकिल में सवार दोनों नवयुवक चले आ रहे थे। पिकअप वाहन तेज रफ्तार में था जो गुलाई में अनियंत्रित होकर दोनों दुपहिया वाहन सवारों को टक्कर मारता हुआ सड़क से लगे जंगल में जा घुसा। पुलिस थाना उमरेठ पुलिस दल ने घटनास्थल पर पहुंच कर मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परासिया भेजा है। वहीं मृतकों की पहचान करने पतासाजी की जा रही है।

5 जून को पर्यावरण दिवस

पर्यावरण के अनुसार जीवन जीयें

ऊर्जा निगम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम

छिन्दवाड़ा । मिशन लाईफ में लोगों को पर्यावरण अनुकूल जीवन पद्धति अपनाने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग द्वारा 15 मई से प्रदेश में लाईफ स्टाइल फॉर इनवायरमेंट कार्यक्रम शुरू किया गया है। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून तक चलने वाले इस कार्यक्रम में प्रत्येक जिले में प्रत्येक दिन साईकिल रैली, पौधारोपण, ऊर्जा संरक्षण विषय पर चित्रकला, निबंध लेखन, नुक्कड़ नाटक, गोष्ठी, प्रदर्शन आदि गतिविधियाँ होंगी। ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री कर्मवीर शर्मा ने बताया कि प्रमुख सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा श्री संजय दुबे जी के नेतृत्व में मिशन लाईफ में ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशियेंशी के सहयोग से जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिये विभिन्न गतिविधियाँ की जाएंगी। इसमें आम जनमानस के साथ विद्यार्थियों और किसानों को भी ऊर्जा के अपव्यय से होने वाले पर्यावरण नुकसान की जानकारी दी जा रही है।

कर्मवीर शर्मा ने कहा कि ऊर्जा विकास निगम द्वारा प्रदेश में ऊर्जा संरक्षण एवं संवर्धन के लिये ऊर्जा साक्षरता अभियान (ऊषा) चलाया जा रहा है। इसका भी उद्देश्य प्रदेश के नागरिकों को जलवायु परिवर्तन के दुष्णप्रभावों के विरूद्ध जागरूक करना है। अभियान से अब तक 15 लाख से अधिक लोग जुड़ चुके है। ऊर्जा विकास निगम द्वारा 15 मई को दतिया जिले में 50 किसानों, ग्रामीणों और गृहणियों को ऊर्जा बचत के उपाय, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के बारे में जानकारी दी गई। भोपाल के एस.ए.जी.ई. यूनिवर्सिटी में 16 मई को कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों को मिशन लाईफ के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। मिशन का उद्देश्य खासतौर से युवा पीढ़ी को जलवायु परिवर्तन के दुष्णप्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिये तैयार करना है।

आज एक फीडर में बिजली आपूर्ति रहेगी बंद

छिन्दवाड़ा। कंपनी द्वारा बिजली आपूर्ति बंद रहने के दौरान विद्युत उपभोक्ताओं से सहयोग की अपेक्षा की गई है। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के कार्यपालन अभियंता (शहर संभाग) ने बताया कि 18 मई को सोनपुर रोड टाउन-2 फीडर की विद्युत लाईन से जुड़े क्षेत्र झण्डा चौक, कपूरचंद साहू, हनुमान मंदिर छापाखाना, नया छापाखाना, मोतीलाल बुधवारी, डी नेमा मेन रोड, सरदार बिल्डिंग, राजपाल चौक, पोला ग्राउंड, दशहरा मैदान, सिटी कोतवाली थाना, बीकानेर, मोहबे मार्केट, इतवारी, फव्वारा चौक, गर्ल्स कॉलेज आदि क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी।

श्री श्री के हज़ारों साधकों ने भजन और ध्यान के साथ मनाया जन्मोत्सव

छिंदवाड़ा । आर्ट ऑफ़ लिविंग के संस्थापक गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी का 67वां जन्मोत्सव पुरे विश्व मे ज्ञान, ध्यान एवं सेवा के साथ मनाया गया, जिस क्रम मे छिंदवाड़ा मे विविध आयोजन के साथ श्री श्री का जन्मोत्सव मनाया गया, आर्ट ऑफ़ लिविंग मध्यप्रदेश के स्टेट कॉर्डिनेटर भूपेंद्र मिश्रा एवं छिंदवाड़ा डिस्ट्रिक कॉर्डिनेटर डॉ रंजना टांडेकर ने बताया कि हर वर्ष के अनुरूप इस वर्ष भी गुरुदेव का जन्मोत्सव हज़ारो साधकों कि उपस्तिथि मे न्यू पंजाब लॉन छिंदवाड़ा मे बहुत ही भव्यता एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसमे जबलपुर से पधारे आर्ट ऑफ़ लिविंग भजन गायक आदित्य तिवारी और मनस्वी शर्मा ने भजन प्रस्तुति से साधकों को मन्त्रमुग्ध कर दिया, गुरुपूजा एवं सत्संग के साथ ही गुरुदेव के निर्देशन मे हज़ारो साधकों ने सामूहिक ध्यान किया और नन्हे मुन्ने बच्चों ने केक काटकर गुरुदेव का जन्मोत्सव मनाया, कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे भाजपा जिलाध्यक्ष एवं नगर पालिका निगम महापौर विक्रम अहाके ने भी उपस्थिति दर्ज कि, कार्यक्रम के समापन मे सभी साधकों ने भोजन प्रसादी ग्रहण कि, श्रीमती पूनम गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुदेव के जन्मोत्सव के अवसर पर विविध आयोजन मे आयुष होमा, महासत्संग, महाप्रसादी के साथ ही संस्था कि महिला वालंटियर्स ग्रुप ने वार्ड क्रमांक मे आंगनवाड़ी मे अलमारी के साथ बच्चो कि शिक्षा सम्बन्धी जरुरी वस्तुए डोनेट कि गई, समस्त कार्यक्रम मे छिंदवाड़ा इकाई के टीचर्स, वालंटियर्स एवं साधकागण का विशेष सामूहिक योगदान रहा.

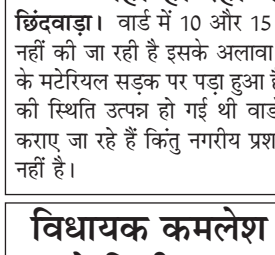

विधायक ने किया निर्माण कार्यो का भूमि पूजन

परासिया । कोयलांचल क्षेत्र के ग्राम पंचायत पगारा में विधायक सोहनलाल बाल्मीक द्वारा परासिया विधानसभा की ग्राम पंचायत पगारा मे दिन बुधवार को 6 लाख 50 हजार रूपये की राशि के निर्माण कार्यो का भूमि पूजन किया गयाएवं भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से परासिया ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष नरेन्द्र विश्वकर्मा वरिष्ठ कांग्रेसी हरि वर्मा विधायक प्रतिनिधि आशीष सिकन्दरपुरे पगारा जनपद सदस्य श्रीमती गीता संतोष साहू,कोहका जनपद सदस्य श्रीमती राजकुमारी इवनाती पगारा ग्राम पंचायत उपसरपंच विनय जैन क्षेत्रीय कांग्रेस पगारा अध्यक्ष राहुल जायसवाल युवा कांग्रेस क्षेत्रीय अध्यक्ष निरंजन ठाकुर संतोष उइके जितेन्द्र सुर्यवंशी आकाश नागवंशी नितेश सुर्यवंशी श्रीमती मनीषा जैन नीतू भलावी कुसुम नागोद संध्या विश्वकर्मा सरोज सुर्यवंशी भरत सिंह बैस दिनेश विश्वकर्मा राकेश सोनी महेन्द्र सुर्यवंशी श्रीभानशा उइके राहुल जैन इन्द्रजीत यादव गन्नू पटेल जयपाल काकोडी़या गोविन्द शंकर मिश्रा जी एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे ।

हितग्राहियो की समस्याओ के आवेदनो की जानकारी ली

सिंगोड़ी। अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत सिंगोड़ी में मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान 2.0 कार्यक्रम की समीक्षा करने छिंदवाड़ा जिला शिक्षा अधिकारी जी एस बघेल जिला सेक्टर अधिकारी के रूप में ग्राम पंचायत सिंगोड़ी सहित आसपास के विभिन्न ग्राम पंचायतों में पहुंचे जहां पर उन्होंने विभिन्न अधिकारी कर्मचारियों के माध्यम से विभिन्न विभिन्न विभागो के आवेदनो की समस्याओ की हितग्राही मूलक योजनाओ की जानकारी ली।

नगर पालिका चौरई में स्वच्छता को लेकर आम जन नाराज

छिंदवाड़ा/चौरई । चौरई नगर पालिका क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को लेकर जनता में काफी नाराजी है, वर्षा ऋतु आने वाली नाली एवं नालों की सफाई बराबर नहीं हो रही है, जगह-जगह कचरा पड़ा है, क्षेत्रीय लोगों ने इसकी शिकायत विधायक सुजीत चौधरी को भी की है। सफाई व्यवस्था के संबंध में सी.एम.ओ अभयराज सिंह एवं इंचार्ज बाबू सुमेरसिंग साहू से चर्चा करने की कोशिश की तो उन्होने फोन नहीं उठाया आम जनता की शिकायत है कि सी.एम.ओ जनता के फोन नहीं उठाते।

नगर पालिका में बाबू राज का बोलबाला,

बाबू राज की नजीर देखना हो तो नगर पालिका , चौरई का रुख कीजिए। यहां बाबुओं की मनमानी के आगे शासन आदेश घुटने टेकता दिख रहा है। हालत यह है कि वर्षों से कार्यालय के अलग-अलग अनुभाग में स्थानीय बाबू डटे पड़े हैं। नियमानुसार प्रत्येक तीन वर्ष के बाद पटल में परिवर्तन कर देना चाहिए, लेकिन यहां पर कोई 15 वर्ष से पदस्थ है तो कोई दो दशक से भी अधिक समय से पटल पर बना हुआ है। कार्यालय स्टाफ के अलावा फील्ड स्टाफ का भी यही हाल है। इनमें से कई ऐसे हैं, जिन्होंने 10 से अधिक वर्ष का समय एक ही जगह में ही पूरा कर लिया है। ऐसे में सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि चौरई नगर पालिका में बाबुओं व फील्ड कर्मचारियों का काकस कितनी मजबूती से काम कर रहा है। शासनादेश की धज्जियां उड़ाते हुए ऐसे कर्मचारी अपने-अपने पटलों व यहां पर बने रहकर आए दिन तरह की स्वाभाविक मनमानी भी कर रहे हैं।

चौरई नगर पालिका के कर्मचारियों के लिए शासनादेश के कोई मायने नहीं रखते। अलग अलग समय पर यहां कुर्सियों पर काबिज रहे अध्यक्षों का कृपा पात्र बनकर बाबू राज चरम पर रहा। सरकार का स्पष्ट आदेश है कि कार्यों में पारदर्शिता लाने तथा सभी कर्मचारियों को अलग अलग जिम्मेदारी का एहसास कराने के लिए प्रत्येक तीन वर्ष के बाद पटल परिवर्तन कर देना चाहिए, लेकिन चौरई नगर पालिका में ऐसा नही हो पा रहा। यहां कुल चार अनुभाग हैं, लेकिन निर्माण विभाग में कार्य करने को लेकर सर्वाधिक जोड़तोड़ लगी रहती है। यह बात अलग है कि नियमो की धज्जियां उड़ाते हुए यहां तैनात कर्मचारी 12 वर्ष से अधिक का समय पूरा कर चुके हैं। प्रशासनिक कर्मचारी के पद पर प्रोन्नति पाने से अब तक निर्माण, स्थापना अनुभाग में बने हुए हैं। यहां कार्यरत एक अन्य कर्मचारी अनुभाग का मोह नहीं छोड़ पा रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि यहां पर पदस्थ पूरे के पूरे कर्मचारी स्थानीय है.इसके अलावा नगर मे हर तरफ गंदगी का आलम फैला हुआ है वार्डो से लेकर सड़को तक कचरा फैला हुआ है नालियों को कई दिनों तक सफाई नहीं हो पाती है वार्ड पार्षद भी इन कर्मचारियों से परेशान है जिसकी शिकायत पार्षदों द्वारा नगर पालिका अधिकारी को भी कई बार की जा चुकी है फिर भी कार्यवाही नहीं हो पा रही है

नहीं हो रही नालियों की सफाई

छिंदवाड़ा। वार्ड में 10 और 15 दिनों के अंतर में भी नालियों की सफाई नहीं की जा रही है इसके अलावा वार्ड में जगह-जगह निर्माणाधीन मकानों के मटेरियल सड़क पर पड़ा हुआ हैं विगत दिनों बरसात के कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी वार्डों में स्वीकृत कार्यो कि निर्माण भी नहीं कराए जा रहे हैं किंतु नगरीय प्रशासन का इस ओर बिल्कुल भी का ध्यान नहीं है।

विधायक कमलेश शाह के प्रयासों से ग्रामों को मिली नल जल योजना की सौगात

अमरवाड़ा । विधायक राजा कमलेश प्रताप शाह के निरंतर प्रयास के परिणाम स्वरूप विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी अंचल हर्रई विकासखंड के विभिन्न ग्रामों के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा नल जल योजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। तदाशय की जानकारी देते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजकुमार ठाकुर द्वारा जानकारी दी गई कि विधायक कमलेश शाह द्वारा क्षेत्र की पेयजल समस्या को प्राथमिकता से लगातार शासन के समक्ष रखते हुए निरंतर अथक प्रयास किए गए जिसके फलस्वरूप हर्रई विकासखंड के लगभग सौ ग्रामों के लिए मध्यप्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल योजना की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें प्रमुख रूप से ग्राम सलैया बुलाकी 46.46 लाख, साजवा 55.45 लाख, डबरी 54.55 लाख, कुंडाली 26.14 लाख, खाजरवानी 39.10 लाख, मटिया 29.06 लाख, सामरडोह46.36 लाख, गुन्हेरी 30.23 लाख बैछापर24.66लाख मूकाखेड़ा38.83लाख थावरी 22.93लाख, आंचल कुंड76.62लाख, बरुल41.32लाख, आदि सौंगात दी।

21 मई को राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पठन सामग्री और वर्जित वस्तुओं के साथ परीक्षा कक्ष में नहीं मिलेगा प्रवेश

छिन्दवाड़ा । म.प्र.लोक सेवा आयोग द्वारा आगामी 21 मई को राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2022 का आयोजन किया गया है । जिला मुख्यालय और अनुविभाग के 23 परीक्षा केन्द्रों में यह परीक्षा दो सत्रों प्रात: 10 से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2.15 से शाम 4⁻15 बजे तक आयोजित होगी जिसमें जिले के 8 हजार 354 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे । इस परीक्षा में परीक्षार्थियों को मोबाईल, केलकुलेटर आदि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पठन सामग्री और वर्जित वस्तुयें लेकर परीक्षा कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं है । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने बताया कि इस परीक्षा में आयोग के निर्देशानुसार किसी इलेक्ट्रॉनिक डिवाईस के उपयोग को रोकने के लिये परीक्षा कक्ष में जूते-मोजे पहनकर प्रवेश वर्जित रहेगा, परीक्षार्थी चप्पल व सैंडल पहनकर आ सकते हैं । चेहरे को ढककर परीक्षा केन्द्र में प्रवेश वर्जित रहेगा । एसेसरीज जैसे बालों को बांधने का क्लचर/बकल, घड़ी, हाथ में पहने जाने वाले किसी भी प्रकार के बैंड, कमर में पहने जाने वाले बेल्ट, धूप में पहने जाने वाले चश्मे, पर्स/वॉलेट, टोपी आदि वर्जित है। सिर, नाक, कान, गला, हाथ-पैर, कमर आदि में पहने जाने वाले सभी प्रकार के आभूषण, हाथ में बंधे धागे, कलावा, रक्षासूत्र आदि का सूक्ष्मता से परीक्षण कर वीक्षकों द्वारा परीक्षार्थी की परीक्षा कक्ष में जाने के पूर्व तलाशी ली जायेगी।

भरे गये नारी सम्मान योजना के फार्म

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने तीन ब्लॉकों में किया शुभारंभ

छिंदवाड़ा । प्रदेश व जिले की समस्त माताओं, बहनों व बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व सीएम कमलनाथ ने लिया है और उनके इस संकल्प को साकार करने हेतु सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार आज जिले के तीन ब्लॉकों में नारी सम्मान योजना के फार्म समारोहपूर्वक भरे गये। बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने उपस्थित होकर योजना के फार्म भरे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ घोषणाओं पर भरोसा नहीं करते वचन देते हैं और उसे पूरा भी करते हैं। उनकी योजनाओं से अमीर, गरीब और मध्यम वर्ग सभी लाभान्वित होते हैं। बगैर किसी भेदभाव के नारी सम्मान योजना के तहत सभी नारी शक्ति का सम्मान होगा। कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण आपके घर पहुंचेंगे और योजना का फार्म भरवायेंगे। आप सभी मातृशक्ति को योजना का फार्म भरना है साथ ही अपने रिश्तेदारों, परिचितों से भी फार्म भरवाना है ताकि कोई भी नारी सम्मान योजना के लाभ से वंचित ना रहे। उक्त उदगार आज जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने आयोजित समारोह में व्यक्त किये।

श्री ओक्टे ने अपने उदबोधन में आगे कहा कि नारी सम्मान योजना वचनबद्ध पूर्व सीएम कमलनाथ की योजना है, जिन्होंने वचन दिया है कि नारीशक्ति को प्रतिमाह 15 सौ रुपये व 5 सौ रुपये में रसोई गैस सिलेंडर देकर आर्थिक रूप से सशक्त बनायेंगे। जबकि प्रदेश के मुख्यमंत्री घोषणावीर सिपाही शिवराज सिंह चौहान लाड़ली बहना योजना के नाम पर बहनों के साथ छलावा कर रहे हैं, कई तरह के नियम और कायदों के पेंच फसाकर हमारी मातृशक्ति को उलझा रहे हैं। उन्होंने अपने उदबोधन में सभी नारीशक्ति से अनुरोध किया कि अधिक से अधिक मातायें, बहनें व बेटियां नारी सम्मान योजना का फार्म भरें किसी के बहकावे में ना आयें और योजना का लाभ लेवें। आज सौंसर के सावता चौक स्थित माता मंदिर प्रांगण, मोहखेड़ ब्लॉक के उमरानाला व चौरई ब्लॉक के झिलमिली में नारी सम्मान योजना के फार्म समारोहपूर्वक भरे गये इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्र की मातृशक्ति ने उपस्थित होकर पूर्व सीएम श्री कमलनाथ की महत्वाकांक्षी योजना के फार्म भरे।

भाजपा नेताओं द्वारा कांग्रेस के पार्षद को किया जा रहा बदनाम : देवेंद्र वर्मा

छिंदवाड़ा । असंगठित कामगार कांग्रेस के जिला महासचिव एडवोकेट देवेंद्र वर्मा ने बताया कि विगत दिनों भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू के निर्देश पर भारतीय जनता पार्टी के नगर मंडल एक छिंदवाड़ा के अध्यक्ष रोहित पोपली द्वारा वार्ड क्रमांक 43 नगर पालिक निगम क्षेत्र छिंदवाड़ा के निवासी संतोष मालवीय जो कि भारतीय जनता पार्टी का षष्ठी माता मंदिर के पीछे वार्ड क्रमांक 43 का भाजपा का वार्ड प्रभारी है जिसका मकान वार्ड क्रमांक 40 माली मोहल्ला नोनिया करबल छिंदवाड़ा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण कार्य किया जा रहा है कांग्रेस के पार्षद द्वारा नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा से स्वीकृत कराया गया और संतोष मालवीय की पूरी मदद की गई किसी प्रकार की कोई रुपयों की मांग नहीं की गई प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा द्वारा संतोष मालवीय के मकान की प्रथम किस्त ?100000और द्वितीय किस्त ?100000 नगर पालिक निगम द्वारा स्वीकृत कर दी गई है और तीसरी किस्त भी डालना बाकी थी उसी बीच भाजपा के नेताओं ने संतोष मालवीय को अपने ऑफिस बुलाकर स्वयं भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल 1 के अध्यक्ष रोहित पोपली ने संतोष मालवीय से पूछताछ किया और वीडियो बनाकर वायरल किया है जिसमें भाजपा नेता रोहित की आवाज भी स्पष्ट आ रही है। कर्नाटक में कांग्रेस की जीत से भाजपा घबरा गई है इसके कारण सोशल मीडिया में इस प्रकार का षड्यंत्र रच कर छवि खराब की जा रही है भूरा भावरकर पार्षद स्वच्छ छवि के इमानदार कार्यकर्ता है क्षेत्र में चहुमुखी विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहते हैं उन्होंने संतोष मालवीय के द्वारा जो वीडियो जारी किया गया है वह कांग्रेस को बदनाम करना और कांग्रेस की छवि धूमिल करना है जिसकी शिकायत भी थाना कोतवाली में की जाएगी और भाजपा नेताओं को अधिवक्ता के माध्यम से लीगल नोटिस भेजी जावेगी

अमृत योजना 2035 को पलीता लगाने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग

छिंदवाड़ा । अमृत योजना 2035 को पलीता लगाने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग छिंदवाड़ा. सामाजिक कार्यकर्ता भगवानदीन साहू ने 21 नवम्बर 2022 को मुख्यमंत्री , म.प्र. सरकार के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक भोपाल को प्रार्थना पत्र देकर राजस्व अधिकारी और ग्राम निवेश अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की माँग की थी। जिसका विषय था म.प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेश की अवहेलना। माननीय मुख्यमंत्री को दिया गया आवेदन मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज होता है। जिसका क्रमांक 19945205। 23।11। 2022 है। प्रार्थना पत्र में बताया गया कि जिला कलेक्टर को न्यायिक प्रक्रिया में फंसाने के उद्देश्य से जिले के राजस्व विभाग और ग्राम निवेश के अधिकारियों ने अमृत योजना 2035 के अंतर्गत निजी स्वामित्व वाली खजरी आश्रम गौशाला की खेती भूमि के अंदर से रास्ता देना प्रस्तावित किया था। जिस पर पहले से ही उच्च न्यायालय का स्थगन आदेश था। इस शिकायत का आज तक निराकरण नहीं हुआ।

पुलिस महानिदेशक भोपाल से जिला पुलिस अधीक्षक के पास कार्यवाही हेतु पत्र आया पर उस पर भी कोई कार्यवाही नही हुई । जिला प्रशासन ने अमृत योजना 2035 के क्रियान्वयन हेतु आपत्ति मंगाई थी जिसको जबलपुर सम्भाग के उच्च अधिकारियों ने गम्भीरता से सुना और नगरीय प्रशासन मंत्रालय को रिपोर्ट दी। मंत्रालय ने फिलहाल छिंदवाड़ा को इस योजना से वंचित कर रखा है । इस सम्बंध में सत्तारूढ़ पार्टी के प्रतिनिधियों ने प्रभारी मंत्री के साथ मिलकर योजना लागू करने हेतु मंत्रालय में दबाव बनाया। पर मंत्रालय ने जिले के अधिकारियों पर भेदभाव वाले रवैये पर खेद प्रकट करते हुए इस योजना पर रोक लगा दी। जिले के विकास को अवरुद्ध करने वाले , जिला कलेक्टर को न्यायिक प्रक्रिया में फंसाने वाले, एवं माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेश की अवहेलना करने वाले पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई ।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में पीपल, बरगद, आम और जामुन के पौधे रोपे। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनिल माधव दवे की पुण्यतिथि पर उनके परिवार की निखिल दवे, श्रीमती धारा दवे और प्रखर दवे ने पौधरोपण किया।

मध्यप्रदेश में टिकट कटने के डर से मंत्री-विधायक अपना रहे नया फॉर्मूला, समाज के नाम पर शक्ति प्रदर्शन से क्या होगा फायदा?

भोपाल। मध्यप्रदेश में पहले ही हाल-बेहाल, उस पर कर्नाटक की हार। फिलहाल बीजेपी के लिए बुरी खबरों की फेहरिस्त लगी हुई है। किसी सर्वे से राहत भरी रिपोर्ट नहीं मिली है। उस पर पुराने नेताओं ने बगावत शुरू कर दी है। प्रदेश की सियासत में मची इस उथल-पुथल के बीच सीएम शिवराज सिंह चौहान और उनके मंत्रियों ने वोट बैंक को साधने की एक नई जुगत निकाल ली है। ये जुगत कुछ कुछ यूपी और बिहार की राजनीति की तर्ज पर है, लेकिन इंतजाम कुछ ऐसा है कि न हींग लगे न फिटकरी और रंग चोखा आने की उम्मीद पूरी है।

वोटर्स को साधने की कवायद- मध्यप्रदेश में वोट बैंक को साधने के लिए बीजेपी जो न कर सके वो कम है। मतदाताओं के बीच नाराजगी किस कदर है इसका अंदाजा तो विकास यात्रा के दौरान हो ही चुका है, लेकिन बीते कुछ दिनों में कुछ ऐसे घटनाक्रम भी हुए हैं जिसने बीजेपी को वोट बैंक साधने की एक और राह दिखा दी है। ये रास्ता बनना शुरू हुआ है लोधी आंदोलन के जरिए। ये उस वक्त की बात है जब एक समाज विशेष पर की गई टिप्पणी के चलते प्रीतम लोधी को बीजेपी ने निकाल दिया था, लेकिन समाज के गुस्से के डर से उन्हें निकालने वाले वीडी शर्मा ने ही बड़े सम्मान के साथ उनकी वापसी करवाई।

चुनाव को प्रभावित करता है समाजों का दबदबा- समाजों का यही दबदबा हर चुनाव को प्रभावित करता है। वैसे तो यूपी और बिहार के चुनाव में जातिगत राजनीतिक समीकरण बनाकर रखना बड़ी मजबूरी हुआ करता है, लेकिन 2018 के चुनाव के बाद से मध्यप्रदेश में भी ये समीकरण प्रभावी दिखाई देने लगा है। इसका उदाहरण है माई का लाल वाला सीएम शिवराज सिंह का बयान। जिसके बाद ग्वालियर चंबल का ब्राह्मण समाज बीजेपी से नाराज बताया गया था। इस नाराजगी का खामियाजा बीजेपी ने 2018 की चुनावी हार के रूप में भुगता। जिसके बाद मध्यप्रदेश में भी हर समाज की ताकत को अनदेखा करना बड़ी गलती साबित हो सकता है।

हर जगह समाज के शक्ति प्रदर्शन- अब बीजेपी समाजों की इसी ताकत और एकजुटता को कैश कराने के मूड में नजर आ रही है। वैसे आइडिया तो पुराना है, लेकिन नए कलेवर के साथ मध्यप्रदेश की सत्ता में उठापटक कर रहा है। आपको याद ही होगा 2018 से पहले सीएम हाउस में अलग-अलग समाज और तबकों की पंचायत हुआ करती थी। उस पंचायत में हर समाज या तबके के लिए खास घोषणाएं हुआ करती थीं। इस बार भी ऐसा ही हो रहा है, लेकिन इस बार ये सरकारी आयोजन की जगह हर समाज के शक्ति प्रदर्शन के रूप में हो रहे हैं। जिनके मंच पर मंत्रियों की आमद दर्ज होती है। क्या इसका एक पहलू ये नहीं है कि अब आयोजन भी समाज का होता है और घोषणा भी उनके लिए होती है। सरकार पर कोई बोझ नहीं। खैर ये बात अलग है। फिलहाल तो ये समझिए कि कौनसा समाज अपनी ताकत दिखाने के लिए कतार में है और इस तरह के शक्ति प्रदर्शन से मंत्रियों को क्या लाभ होता है।

समाज के शक्ति प्रदर्शन से बदल जाता है राजधानी का नजारा- किसी समाज का शक्ति प्रदर्शन होता है तो राजधानी भोपाल का नजारा ही बदला हुआ होता है। किसी चुने हुए मैदान में समाज के लोगों का जमावड़ा होता है। समाज के बैनर-पोस्टर से पूरा शहर पट जाता है। महाकुंभ या महासभा जिस भी नाम से आयोजन होता है उसके पोस्टर गाड़ियों पर भी चस्पा होते हैं। जो शहर-शहर गुजरते हुए ही प्रचार करती चली जाती हैं। साल 2023 की शुरूआत से अब तक कई सामाजिक और जातीय संगठन राजधानी भोपाल में शक्ति प्रदर्शन कर चुके हैं।

भोपाल में समाज के शक्ति प्रदर्शन

- सबसे पहले 7 जनवरी को भोपाल के जंबूरी मैदान में करणी सेना का 3 दिवसीय आंदोलन हुआ।
- 10 फरवरी को आदिवासी सुरक्षा मंच ने भोपाल में 80 हजार आदिवासियों के साथ डी-लिस्टिंग रैली निकाली।
- भोपाल के गोविंदपुरा दशहरा मैदान में 11 फरवरी को भीम आर्मी और पिछड़ा वर्ग की अधिकार रैली हुई।
- 31 मार्च को आरएसएस के बैनर तले सिंधु महासभा का महा सम्मेलन हुआ।
- 2 अप्रैल को भोपाल में सिंधु और साहू तैलिक समाज भी शक्ति प्रदर्शन कर चुके हैं।
- 14 मई को जाट महासभा का शक्ति प्रदर्शन हो चुका है।
- 4 जून को 11 सूत्रीय मांगों को लेकर ब्राह्मण महासभा का शक्ति प्रदर्शन होना है।
- 4 जून को ही भारतीय क्षत्रिय किरार महासभा का युवक युवती परिचय सम्मेलन होना है।
- इस तरह के आयोजन से सभी जातियों प्रदेश में अपनी आबादी के अनुपात में राजनीतिक हिस्सेदारी की मांग कर रही हैं।

4 जातियों को साधने के लिए बनाए 4 बोर्ड- इसके अलावा 4 जातियों को साधने के लिए उनके बोर्ड बना भी दिए गए हैं। स्वर्ण कला बोर्ड, रजक कल्याण बोर्ड, तेलघानी बोर्ड और विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड बनाने के आदेश जारी किए जा चुके हैं। इनमें से बहुत से शक्ति प्रदर्शन ऐसे भी हुए हैं जिसमें समाज से जुड़े मंत्री या विधायक भी पहुंचे हैं। उनका इशारा भी साफ है। शक्ति प्रदर्शन में शामिल होकर वो अपने साथ जुड़े वोट बैंक और उसकी ताकत जाहिर कर रहे हैं। इसका ताल्लुक भी इंटरनल सर्वे की रिपोर्ट से जुड़ा हो तो कोई ताज्जुब नहीं होगा। ये अधिकांश मंत्री और विधायकों को इल्म है कि रिपोर्ट खराब हुई तो उनका टिकट कट सकता है। तो क्या इस बार अपने समाज की ताकत या समाज का समर्थन दिखा कर नेता कोई खास मैसेज देने की कोशिश में हैं। इस तरह के शक्ति प्रदर्शन का मकसद समाजों की नाराजगी दूर करने के साथ ही अपने लिए टिकट पक्का करना भी समझा जा सकता है।

बीजेपी के कितने काम आएगा शक्ति प्रदर्शन?- बीजेपी पर इस बार प्रेशर की कोई कमी नहीं है। बागी नेताओं का प्रेशर तो है ही। जिनके टिकट कटने का डर है वो अभी से जोर-आजमाइश पर जुट गए हैं। अब अलग-अलग समाज भी अपनी-अपनी हिस्सेदारी मांगने पर अमादा है। जिन्हें कुछ राजनेताओं का ही बैक सपोर्ट भी हासिल है। समाजों का ये शक्ति प्रदर्शन बीजेपी के लिए कितने काम आता है। ये भी देखने वाली बात होगी। क्योंकि पुरानी पंचायतों में हुई बहुत-सी घोषणाएं ही अब तक पूरी नहीं हो सकी हैं। अब नए वादे करने से क्या हासिल होगा। ये देखना भी दिलचस्प होगा।

भोपाल-सागर समेत 11 जिलों में बारिश

23 मई से फिर एक्टिव होगा नया सिस्टम, आंधी भी चलेगी

भोपाल। मध्यप्रदेश में तेज गर्मी के बीच बारिश-आंधी का दौर भी जारी है। पिछले 3 दिन से तेज और हल्की बारिश हो रही है, जबकि 70 किमी प्रतिघंटे की स्पीड से आंधी चल हैं। कहीं ओले भी गिर रहे हैं। गुरुवार को भी मौसम का मिजाज ऐसा ही रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक भोपाल, सागर, सीहोर, राजगढ़, विदिशा समेत 11 जिलों में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। 20 मई तक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के साथ लोकल सिस्टम भी एक्टिव रहेगा। तीन दिन राहत के बाद 23 मई से फिर नया सिस्टम एक्टिव होगा। यानी, नौतपा की शुरुआत बारिश-आंधी के साथ होगी।

इससे पहले, बुधवार को भोपाल के करोंद में एक घंटा झमाझम बारिश हुई, जबकि इंदौर के महू तहसील के गांवों में तेज बारिश के साथ आंधी चली। आंधी-तूफान के कारण कई घरों की चद्दरें और छप्पर उड़ गए। सीहोर में भी तेज बारिश हुई। आंधी की वजह से पेड़ गिर गए। शाम को प्रदेश के कई शहरों में मौसम बदला। सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि भोपाल और सागर संभाग में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। भोपाल, सीहोर, राजगढ़, रायसेन, विदिशा, सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में मौसम बदला रहेगा।

25 मई तक दो सिस्टम सक्रिय- प्रदेश में 16 मई से तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का दौर शुरू हो गया।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक पांडे ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस 20 मई तक एक्टिव रहेगा। इस कारण हल्की बारिश और आंधी का दौर जारी है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक ममता यादव ने बताया कि 23 से 25 मई के बीच भी सिस्टम एक्टिव होगा। इस दौरान भी तेज आंधी के साथ बारिश होने का अनुमान है। इस तरह 25 मई तक दो सिस्टम एक्टिव रहेंगे। 25 मई से ही नौतपा की शुरुआत हो रही है। इससे नौतपा में भी बारिश होने के आसार हैं।

भोपाल में छायेंगे बादल

राजधानी भोपाल में गुरुवार और शुक्रवार को दोपहर बाद बादल छाने का अनुमान है। इससे हल्की बारिश हो सकती है। शाम को मौसम ठंडा रहेगा, लेकिन सुबह से दोपहर तक गर्मी का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान उमस भी परेशान करेगी। 20 और 21 मई को मौसम के सामान्य रहने का अनुमान है।

अभी खजुराहो में पारा चढ़ा

प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर जारी है। वहीं, कुछ शहरों में अभी भी गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। बुधवार को खजुराहो में पारा 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भोपाल में 39.2, ग्वालियर में 42.6, इंदौर में 38.8 और जबलपुर में 40.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं बैतूल में 39.2, धार में 39.3, गुना में 42, खंडवा में 40.5, मंडला में 40.2, पचमढ़ी में 34.8, रीवा में 42.0, सागर में 40.8, शिवपुरी में 42.2, उज्जैन में 39.2, उमरिया में 41.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

टीकमगढ़ के आरटीओ को कार्यकर्ता की शिकायत पर तत्काल हटाया गया

टीकमगढ़। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान फिर एक्शन मोड में दिखाई दिए। कार्यकर्ताओं द्वारा की गई आरटीओ की शिकायत के तत्काल बाद उसे हटा दिया गया है। परिवहन आयुक्त ने इसके आदेश जारी कर दिए। बुधवार को पृथ्वीपुर में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम के बाद विधायकों के साथ ही पार्टी पदाधिकारियों के साथ चर्चा की।

यहां पर मुख्यमंत्री चौहान से ओरछा के वरिष्ठ नेता अमित चतुर्वेदी ने आरटीओ निर्मल कुमरावत की शिकायत की। उन्होंने दोनों विधायकों एवं पार्टी जिला अध्यक्ष के सामने कहा कि था कि आरटीओ कभी आते नहीं है और बिना रुपयों के कोई काम नहीं किया जाता। अमित चतुर्वेदी ने बताया कि उनके वाहन के रजिस्ट्रेशन के लिए जिला अध्यक्ष अखिलेश अयाची के फोन के बाद भी आरटीओ द्वारा 30 हजार रुपए की रिश्वत लेकर काम किया गया था।

इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के जाने के एक घंटे बाद आरटीओ निर्मल कुमरावत को हटाने का आदेश जारी कर दिया गया। परिवहन आयुक्त ने आदेश जारी कर उन्हें निवाड़ी एवं टीकमगढ़ से हटाकर उनका कार्यालय परिवहन आयुक्त कार्यालय ग्वालियर नियत कर दिया है।

पिछले तीन साल से जिले के आरटीओ कार्यालय में जमकर

लापरवाहियां चल रही थी। आरटीओ का न आना, नियम विरूद्ध तरीके से काम होना और रुपयों के लेन-देन की शिकायतें लगातार सामने आ रही थी। आरटीओ द्वारा एसपी के फर्जी हस्ताक्षर से चरित्र प्रमाण-पत्र जारी करने के मामले में उनके खिलाफ धारा 420 का मामला भी दर्ज किया गया था। शिकायतों के बाद एक बार पहले भी इन्हें निलंबित किया गया था, लेकिन सात दिनों के अंदर ही बहाल हो गए थे।

कलेक्टर ने छात्राओं से किया संवाद, प्रतियोगी परीक्षाओं की बताई टिप्स

शहडोल। शहडोल की कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य ने पोस्ट मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास सोहागपुर का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने इस दौरान अनूठी पहल करते हुए छात्रावास में रह रही छात्राओं से संवाद किया। संवाद करते हुए कलेक्टर ने बालिकाओं से प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में जानकारी ली। जिस पर बालिकाओं ने बताया कि यहां प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग के साथ साथ पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं।

कलेक्टर ने छात्राओं से कहा कि प्रतियोगी परीक्षा के लिए प्रतिदिन का न्यूज़ पेपर पढ़कर एक डायरी में लिखे और बेहतर नोट्स बनाएं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु कड़े परिश्रम करें और टॉपिक वाइज सामान्य ज्ञान, इतिहास करंट अफेयर्स, समसामयिक आदि पढ़ कर सामूहिक रूप से साझा करें इससे कंफ्यूजन दूर होती है और बेहतर ढंग से याद हो जाता है। उन्होंने कहा कि यूट्यूब में बेहतर से बेहतर वीडियो उपलब्ध होते हैं, उसे देखें और नोट करें।

कलेक्टर ने छात्रों की मांग पर

सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग को निर्देशित किया कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए पुस्तकें सहित अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाए।

कलेक्टर ने छात्राओं को पेसा एक्ट की भी जानकारी दी। साथ ही छात्राओं से साफ सफाई, भोजन आदि की जानकारी लेते हुए कहा कि खाने की पौष्टिक चीजें जैसे चना, मूंग व अन्य पौष्टिक चीजें जरूर लेना चाहिए। कलेक्टर ने छात्रावास का निरीक्षण किया और बेहतर व्यवस्था होने पर सराहना की। इसी प्रकार कलेक्टर ने बालिकाओं से अन्य विषयों पर भी चर्चा की।

निरीक्षण के दौरान सहायक आयुक्त आनंद राय सिन्हा, बीईओ शिव प्रताप सिंह चंदेल, छात्रावास अधीक्षक सहित छात्रावास में रह रही छात्राएं उपस्थित रही।

खाद की किल्लत दूर करने के लिए खोले जाएंगे 254 केंद्र

भोपाल। मध्यप्रदेश में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आती जा रही है। इसके साथ ही प्रदेश की जनता को कई तरह के फायदे सरकार द्वारा दिए जा रहे हैं। बता दें कि, मध्यप्रदेश में किसान वोटरों की संख्या भी काफी अधिक है। ऐसे में सरकार किसानों को भी साधने की पूरी कोशिश में लगी हुई है।

ऐसे में अब सरकार चुनावी साल में किसानों को खाद की किल्लत से निजाद दिलाने जा रही है। इसके लिए 254 नए केंद्र खोले जाएंगे, जिसके लिए 8.50 करोड रुपए खर्च होंगे। बता दें कि फिलहाल राज्य सहकारी विपणन संघ के 297 केंद्र हैं। इसके अलावा 154 अतिरिक्त काउंटर भी खोले जाएंगे। चुनाव को देखते हुए सरकार ने इस बार 10.80 लाख टन

यूरिया, डीएपी, एनपीके और पोटाश का अग्रिम भंडारण कर रही है। बता दें कि इन केंद्रों को पुलिस थानों पर खोलने की तैयारी की जा रही है, जहां किसानों को 20 से 25 किलोमीटर दूर जाकर खाद लेना पड़ता है। गौरतलब है कि सरकार के तमाम वादों के बाद भी हर साल किसानों को खाद के लिए काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है हर बार यूरिया और डीएपी की किल्लत देखने को मिलती है। ऐसे में सरकार चुनाव को देखते हुए पहले ही सतर्क हो गई है।

गौरतलब है कि नवंबर में विधानसभा चुनाव होना है ऐसे में किसानों को गेहूं चने की बोनी के लिए डीएपी यूरिया की बड़ी संख्या में जरूरत लगेगी ऐसे में सरकार ने पहले ही किल्लत को दूर करने के लिए प्लानिंग बना ली है और इस बार खाद का भंडारण पिछले वर्ष की अपेक्षा सरकार ने इस बार 10.98 लाख टन यूरिया, डीएपी, एनपीके और पोटाश का अग्रिम भंडारण का निर्णय लिया है, ताकि किसानों को खाद से जुड़ी किसी भी तरह की कोई समस्या ना हो।

महापौर परिषद ने नियम विरुद्ध सैकड़ों संकल्प किए पारित

जनता के मुद्दों को परिषद में नहीं रखा गया

भोपाल। आज राजधानी नगर निगम के विपक्षी दल की बैठक निगम कार्यालय आईएसबीटी पर आयोजित की गई । जिसमें निगम कि नेता प्रतिपक्ष केक्साथ अन्य पार्षद गण मौजूद रहे। बैठक में बजट सत्र से पूर्व पारित किए गए संकल्प पत्र पर चर्चा की गई जिसमें उन्होंने बताया कि बजट बैठक 21 मार्च 2023 के बजट आने के पूर्व महापौर परिषद ने अपनी शक्तियों का दुरूपयोग करते हुये लगभग 524 संकल्प पारित किये जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के घरो का निर्माण, निगम की दुकानों को बेचने एवं किराये पर देने संबंधी टेण्डर ठेका कम्पनियों को समय अवधि पूर्व होने के बाद समय में बढोत्तरी करना, मार्केट और भूखंडों की लीज एवं नवीनीकरण के टेण्डर, डुप्लेक्स बनने के अनेकों कार्यों के टेण्डर जो करोड़ों

की राशि में है। जो संकल्प पारित कर स्वीकृत किये जा चुके है।

नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि इतिहास में पहली बार जनता से जुड़े मुद्दों को परिषद में नहीं लाया जा रहा है और ना ही जनप्रतिनिधियों को ज्ञान हैं। जन की ऐसे कार्य जो नीतिगत प्रकृति के हो या पूरे भोपाल शहर के लिए प्रसांगिक हो चाहे उन कार्यो में व्यय होने वाली राशि का अनुमोदन परिषद से लेना होगा। वही संकल्प पत्र को पारित कराने वार्ड पार्षद, क्षेत्रीय विधायक की सहमति लेना अनिवार्य है। साथ ही स्वीकृत बजट में प्रावधान, एवं बजटमद में राशि होना अनिवार्य है। महापौर परिषद ने नियम विपरीत तरीके से सभी संकल्प पारित किये जनप्रतिनिधियों के विशेष अधिकारों का हनन है। यह एक अपराधिक कृत्य है।

चुनाव की तैयारियां: 20 मई को भोपाल में ईवीएम, वीवीपैट मशीनों की एफएलसी कार्यशाला

भोपाल। कर्नाटक चुनाव के बाद अब मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव की चर्चा है। प्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके तहत 20 मई को भोपाल में ईवीएम, वीवीपैट मशीनों की एफएलसी कार्यशाला आयोजित की जा रही है।

बताया जा रहा है कि इस कार्यशाला में केंद्रीय निर्वाचन आयोग से आए प्रशिक्षकों द्वारा मशीनों के बारे में जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला में निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन भी मौजूद रहेंगे।

इस कार्यशाला में 31 जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी व उप जिला निर्वाचन अधिकारी शामिल होंगे। भोपाल में होने वाली कार्यशाला में केंद्रीय निर्वाचन

आयोग के सचिव मुधसूदन गुप्ता, अनुभाग अधिकारी शिवम अरोरा, ईवीएम नोडल असम ईमली बरूआ, ईवीएम नोडल पश्चिम बंगाल सुमंता राय, ईवीएम नोडल पंजाब विपुल उज्ज्वल शामिल होंगे। यह कार्यशाला भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कंवेंशन सेंटर हाल में आयोजित की जाएगी।

कार्यशाला में अधिकारियों को मशीनों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा, जिससे मतदान के समय किसी तरह की कोई समस्या न आए। अधिकारी प्रशिक्षण लेने के बाद अपने अधीनस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों को मशीन के बारे में बताएंगे। जिससे चुनाव के समय मशीनों का सही से उपयोग किया जा सके।